THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 216 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.11 2080 बुधवार, 25 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अगली रामनवमी रामलला के मंदिर में मनेगी : पीएम

शताब्दियों बाद मंदिर में विराजेंगे श्रीराम

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। दशहरा के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारका में आयोजित श्री रामलीला सोसायटी की 11वें भव्य रामलीला में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। यहां उन्होंने राम-सीता और लक्ष्मण की आरती की। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं समस्त भारतवासियों को शक्ति उपासना पर्व नवरात्रि और विजय पर्व विजयादशमी की अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। विजयादशमी का ये पर्व, अन्याय पर न्याय की विजय, अहंकार पर विनम्रता की विजय और आवेश पर धैर्य की विजय का पर्व है।

हमें सौभाग्य मिला है कि हम भगवान राम का भव्यतम मंदिर बनता देख पा रहे :

पीएम मोदी ने कहा कि आज हमें सौभाग्य मिला है कि हम भगवान राम का भव्यतम मंदिर बनता देख पा रहे हैं। अयोध्या की अगली रामनवमी पर रामलला के मंदिर में गूंजा हर स्वर, पूरे विश्व को हर्षित करने वाला होगा। राम मंदिर में भगवान राम के विराजने को बस कुछ महीने बचे हैं। हम गीता का ज्ञान भी जानते हैं और आईएनएस विक्रांत और तेजस का निर्माण भी जानते हैं। हम श्रीराम की मर्यादा भी जानते हैं और अपनी सीमाओं की रक्षा करना भी जानते हैं। हम शक्ति पूजा का संकल्प भी जानते हैं और कोरोना में सर्वे सन्तु निरामया के मंत्र को भी जी करके दिखाते हैं। इस बार हम विजयादशमी तब मना रहे हैं, जब चंद्रमा पर हमारी विजय को दो महीने पूरे हुए हैं। विजयादशमी पर शस्त्र पूजा का भी विधान है। भारत की धरती पर शस्त्रों की पूजा किसी भूमि पर आधिपत्य नहीं, बल्कि उसकी रक्षा के लिए की जाती है।

>14

भारत-मलेशिया के बीच द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास का आगाज

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और मलेशिया के सेना के बीच द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास हरिमऊ शक्ति 2023 का आगाज हुआ। यह अभ्यास पांच नवंबर तक चलने वाला है। पिछले साल यह अभ्यास नवंबर में मलेशिया के पुलाई, क्लुआंग में आयोजित किया गया था।

इस अभ्यास में दोनों देशों के लगभग 120 सैन्य कर्मी शामिल हुए हैं। इस दौरान दोनों दल एक संयुक्त कमांड पोस्ट और एक इंटिग्रेटेड सर्विलेंस ग्रिड के साथ संयुक्त सर्विलेंस सेंटर स्थापित करेंगी। दोनों पक्ष जंगल, अर्ध-शहरी, शहरी वातावरण में संयुक्त अभ्यास करेंगे। इस अभ्यास में ड्रोन, यूएवी और हेलीकॉप्टरों का भी उपयोग किया जाएगा।

दोनों पक्ष हताहत प्रबंधन और मिकासी अभ्यास और बटालियन स्तर पर उत्तरजीविता प्रशिक्षण का भी अभ्यास करेंगे। इस अभ्यास का मुख्य फोकस उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, सामरिक स्तर पर अभ्यास का संचालन पर रहेगा। यह अभ्यास अर्ध शहरी क्षेत्र में 48 घंटे लंबे अभ्यास के बाद समाप्त होगा। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों की सुरक्षा सहयोग द्विपक्षीय रिश्ते को मजबूत करना है।

रक्षा मंत्री ने दशहरे पर तवांग में की शस्त्र पूजा

सीमा से चीन की चौकियों पर भी डाली नजर

तवांग, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर तवांग पहुंचे। तवांग में रक्षा मंत्री ने दशहरे के पावन अवसर पर शस्त्रों की पूजा की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने तवांग के युद्ध स्मारक पर पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही रक्षा मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश के बम ला बॉर्डर से सीमा के उस पार मौजूद चीन की चौकियों का भी विश्लेषण किया। इस दौरान सैन्य अधिकारियों ने राजनाथ सिंह को सीमा पर मौजूदा हालात की भी जानकारी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तवांग में 1962 युद्ध के नायक शहीद सूबेदार जोगिंदर सिंह के स्मारक पर भी पहुंचकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भारत चीन विवाद के बीच राजनाथ सिंह का दौरा अहम :

दशहरे के अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के तवांग पहुंचकर रक्षा मंत्री का शस्त्र पूजा करने की काफी अहमियत है। बता दें कि भारत और चीन के बीच बीते काफी समय से सीमा पर विवाद चल रहा है और दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने तैनात हैं। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता है, वहीं भारत द्वारा लगातार चीन के इस दावे को खारिज किया जाता है। खासकर तवांग पर चीन का ज्यादा फोकस है। चीन के विदेश मंत्री ने बीते साल भारत के साथ तवांग को लेकर बातचीत करने की पेशकश की थी लेकिन भारत की तरफ से चीन को दो टूक कह दिया गया था कि भारत तवांग पर किसी तरह का कोई समझौता नहीं करेगा।

तवांग पर कब्जा चाहता है चीन

दरअसल तवांग और यांगझी तिब्बती बौद्ध धर्म के लिए बेहद अहम हैं। तवांग तिब्बत के छठे दलाई लामा का जन्मस्थान है। तवांग का बौद्ध मठ भी तिब्बती बौद्ध धर्म के लिए बेहद पवित्र माना जाता है। यही वजह है कि चीन तवांग को अपने कब्जे में लेकर तिब्बत पर अपने प्रभाव को मजबूत करना चाहता है लेकिन जब तक तवांग भारत का हिस्सा है, तब तक चीन के बाहर तिब्बती बौद्ध धर्म का प्रभाव रहेगा और चीन की तिब्बत पर सांस्कृतिक तौर पर कब्जे की तमन्ना पूरी नहीं हो सकेगी।

परीक्षा में हिजाब की अनुमति, कुर्ता-पजामा पर प्रतिबंध

कर्नाटक सरकार के दोहरे रवैये पर उठे सवाल

बैंगलुरू, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक हालिया घटनाक्रम में, कांग्रेस के नेतृत्व वाली सिद्धारमैया सरकार ने 'कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण' द्वारा आयोजित सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं के दौरान हिजाब और बुर्के के इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। विभिन्न सरकारी संस्थाओं में कर्नाटक में 670 भर्तियां निकली हैं और उनमें भर्ती के लिए परीक्षाएं होने वाली हैं। ये परीक्षाएं 28-29 अक्टूबर, 2023 को आयोजित की जाएंगी। लेकिन, परीक्षा के दौरान ड्रेस कोड और पोशाक पर पार्टी के रुख को देखते हुए इस फैसले ने सवाल और चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्पष्ट विरोधाभास और संभावित निहितार्थों के आलोक में इस स्थिति की जांच करना आवश्यक हो गया है। मई 2023 के चुनावों में जीत हासिल करने के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने परीक्षाओं के दौरान हिजाब और बुर्के के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर व्यक्तिगत गरिमा के महत्व पर जोर देते हुए इस फैसले का बचाव करते हैं। पिछली बीजेपी सरकार के कार्यकाल के दौरान भी कर्नाटक को स्कूलों और कॉलेजों में बुर्के के इस्तेमाल को लेकर विवादों का सामना करना पड़ा था। इस्लामी कट्टरपंथियों ने समान नियमों का विरोध किया और कक्षाओं में हिजाब/बुर्का पहनने के अधिकार की मांग की। जबकि, रूढ़िवादी इस्लामिक देश सऊदी अरब समेत कई देशों ने शिक्षण संस्थानों या परीक्षा हॉल में हिजाब/बुर्का पहनने पर प्रतिबंध लगा रखा है। सऊदी अरब ने इस फैसले के पीछे तर्क दिया था कि, शिक्षण संस्थानों/परीक्षा केंद्रों में सभी विद्यार्थियों को यूनिफार्म ही पहनना चाहिए, लेकिन इसके उलट धर्मनिरपेक्ष देश भारत में स्कूल/कॉलेज के अंदर हिजाब/बुर्का पहनने को लेकर काफी बवाल मचा था।

चीन ने रक्षा मंत्री ली शांगफू को हटाने की घोषणा की

2 महीने से बिना बताए गायब हैं

बीजिंग, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन ने रक्षा मंत्री ली शांगफू को हटाने की घोषणा की है। वे करीब 2 महीने से बिना कोई सूचना दिए गायब हैं। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। शांगफू के खिलाफ सैन्य हथियार की खरीद से जुड़े मामलों में जांच चल रही है। शांगफू को आखिरी बार 29 अगस्त को बीजिंग में अफ्रीकी देशों के साथ एक सिक्योरिटी फोरम में भाषण देते हुए देखा गया था। उस महीने की शुरूआत में उन्होंने रूस और बेलारूस का भी दौरा किया था। जुलाई में शांगफू की तरह ही चीन के विदेश मंत्री क्वीन गैंग भी लंबे समय तक गायब रहे थे। इन्हें बाद में मंत्री पद से हटा दिया गया था।

दरअसल, जुलाई में चीन के रक्षा मंत्रालय में हथियारों की खरीद करने वाली यूनिट ने एक नोटिस जारी किया था। इसमें हथियार की खरीद में बोली लगाने के प्रोसेस से गड़बड़ियां दूर करने की बात कही गई थी। यूनिट ने पब्लिकली ऐसी रिपोर्ट्स मांगी थी, जिसमें गलतियों से जुड़े सबूत हों।

ये रिपोर्ट अक्टूबर 2017 के आसपास के समय से मांगी गई थी। उस दौरान ली शांगफू ही हथियार खरीदने वाले डिपार्टमेंट के हेड थे। वे इस पद पर अक्टूबर 2022 तक थे। इस यूनिट के 8 और अधिकारियों के नाम भी जांच में शामिल हैं।

कुछ लोग नहीं चाहते भारत में शांति हो : भागवत

मणिपुर में समाज में अराजकता फैला रहे सांस्कृतिक मार्क्सवादी

नागपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) चीफ मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि कुछ लोग नहीं चाहते कि भारत में शांति हो। समाज में कलह फैलाने की कोशिश हो रही है। मणिपुर में जो हो रहा, करवाया जा रहा है। सांस्कृतिक मार्क्सवादी समाज में अराजकता फैला रहे हैं।

भागवत नागपुर के संघ मुख्यालय में दशहरा पर आयोजित शस्त्र पूजा कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रेशिमबाग मैदान में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। संघ प्रमुख ने अपने संबोधन में मणिपुर हिंसा, लोकसभा चुनाव, अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन पर भी बात की।

मणिपुर हिंसा हुई नहीं, करवाई गई

आरएसएस चीफ ने दावा किया कि मणिपुर में हो रही हिंसा सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा, मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय सालों से एक साथ रहते हैं। इनके बीच सांप्रदायिक आग कैसे लगी? क्या हिंसा करने वाले लोगों में सीमा पार के कट्टरपंथी भी थे?

वहां सालों से सबकी सेवा करने वाले संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटा गया। मणिपुर में अशांति और अस्थिरता से विदेशी सत्ताओं को फायदा हो सकता है। देश में मजबूत सरकार के होते हुए भी यह हिंसा किनके बलबूते इतने दिनों से चल रही है? इससे साफ है कि यह हो नहीं रहा है, करवाया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में भावनाएं भड़काकर वोट नहीं मांगना चाहिए

भागवत ने कहा, 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। लोगों की भावनाएं भड़काकर वोट मांगने की कोशिश नहीं होनी चाहिए, लेकिन ये फिर भी होता है।

>14

बिहार में दुर्गा पंडाल में भगदड़, 3 की मौत, 20 घायल

गोपालगंज, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोपालगंज में दुर्गा पंडाल में भगदड़ मचने से 3 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में दो बुजुर्ग महिलाएं और एक 5 साल का बच्चा है। भगदड़ में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इसमें 7 से 8 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी को पटना पीएमसीएच रेफर किया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

नवमी के दिन नगर थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित राजा दल पूजा पंडाल देखने गए थे। रात करीब 9 बजे ज्यादा भीड़ की वजह से पंडाल में भगदड़ मची। इसमें अचानक मां के हाथ से बच्चे छूट गया। वह भीड़ में दब गया। घायल बच्चे को मौके पर मौजूद लोग गोपालगंज सदर अस्पताल तेजी से लेकर जाने लगे। इससे पंडाल से थोड़ी दूर पर भीड़ अनियंत्रित हो गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। तभी दो बुजुर्ग महिलाएं गिरीं और भीड़ के पैरों तले कुचल गईं। घायल महिलाओं को भी तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों ने दम तोड़ दिया।

7 दिन से वेंटिलेटर पर, महिला की हुई डिलिवरी

39 हफ्ते की प्रेग्नेंट का एक्सीडेंट हुआ था, बच्चा सुरक्षित, मां लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर

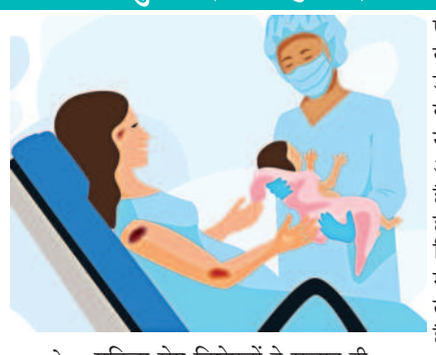

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली एम्स में पिछले 7 दिन से वेंटिलेटर पर चल रही नंदिनी तिवारी ने बच्चे को जन्म दिया है। बच्चा एनआईसीयू में है और मां को आईसीयू में लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चा स्वस्थ्य है और मां की भी हालत बेहतर है। 17 अक्टूबर को 22 साल की नंदिनी का एक्सीडेंट हुआ था। वह रिक्शे से गिर गई थी। सिर पर चोट लगने की वजह से बेहोश की हालत में उसे एम्स में भर्ती कराया गया था। सीटी स्कैन में नंदिनी के दिमाग के बाएं हिस्से में खून के छोटे-छोटे थक्के और सूजन मिले थे। इसके बाद उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था।

एक्सीडेंट के दौरान नंदिनी 39 हफ्ते और 5 दिन की प्रेग्नेंट थीं। नंदिनी की हालत में सुधार के बाद महिला रोग विशेषज्ञों ने सलाह दी कि महिला की डिलीवरी की जाए। इससे मां और बच्चे दोनों की जान बच जाएगी। इसके बाद 18 अक्टूबर को नंदिनी की डिलीवरी हुई।

सीजेरियन से हुई डिलीवरी :

न्यूरोसर्जरी विभाग के प्रो. दीपक गुप्ता ने बताया कि 18 अक्टूबर को महिला को लेवर पेन हुआ, जिसके बाद एक इलेक्टिव सीजेरियन सेक्शन किया गया और महिला ने एक स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दिया। महिला की सर्जरी एम्स के गायनेकोलॉजी विभाग की डॉक्टरों की टीम ने की। डॉ. गुप्ता ने बताया कि महिला को 6 दिनों तक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रही। वो अभी आईसीयू में हैं और होश में हैं। एक हफ्ते बाद उनकी हालत सुधरने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। महिला का दूध बच्चे को हर तीन घंटे में पिलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि महिला के सिर पर चोट लगने से उसे बार-बार दौरे पड़ने, पोस्ट-ट्रॉमेटिक भूलने की बीमारी और चिड़चिड़ापन होने का खतरा है। महिला को सामान्य होने में कुछ और हफ्ते लग सकते हैं। नंदनी के पति ने डॉक्टरों को धन्यवाद देते हुए कहा कि पहले हम बच्चे के लिए खुश थे, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हो गया, जिससे चीजें गड़बड़ हो गईं। अब हमारा बच्चा सुरक्षित है।

नकली पर नकेल

दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश, ब्रांडेड जूते की कॉपी पर 10 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में आगरा स्थित एक दुकानदार को ट्रेडमार्क प्यूमा और उसके लीपिंग कैट डिवाइस का उपयोग करके नकली जूते बेचने के आरोप में प्यूमा को 10 लाख का हर्जाना देने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि प्रतिवादी अशोक कुमार जो 'कुमकुम शूज़' के रूप में व्यापार करते थे। उन्होंने जानबूझकर प्यूमा मार्क के तहत नकली उत्पादों का निर्माण और बिक्री करना चुना।
अदालत ने कहा कि स्थानीय आयुक्त की रिपोर्ट के अनुसार कुमकुम शूज़ ने नकली जूते बेचने से लगभग 18 लाख से 19 लाख का मुनाफ़ा कमाया है और इसलिए मुकदमे का फैसला प्यूमा के पक्ष में हजाने के साथ सुनाया जाना चाहिए।

खतरनाक हुआ चक्रवाती तूफान 'हामून'

इन राज्यों पर पड़ेगा असर, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

कोलकाता, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में उठ रहे चक्रवाती तूफान हामून को लेकर आईएमडी ने अपडेट जारी किया है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने चक्रवाती तूफान 'तेज' को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान तेज आज मंगलवार को यमन-ओमान तटों को पार कर सकता है, जो कि बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान होगा। इसके साथ ही आईएमडी ने मछुआरों को 25 अक्टूबर की रात तक पश्चिम मध्य अरब सागर में ना जाने के लिए कहा है।

7 राज्यों में बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का पिछले 6 घंटों के दौरान 14 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ा और चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया। आईएमडी के अनुसार, अगले 12 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर इसके एक तीव्र चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मिजोरम और मेघालय सहित सात राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है।

ओडिशा सरकार अलर्ट

वहीं चक्रवाती तूफान को देखते हुए ओडिशा सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। मौसम विभाग ने वहीं पश्चिम बंगाल में पूर्व मेदिनीपुर, कोलकाता और दक्षिण 24 परगना जिलों के कुछ हिस्सों में आकाशीय बिजली गिरने के साथ आंधी और मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिक यू एस दास ने कहा, 'यह प्रणाली (चक्रवात) ओडिशा तट से करीब 200 किलोमीटर दूर समुद्र में बढ़ेगी। इसके प्रभाव से सोमवार को तटीय ओडिशा में कुछ स्थानों पर और अगले दो दिनों में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।' आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर मंगलवार सुबह तक 80-90 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 100 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। हालांकि उन्होंने कहा कि संभावित चक्रवात का ओडिशा पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन कुछ दुर्गा पूजा पंडालों को नुकसान हो सकता है जो हवा की इतनी तेज गति का सामना करने के हिसाब से नहीं बने हैं।

जिन्न' से 1000-500 के पुराने नोट बदलवाने जा रहा था जंगल, नोटबंदी के समय से छिपाकर बैठा था 47 लाख

ग्वालियर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में 47 लाख रुपये मूल्य के 500 और 1000 रुपये के बंद हो चुके नोट जब्त किए गए। इस मामले में एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। आरोपी की पहचान मुरैना के रहने वाले सुल्तान करोसिया के रूप में हुई है। आरोपी की मानें तो उसने पुलिस को बताया कि उसे यह नोट नोटबंदी के दौरान कचरे के ढेर में मिले थे। तभी से वह इनको छिपाकर रखा हुआ था। आरोपी ने बताया कि पुराने नोटों को वह नई करेंसी में तब्दील कराने के लिए जंगल में तांत्रिक के पास जा रहा था। फोन कॉल पर किसी तांत्रिक ने दावा किया था कि एक जिन्न उसके वश में है और वह जिन्न के जरिए मनचाहे काम करवा लेता है। इसलिए पुराने नोटों को भी नई मुद्रा में बदलवा देगा। पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर सुबह मुरैना रोड पर एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को रोका गया।

ओडिशा के मुख्यमंत्री पटनायक ने पांडियन को दी बड़ी जिम्मेदारी

कल वीआरएस और आज कैबिनेट मंत्री का दर्जा

भुवनेश्वर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के कुछ घंटों बाद पूर्व सहयोगी वी के पांडियन को कैबिनेट मंत्री का दर्जा है। पांडियन को ओडिशा सरकार द्वारा कैबिनेट मंत्री के पद पर '5 टी' (परिवर्तनकारी पहल) के अध्यक्ष और नबीन ओडिशा के रूप में नियुक्त किया गया है। वह ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निजी सचिव के रूप में कार्यरत थे और उनकी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति को कल 23 अक्टूबर को केंद्र द्वारा मंजूरी दे दी गई थी। एक अधिसूचना में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी । पांडियन के सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के 24 घंटे से भी कम समय में उनकी यह नियुक्ति हुयी है। सामान्य प्रशासन और लोक शिकायत विभाग ने कहा, "श्री वी के पांडियन को कैबिनेट मंत्री के दर्जे के साथ 5 टी (परिवर्तनकारी पहल) और नबीन ओडिशा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और वह सीधे मुख्यमंत्री के अधीन काम करेंगे ।"पांडियन 2011 में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में शामिल हुए और तब से वह पटनायक के निजी सचिव रहे हैं। पटनायक के 2019 में पांचवी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद, पांडियन को सरकारी विभागों में कुछ परिवर्तनकारी पहलों को लागू करने के लिए '5 टी सचिव' की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई थी।

एआई कैमरों से लैस होंगी पंजाब की जेलें, हर हरकत होगी कैदी

चंडीगढ़, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब की जेलों में कैदियों और संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की अब सीधी नजर रहेगी। अगर कोई भी हरकत होती है तो इस संबंध में पुलिस को तुरंत अलर्ट मिलेगा। इसके बाद पुलिस समय रहते उसे रोकने की दिशा में उचित कदम उठा पाएगी। यह संभव होने जा रहा है पंजाब की जेलों के सुरक्षा चक्र को मजबूत करने के प्रोजेक्ट से। इसके तहत अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रोजेक्ट पर पुलिस ने काम शुरू कर दिया है। प्रोजेक्ट अगले साल अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। प्रोजेक्ट निजी कंपनी के सहयोग से आगे बढ़ेगा, जबकि पुलिस इसमें नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगी। प्रोजेक्ट कामयाब रहा तो इसे पुलिस से जुड़े अन्य प्रोजेक्टों में भी लागू किया जाएगा। सूबे की जेलों में कई खूंखार कैदी व गैंगस्टर बंद हैं। उन पर नजर रखना पुलिस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। इसके अलावा जेलों में आए दिन फोन, नशा और अन्य सामान मिलने की घटनाओं ने भी पुलिस की सिरदर्दी बढ़ाई हुई है। ऐसे में पुलिस के थिंक टैंक ने एआई से लैस कैमरे लगाने की रणनीति बनाई है। इस दौरान उन राज्यों के मॉडल की भी स्टडी की गई, जो इस सिस्टम के साथ काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत खासकर रात के समय अगर निषिद्ध क्षेत्र में कोई भी अनचाही गतिविधि होगी या किसी व्यक्ति का मूवमेंट होगा तो कैमरा उसे नोटिस करेगा और बीप की आवाज आने लगेगी। जेल में लगे इन कैमरों की मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल एंड कमांड सेंटर भी बनाया जा रहा है। यहां एक जगह से सभी जेलों की गतिविधि देखी जा सकेंगी। इसके अलावा जेल में वर्चुअल दीवार बनाई जाएगी जिस पर सारी चीज नजर आएगी। अधिकारियों के मुताबिक इस प्रोजेक्ट में काम करने वाली कंपनी ही देखभाल से लेकर अन्य सारी जिम्मेदारी उठाएगी। सूबे में 26 जेल हैं। इनमें करीब 30 हजार कैदी हैं। इनमें कुछ केंद्रीय जेल भी हैं। राज्य की जेलों में पहले से सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। हालांकि गत समय में हो रही गतिविधियों के चलते अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस कैमरे लगाने का फैसला लिया गया है। इनकी सबसे विशेष बात यह है कि आम कैमरों में रात को लाइट पड़ने पर रिकॉर्डिंग खराब हो जाती है जबकि यह कैमरे मूवमेंट के हिसाब से चलते हैं। गाड़ियों के नंबर और चेहरों को एकदम से पहचान सकते हैं और फोन पर अलर्ट देने में भी सक्षम हैं। इसके अलावा मूवमेंट पहचान में सक्षम है। यह आवाज से लेकर अन्य चीजों को कैच करने में सक्षम भी हैं। पंजाब की जेलें गत कई साल से सुर्खियों में रही हैं। 2015 में नाभा जेल ब्रेक कांड हुआ था। उस समय कई खूंखार कैदी मौका पाकर जेल से भाग गए थे।

तय हुई तिथि और मुहूर्त, इस दिन बंद होंगे विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट

बड़कोट, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। (उत्तरकाशी) दशहरा के पावन पर्व पर विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने की तिथि व मुहूर्त तय किया गया। मंगलवार को मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरशाली गांव स्थित मंदिर परिसर में पुरोहित समाज की बैठक में मुहूर्त निकाला गया। यमुनोत्री धाम के कपाट 15 नवंबर बुधवार को भाई दूज के पावन पर्व पर 11 बजकर 57 मिनट पर अभिजीत मुहूर्त(मकर लग्न) में विशेष पूजा अर्चना के बाद छह माह के लिए बंद किए जाएंगे। बैठक में सुरेश उनियाल, विपिन उनियाल, राजस्वरुप उनियाल,पंकज उनियाल, पवन उनियाल, प्यारे लाल उनियाल, जयप्रकाश उनियाल आदि मौजूद थे बता दें कि गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने की तिथि व मुहूर्त शारदीय नवरात्र के पहले दिन तय किया गया था।

बीजेपी नेता नीलेश राणे ने राजनीति से संन्यास लेने का किया ऐलान

मुंबई, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नीलेश राणे ने ऐलान किया है कि वो सक्रिय राजनीति से दूर हो रहे हैं और उन्होंने कहा कि उनका राजनीति में मन नहीं लग रहा है। 42 वर्षीय नीलेश राणे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी। नीलेश राणे ने बताया कि राजनीति छोड़ने का कोई और कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं जो मुझे बीजेपी से इनता प्यार मिला और बीजेपी जैसे संगठन में काम करने का मौका मिला।

राजनीति में कोई रुचि नहीं रह गई

नीलेश राणे ने 'एक्स' पर लिखा, नमस्कार, मैं सक्रिय राजनीति से स्थायी रूप से अलग हो रहा हूं। अब राजनीति में कोई रुचि नहीं रह गई है, बाकी कोई और कारण नहीं है। मैं आप सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने पिछले 19-20 वर्षों में मुझे इतना प्यार दिया और मेरे साथ बने रहें। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे बीजेपी में इतना प्यार मिला और मुझे बीजेपी जैसे महान संगठन में काम करने का अवसर मिला।

मैंने राजनीति में बहुत कुछ सीखा

उन्होंने आगे लिखा, मैं छोटा आदमी हूं, लेकिन मैंने राजनीति में बहुत कुछ सीखा। कुछ साथी हमेशा के लिए एक परिवार बन गए, मैं जीवन में हमेशा उनका ऋणी रहूंगा। मुझे अब चुनाव लड़ने आदि में कोई दिलचस्पी नहीं है। आलोचक आलोचना करेंगे, लेकिन जहां दिल ना लगे वहां मुझे अपना और दूसरों का समय बर्बाद करना पसंद नहीं है। अनजाने में अगर कुछ लोगों को ठेस पहुंचाने के लिए मैं क्षमा चाहता हूं। आप सभी को मेरी शुभकामनाएं।

नीलेश राणे का सियासी सफर

बता दें कि नीलेश राणे जब कांग्रेस पार्टी में थे, तब वो साल 2009 में 15वीं लोकसभा चुनाव में रत्नागिरी सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े और जीते। नीलेश राणे 2014 में भी उसी लोकसभा सीट से चुनाव में खड़े हुए, लेकिन उस समय वो शिवसेना नेता विनायक राउत से हार गए थे। राणे साल 2009 से 2017 तक कांग्रेस पार्टी में थे। इसके बाद साल 2019 में बीजेपी में शामिल हुए थे।

मणिपुर में म्यांमार स्थित उग्रवादी संगठन के दो सदस्य गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में, पड़ोसी देश म्यांमा स्थित उग्रवादी समूह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बताया कि चिन कुकी लिबरेशन आर्मी सीकेएलए) के सदस्यों की गिरफ्तारी और हथियारों की बरामदगी ने 'एक बार फिर मणिपुर और हमारे देश दोनों को अस्थिर करने के उद्देश्य से सीमा पार रची गई एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का खुलासा किया है ।' पुलिस ने एक बयान में कहा कि सीकेएलए के दो उग्रवादियों को सोमवार को भारत-म्यांमा सीमा पर चाईजांग इलाके से पकड़ा गया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर कहा, "मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों को एक बड़ी सफलता..., म्यांमा स्थित उग्रवादी समूह सीकेएलए से कई हथियार, गोला-बारूद, मादक पदार्थ और नकदी पकड़ी गई है।" उन्होंने बताया कि जब्त किए गए हथियारों में एके-47, इंसास, स्नाइपर और एम-16 राइफलों के साथ भारी मात्रा में गोला-बारूद शामिल है। उन्होंने बताया कि करीब 2.5 किलोग्राम अफीम, 4.86 लाख रुपये से अधिक नकद और कई अन्य सामान भी बरामद किए गए।

आवड़ी रेलवे स्टेशन पर पटरी से उतरी ईएमयू ट्रेन, कोई हताहत नहीं

चेन्नई, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। चेन्नई के आवड़ी रेलवे स्टेशन पर उस समय बड़ा रेल हादसा टल गया। जब आवड़ी रेलवे स्टेशन के पास ईएमयू ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। हालांकि, जिस समय डिब्बे पटरी से उतरे, उस दौरान कोच में कोई यात्री सवार नहीं था। समाचार एजेंसी एएनआई ने दक्षिण रेलवे पीआरओ के हवाले से बताया कि आज सुबह आवड़ी रेलवे स्टेशन पर ईएमयू ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। कार शेड से मेनलाइन पर शंटिंग करते समय ये हादसा हुआ। दक्षिणी रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) के तीन खाली डिब्बे मंगलवार तड़के पटरी से उतर गए। इस दौरान ट्रेन में कोई भी यात्री सवार नहीं था। उन्होंने बताया कि इस घटना के कारण यातायात प्रभावित हुआ और विभिन्न ट्रेन सेवाओं में देरी हुई। दक्षिणी रेलवे ने कहा कि हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और मौके पर बहाली का काम जोरों पर है। इस वजह से ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

पिकअप वैन ने दिल्ली पुलिस के वाहन में मारी टक्कर, होमगार्ड के जवान की मौत

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर में द्वारका के बाबा हरिदास नगर में दिल्ली पुलिस के वाहन से पिकअप वैन के टकरा जाने से 41 वर्षीय होमगार्ड के जवान की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 22 और 23 अक्टूबर की दरमियानी रात को सहायक उप-निरीक्षक महेश कुमार और होमगार्ड का जवान धर्मपाल पीसीआर वैन में सवार होकर इलाके में गश्त कर रहे थे। उसने बताया कि नजफगढ़-बहादुरगढ़ मार्ग पर एक पिकअप वैन ने उनके वाहन को टक्कर मार दी जिसमें दोनों घायल हो गए। एक अधिकारी ने कहा, 'दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने धर्मपाल को मृत घोषित कर दिया, जबकि महेश को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।' पुलिस ने बताया कि वाहन चालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 279 (तेज गति से गाड़ी चलाना) और 304ए (लापरवाही से मौत का कारण) के तहत मामला दर्ज किया गया तथा पिकअप चालक जय लाल (33) को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शहीद दर्शन सिंह के परिवार को मिलेगा दो करोड़ रुपए का मुआवजा

बरलाला, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल दर्शन सिंह कुछ लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पंजाब पुलिस की ओर से कहा गया है कि हम इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इसके साथ ही दर्शन सिंह के परिजनों को पंजाब सरकार ने मुआवजा देने का ऐलान किया है। भगवंत मान सरकार की ओर से ऐलान किया गया है कि शहीद दर्शन सिंह के परिवार को सरकार एक करोड़ रुपए की शहीद सम्मान राशि देगी। सरकार की ओर से कहा गया है कि बरनाला में पिछले शाम शहीद हुए पंजाब पुलिस के हेड कांस्टेबल दर्शन सिंह के परिवार को 1 करोड़ की शहीद सम्मान राशि देगी। इसी के साथ, एचडीएफसी बैंक की ओर से भी शहीद दर्शन सिंह के परिवार को अलग से 1 करोड़ दिए जाएंगे। भगवंत मान ने कहा कि शहीद दर्शन सिंह की बहादुरी को हमारा नमन। इस कठिन समय में हमारी सरकार उनके परिवार के साथ खड़ी है और हर संभव मदद करेगी। बता दें कि शहीद दर्शन सिंह का सोमवार को अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले उनका सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया इसके बाद उनके पैतृक गांव जिला बरनाला के कस्बा धनौला में अंतिम संस्कार किया गया। इसस मौके पर शहीद दर्शन सिंह को राइफल से सलामी दी गई।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के साथ वायरल तस्वीरों पर सामने आया कांग्रेस नेता शशि थरूर का बयान, कही ये बात

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के साथ अपनी वायरल तस्वीरों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, 'मेरा जीवन लोगों को समर्पित है। इस तरह के ट्रोल सस्ती राजनीति का हिस्सा हैं। मेरी राय में, यह कोई गंभीर मुद्दा नहीं है।' थरूर ने इन वायरल तस्वीरों का सच भी बताया। उन्होंने कहा कि ये तस्वीरें महुआ के जन्मदिन की हैं। कुछ लोगों ने गलत दर्शाने के लिए तस्वीरों को क्रॉप किया और

उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। थरूर का ये बयान केरल के कोट्टायम में पत्रकारों से बात करते हुए सामने आया। थरूर ने कहा कि मैं महुआ को बच्ची नहीं कह सकता लेकिन मेरे लिए वह बच्ची के समान ही है। वह मुझसे 10-20 साल छोटी है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए लोगों के लिए काम करना ज्यादा अहम है। मैं इन ट्रोल्स को बहुत महत्व नहीं दे सकता। इससे पहले महुआ मित्रा भी इस मामले को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं। सोशल मीडिया पर शशि थरूर और महुआ मोइत्रा की कुछ तस्वीरें साथ में दिखाई दे रही हैं। ये तस्वीरें किसी पार्टी की हैं, जिसमें शराब का सेवन और धूम्रपान भी होता दिख रहा है।

कन्या भोज करने के नाम पर किडनैप की गई दो बच्चों को पुलिस ने बरामद किया

भोपाल, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में कन्या भोज करने के नाम पर अगवा की गई दोनों बच्चियों को क्राइम ब्रांच और भोपाल पुलिस ने कड़ी मेहनत के बाद ढूंढ निकाला और बच्चों को छुड़ा लिया है। यहां से पुलिस को दो अन्य बच्चे भी मिले हैं इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। बता दे भोपाल पुलिस ने सोमवार रात कोलार क्षेत्र में इंग्लिश विला से दो दो बच्चियों को छुड़ा लिया।

'मैं अपने फैसले पर कायम हूं'

समलैंगिक विवाह पर यूएस में खुलकर बोले सीजेआई चंद्रचूड़

वॉशिंगटन, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका पहुंचे भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने समलैंगिक विवाह के मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि वह अपने फैसले पर कायम है। खास बात है कि शीर्ष न्यायालय ने समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था, लेकिन सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस संजय किशन कौल सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने के पक्ष में थे। वॉशिंगटन स्थित जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में उन्होंने कहा, 'मैं मानता हूं कि कई बार वोट विवेक और कई बार वोट संविधान से होता है। और मैंने जो भी कहा उसपर कायम हूं।' मुख्य न्यायाधीश अदालत के इस फैसले पर भी बरकरार रहे कि शादी में समानता का फैसला संसद पर छोड़ा जाना चाहिए। कोर्ट में सेम सेक्स मैरिज के मुद्दे पर 5 जजों ने सुनवाई की थी,

जहां तीन जज इसके खिलाफ नजर आए। पांच सदस्यीय बेंच का मानना था कि शादी में समानता के लिए कानूनों से छेड़छाड़ करना संसद के दायरे में जाना होगा। हालांकि, इस दौरान जजों में शादी का अधिकार और बच्चा गोद लेने के अधिकार के मुद्दे पर मतभेद रहे। सीजेआई ने कहा, 'बेंच के सभी पांच जजों के आम सहमति से हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि हमने समलैंगिकता को अपराध के दायरे से बाहर करने और क्वीर समुदाय के लोगों को हमारी समाज में बराबरी का अधिकार देने की दिशा में काफी प्रगति कर ली है। शादी के अधिकार पर कानून बनाने का फैसला संसद के काम के दायरे में आता है।'

क्या बोले ये सीजेआई

फैसला सुनाते हुए सीजेआई ने कहा था कि जीवनसाथी चुनना किसी के भी जीवन का अभिन्न अंग है। उन्होंने भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के हवाले से इस अधिकार का जिक्र किया था। उन्होंने समलैंगिक जोड़े के बच्चा गोद लेने की बात का भी समर्थन किया था। सीजेआई ने कहा था ऐसा कुछ नहीं है, जो साबित कर सके कि सिर्फ शादीशुदा हेट्रोसेक्शुअल कपल (जिसमें शामिल व्यक्ति दूसरे जेंडर की ओर आकर्षित होता है) ही बच्चे को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं।

टीचर ने छुरे की नोक पर नाबालिग छात्रा से किया बलात्कार, एफआईआर दर्ज कलेक्टर ने किया सस्पेंड

श्योपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के श्योपुर में गुरु-शिष्य का रिश्ता उस समय तार-तार हो गया, जब सरकारी स्कूल में पदस्थ एक सरकारी टीचर ने छुरे की नोक पर नाबालिग छात्रा से बलात्कार कर दिया। छात्रा के माता-पिता देवता पूजन के लिए दूसरे गांव गए हुए थे तभी आरोपी टीचर ने घटना को अंजाम दिया। पीड़ित छात्रा ने घर लौटे माता-पिता को शिक्षक की करतूत बताई तो आक्रोशित परिवार के लोगों ने आरोपी की खैर-खबर लेकर उसे बडौदा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। लेकिन पीड़िता को एफआईआर दर्ज कराने कई घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बाद में पुलिस ने रेप और पॉक्सो एक्ट की धारा में केस दर्ज करते हुए शिक्षक को अरेस्ट कर जेल भेज दिया है। घटना बड़ौदा थाना क्षेत्र के बालापुरा गांव की है। जहां शासकीय हाईस्कूल अलापुरा में पदस्थ शिक्षक ऑफिसर मीणा अंग्रेजी विषय का शिक्षक है।

फर्जी वेबसाइट बनाकर भारत-इंग्लैंड मैच के टिकट बेचे

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-इंग्लैंड मैच की टिकट बुकिंग में ऑनलाइन धोखाधड़ी सामने आई है। ठगों ने आईसीसी की फर्जी वेबसाइट ही बना डाली। इसमें लोगों को कैशबैक, डिस्काउंट और वाउचर कूपन का लालच देकर फंसाया जा रहा है। लोगों को 10 से 50 हजार रुपए में टिकट बेच रहे हैं। इसका खुलासा उस वक्त हुआ, जब कुछ लोग वेबसाइट से टिकट बुक करने के बाद लखनऊ के इकाना स्टेडियम पहुंचे।
उन्होंने काउंटर से टिकट के बारे में पूछताछ की तो पता चला कि टिकट के कोड की स्कैनिंग गलत है और टिकट फर्जी है। फर्जी टिकट बिकने की खबर मिलने पर पुलिस एक्टिव हो गई। सोमवार 23 अक्टूबर को जॉइंट पुलिस कमिश्नर उपेंद्र अग्रवाल ने साइबर क्राइम सेल को मामले की जांच सौंपी है। इसके साथ ही आईसीसी और बीसीसीआई को ईमेल भेजा गया है। अब पुलिस को शिकायती आवेदन का इंतजार है।
पुलिस अफसरों के मुताबिक, टिकट बुक करने के लिए लोग गूगल सर्च कर रहे हैं। इसके बाद वे सीधे फर्जी साइट पर पहुंच रहे हैं। यहां सभी मैचों के टिकट उपलब्ध रहते हैं। लिखा होता है कि हर नए यूजर को डिस्काउंट मिलेगा। इसके साथ ही यूपीआई और पेटीएम से पेमेंट करने पर कैशबैक का ऑफर भी दिखता है। लोग इसी झांसे में फंसकर टिकट बुक कर देते हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

किसी का भला करके देखो,
हमेशा लाभ में रहोगे,
किसी पर दया करके देखो,
हमेशा याद में रहोगे !

सीएम केसीआर ही तेलंगाना को समृद्ध कर सकते हैं : हरीश राव

संगारेड्डी, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना तभी समृद्ध होगा, जब यह मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के हाथों में होगा। मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि किसान कृषि के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार को डांट रहे हैं कि उन्होंने कांग्रेस को वोट क्यों दिया। मंत्री ने आगाह किया कि अगर आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई तो कर्नाटक जैसी ही स्थिति तेलंगाना में भी होगी। यह कहते हुए कि कांग्रेस पार्टी के पास किसी भी विषय पर कोई नीति नहीं है और वह विभिन्न मामलों पर दोहरा रुख अपना रही है,

उन्होंने सवाल किया कि तेलंगाना में लागू की जा रही योजनाएं कांग्रेस शासित राज्यों में क्यों नहीं हैं। मंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार ने किसानों के लाभ के लिए जोरदार कवायद करने के बाद धरणी भूमि पंजीकरण और रिकॉर्ड पोर्टल बनाया है।

उन्होंने आगाह किया कि अगर कांग्रेस तेलंगाना में सत्ता में आती है, तो पार्टी पंजीकरण की पुरानी प्रणाली पर वापस लौट आएगी, जिससे किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

12 लाख रुपये की हेरोइन के साथ पांच अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी एलबी नगर टीम ने कुशाईगुडा पुलिस के साथ मिलकर अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को पकड़ा, जो हेरोइन को राजस्थान से हैदराबाद ले जा रहे थे और जरूरतमंद ग्राहकों को बेच रहे थे।

पुलिस ने कुशाईगुड़ा पीएस की सीमा के तहत उनके कब्जे से लगभग 100 ग्राम हेरोइन मादक पदार्थ जब्त किया और पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 100 ग्राम हेरोइन, छह सेल फोन, एक बाइक और 820 रुपये नकद भी जब्त किए। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत लगभग 12,00,000 रुपये है।

प्रगति भवन में दशहरे पर आयोजित कार्यक्रम में अपने परिवार के सदस्यों के साथ विशेष पूजा-अर्चना करते हुए मुख्यमंत्री केसीआर व मंत्री केटीआर।

न्यू बोइन पल्ली प्ले ग्राउंड में रावण दहन किया गया

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। न्यू बोइन पल्ली प्ले ग्राउंड में बोर्ड छावनी खेल संघ के तत्वावधान में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपना प्रताप के सहयोग से विजयादशमी के अवसर पर दशहरा शरणनवरात्रि समारोह के तहत रावण दहन किया गया। श्रम रोजगार राज्य मंत्री मल्लारेड्डी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने समारोह में भाग लिया। प्रसिद्ध व्यवसायी राघव रेड्डी, कैंटोनमेंट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मैरी लक्ष्मा रेड्डी, सचिव प्रभु कुमार गौड़ ने रावणासुर की पूजा की और रावण के पुतले का दहन किया। नंद किशोर, कांग्रेस नेता जीवकं मोनुकुमार, नागेश्वर राव, करण सिंह, कुश्ती कोच साईं बाबा, मुकेश यादव आदि समारोह में लोगों ने हिस्सा लिया।

युवाओं के बीच परिवहन के पसंदीदा साधन के रूप में उभरी वंदे भारत एक्सप्रेस

एससीआर वंदे भारत ट्रेनों में लगभग 56 प्रतिशत यात्री युवा और श्रमिक

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वंदे भारत एक्सप्रेस भारत के रेल बुनियादी ढांचे में आधुनिकीकरण और तकनीकी प्रगति के प्रतीक के रूप में खड़ी है। अपने आधुनिक डिजाइन, शीर्ष सुविधाओं और कुशल सेवा के साथ, वंदे भारत एक्सप्रेस भारत में ट्रेन यात्रा को फिर से परिभाषित कर रही है। सर्वोत्तम सुविधाओं से भरपूर आरामदायक ट्रेन यात्रा अनुभव के लिए मशहूर, वंदे भारत ट्रेनें युवाओं और कामकाजी वर्ग के बीच परिवहन के पसंदीदा साधन के रूप में उभरी हैं। वर्तमान में, पांच वंदे भारत ट्रेनें सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम सहित दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्राधिकार से सिकंदराबाद-तिरुपति, तिरूपति - सिकंदराबाद, काचीगुडा-यशवंतपुर (हैदराबाद-बैंगलोर), विजयवाड़ा-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल चल रही है। ये ट्रेनें 100 फीसदी से अधिक संरक्षण के साथ सफलतापूर्वक चल रही हैं। दक्षिण मध्य रेलवे से चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों के हालिया आंकड़ों के अनुसार, औसतन 29.08 प्रतिशत यात्री युवा हैं जो 25-34 वर्ष के बीच आयु वर्ग के हैं। इसी तरह, 35-49 वर्ष के बीच आयु वर्ग में, औसतन 26.85 प्रतिशत यात्री परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में वंदे भारत एक्सप्रेस को पसंद करते हैं। तद्नुसार, एससीआर क्षेत्राधिकार में वंदे भारत ट्रेनों में कुल मिलाकर लगभग 56 फीसदी यात्री युवा और श्रमिक वर्ग के लोग हैं। वंदे भारत में यात्रा करने वाले अन्य आयु वर्ग के यात्रियों की तुलना में यह आयु वर्ग सबसे अधिक हो गया है. तेलुगु राज्यों में वरिष्ठ नागरिकों ने भी वंदे भारत एक्सप्रेस के आराम और गति के लिए अपनी समानता दिखाई है। आंकड़ों के मुताबिक, सभी यात्रियों में औसतन 11.81 फीसदी यात्री 60+ आयु वर्ग के हैं। वंदे भारत ट्रेनें सबसे तेज़ यात्रा सुविधा प्रदान कर रही हैं और इसने विभिन्न खंडों के बीच यात्रा के समय को बड़े अंतर से कम कर दिया है। शुरुआत की तारीख से, अब तक कुल 7.16 लाख यात्रियों ने एससीआर क्षेत्राधिकार से शुरू होने वाली पांच वंदे भारत ट्रेनों की सेवाओं का लाभ उठाया है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि गति और कम यात्रा समय के साथ आरामदायक ट्रेन यात्रा अनुभव के कारण, वंदे भारत ट्रेनें युवाओं और श्रमिक वर्ग के बीच परिवहन का पसंदीदा साधन बन गई हैं। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनें यात्रा अनुभव को बढ़ाने और ट्रेन यात्रा को अधिक यादगार और आरामदायक बनाने की भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

एयर कमोडोर वीएम रेड्डी, डीडीजी, एनसीसी डीटीई (एपी एंड टी) 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' शिविर में लिया भाग

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी निदेशालय के तत्वावधान में एनसीसी ग्रुप, सिकंदराबाद द्वारा वर्धमान इंजीनियरिंग कॉलेज, शमशाबाद में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) शिविर - I में तेलंगाना, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के लगभग 600 कैडेट भाग ले रहे हैं। शिविर का उद्देश्य राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की जोड़ी की अवधारणा के माध्यम से विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच बातचीत को बढ़ाना और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कैडेट भाषा सीखने, संस्कृति, परंपराओं और संगीत, पर्यटन और व्यंजन, खेल और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने आदि के क्षेत्रों में निरंतर सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियां चलाते हैं। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अलावा, कैडेट प्रशिक्षण, प्रतिष्ठित सैन्य और नागरिक वक्ताओं द्वारा अतिथि व्याख्यान में भी भाग लेते हैं, और व्यापक सर्वांगीण विकास और रोजगार प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। एयर कमोडोर वीएम रेड्डी, उप महानिदेशक, एपी एंड टी निदेशालय एनसीसी ने शिविर का दौरा किया और सिकंदराबाद के ग्रुप कमांडर कर्नल संजय सयाल ने उनका स्वागत किया। प्रशिक्षण अधिकारी कर्नल आर जनार्दन राव, कैंप कमांडेंट कर्नल विभास गुप्ता, कर्नल पीयूष श्रीवास्तव, डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल एस मगेंद्रन भी मौजूद रहे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SHET KAR UTTAM RAO,F/o: JC769009M SUB Shetkar Gangadhar Uttamrao, R/O:Sawargaon (V& P), Nanded (D), Maharashtra-431708,changed my name from SHET KAR UTTAM RAO to UTTAMRAO GOVINDRAO SHETKAR and my DOB :01-01-1948 vide Affidavit dt.23-10-2023 signed by P.Raveendranath, Adv & Notary

I, SHETKAR SHANTA BAI, M/o: JC769009M SUB Shetkar Gangadhar Uttamrao, R/O:Sawargaon (V& P), Nanded (D), Maharashtra-431708,changed my name from SHETKAR SHANTA BAI to SHANTABAI UTTAMRAO SHETKAR and my DOB :01-01-1950 vide Affidavit dt.23-10-2023 signed by P.Raveendranath, Adv & Notary

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सनसिटी बंडलागुड़ा स्थित जी.आर.के.गार्डन में आयोजित एक शाम मां भगवती के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए भंवर सीरवी। अवसर पर अतिथियों का सम्मानकर गरबा-डांडिया, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए आयोजक रमेश चौधरी, दिनेश चौधरी व समाज बन्धु।

उप्पल काचवानी सिंगारम स्थित आरकेएम फंक्शन हॉल में कुमावत समाज द्वारा आयोजित मां भगवती के जागरण व महाप्रसादी कार्यक्रम मे भजन प्रस्तुत करते हुए मेघराज नागोरी। अतिथियों का सम्मानकर कार्यक्रम का लाभ लेते हुए संरक्षक अमरचन्द अडाणीया, अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

केंद्रीय टीम ने मेडिगड्डा बैराज का दौरा किया

टीम ने ढहे हुए हिस्से का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष अनिल जैन के नेतृत्व में केंद्रीय टीम ने मंगलवार को जयशंकर भूपालपल्ली जिले में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) के लक्ष्मी (मेडिगड्डा) बैराज की जांच की। जयशंकर भूपालपल्ली जिले में केएलआईपी के लक्ष्मी (मेडिगड्डा) बैराज के पुल का एक छोटा हिस्सा कथित तौर पर 21 अक्टूबर की रात तेज आवाज के साथ ढह जाने के बाद केंद्र सरकार द्वारा गठित केंद्रीय टीम के सदस्यों ने सीधे ढहे हुए हिस्से का निरीक्षण किया। पुल का क्षेत्र और दरार वाला क्षेत्र 20वें पिलर पर टीम सीढ़ी के सहारे नीचे उतरी और क्षतिग्रस्त हिस्से का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना अधिकारियों से पूछा कि उस दिन क्या हुआ था जब पुल टूट गया और पूरे क्षेत्र में घूम गया। अवलोकन पूरा होने के बाद केंद्रीय टीम के सदस्य बैराज से पीछे हट गये। टीम के सदस्य दो दिनों में मेडीगड्डा बैराज के नुकसान पर अपनी रिपोर्ट जल शक्ति मंत्रालय को सौंपेंगे। 1.6 किमी लंबे बैराज में 87 खंभे हैं और इसकी भंडारण क्षमता 16.17 टीएमसीएफटी है। 21 अक्टूबर को बैराज का 20वां पाया तेज आवाज के कारण ढह गया। नतीजा यह हुआ कि बी-ब्लॉक में पिलर 18, 19, 20 और 21 के बीच का पुल एक फुट तक झुक गया है। इस घटना ने केएलआईपी अधिकारियों को खंभों के गहन निरीक्षण की सुविधा के लिए बैराज के सभी गेट खोलने के लिए प्रेरित किया ताकि उसमें जमा लगभग 10.7 टीएमसीएफटी पानी को छोड़ा जा सके। इसके अलावा, पुलिस ने सुरक्षा एहतियात के तौर पर गोदावरी नदी पर बने बैराज के पुल को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है जो तेलंगाना के महादेवपुर मंडल को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले से जोड़ता है।

तराई वाले जिलों में कोहरे के साथ ठंड की दस्तक

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों से सटे हुए जिलों में गुलाबी ठंड का असर नजर आने लगा है। सुबह और शाम के साथ रात में भी सर्दी का एहसास होने लगा है। वहीं दिन में तेज धूप राहत दे रही है। कानपुर सहित आसपास के मैदानी इलाकों में दिन में अभी भी गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग ने लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों में जल्द ही तापमान में गिरावाट दर्ज किये जाने की संभावना जताई है।

कानपुर में बढ़ रहा रात का तापमान, सुबह हुई सर्द

दशहरा के मौके पर पश्चिमी विक्षोभ की वजह से शहर और आस-पास के इलाकों में छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना पूरी तरह से खत्म हो गई है। पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने के बाद आसमान में बादलों ने डेरा जमा रखा है जिससे रात के तापमान में भी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार अब कानपुर मंडल में मौसम शुष्क बना रहेगा। रात के तापमान ने फिर पलटा खाया है। दो दिन पहले तेजी के साथ रात का तापमान नीचे गिरा और न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री पर पहुंच गया था लेकिन इसके बाद से रात का तापमान धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। रविवार और सोमवार को एक-एक डिग्री की वृद्धि होने के बाद न्यूनतम तापमान सोमवार को 15 डिग्री पर पहुंच गया। इसके विपरीत दिन का अधिकतम तापमान दो दिन से 30.8 डिग्री पर स्थिर बना हुआ है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञानी डा। एसएन सुनील पांडेय का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ का असर पंजाब व राजस्थान में तो रहेगा लेकिन कानपुर में इसका असर बिल्कुल नही दिख रहा है। इस वजह से हल्की बूंदाबांदी की जो आशंका थी अब वह भी खत्म हो गई है। आसमान पर हल्के बादल छाए रहने की वजह से रात का तापमान बढ़ा है लेकिन हिमालय से आने वाली सर्द हवाएं अब अगले दो - तीन बाद अपना असर दिखाना शुरू कर देंगी। इससे मौसम में सर्दी बढ़ेगी।

तराई इलाकों में तेजी से गिर रहा रात का तापमान, दिन में धूप से राहत

तराई के जिले में रात का तापमान तेजी से गिर रहा है। दिन में धूप में गर्माहट रहती है लेकिन सायं ढलते ही लोगों को हल्की ठंड का अहसास होने लगता है। रात गहराने के साथ ही ठंड बढ़ने लगती है। पिछले सप्ताह की शुरूआत में ही बेमौसम की बरसात के साथ ओलावृष्टि हो गई थी। तभी से मौसम में बदलाव का और शुरू हो गया। इससे पहले दिन में अधिकतम तापमान 33-34 तथा रात में न्यूनतम तापमान 20-21 डिग्री सेल्सियस पर चल रहा था लेकिन अब इसमें काफी बदलाव आ चुका है। अधिकतम तापमान घटकर 28-29 डिग्री सेल्सियस पर आ गया जबकि न्यूनतम तापमान 14-15 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा है। दिन की अपेक्षा रात के तापमान में अधिक गिरावट आने से ठंड महसूस की जा रही है।

सुबह के समय टहलने निकलने वाले लोग गर्म कपड़े पहनने लगे हैं

राजकीय कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी डा। शैलेंद्र सिंह ढाका ने पंतनगर स्थित कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के हवाले से जानकारी दी कि इस महीने तापमान की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं होगा लेकिन नवंबर शुरू होते ही तापमान में और गिरावट आएगी। इसके साथ ही सुबह और शाम के समय कोहरा भी आने लगेगा।

लखनऊ सहित जानें अपने जिलों में कितना रहेगा आज का तापमान

लखनऊ में आज अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है। वाराणसी, बलिया, चुर्क, बहराइच, बाराबंकी, हरदोई, कानपुर, इटावा, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर और प्रयागराज में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से लेकर 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस से लेकर 18 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। फतेहपुर, बांदा, सुल्तानपुर, अयोध्या, फुरसतगंज, गाजीपुर और फतेहगढ़ में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से लेकर 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान है। इन जिलों का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस लेकर 19 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। बस्ती, झांसी, उरई, हमीरपुर, बरेली शाहजहांपुर, नजीबाबाद, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, मेरठ, आगरा, अलीगढ़ और बुलंदशहर में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से लेकर 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि यहां का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से लेकर 19 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। मथुरा, चित्रकूट, हाथरस, आजमगढ़, गोंडा में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से लेकर 32 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है।

जबकि इन जिलों का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। गाजियाबाद, हापुड़ और नोएडा की बात करें तो इन जिलों का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

सनसनीखेज वारदात में पेट्रोल डालकर युवक को जलाया

रायबरेली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी की रायबरेली से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। शहर की राजकीय कॉलोनी में सोमवार सुबह पड़ोसी युवती और उसके भाई ने पेट्रोल डालकर एक युवक को जिंदा जला दिया। जिला अस्पताल पहुंचाए गए युवक की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया, जहां केजीएमयू में उसकी मौत हो गई। शहर कोतवाली क्षेत्र की राजकीय कॉलोनी निवासी अनिल कुमार पांडेय (40) का पत्नी अन्नू पांडेय से रविवार शाम विवाद हो गया था। इसके बाद अन्नू पड़ोस में रहने वाली रीमा के घर चली गई थी। पति का आरोप है कि पड़ोसी महिला उसकी पत्नी को भड़काती है। इसके चलते उसके घर में आए दिन कलह होती है। सोमवार सुबह अनिल अपनी पत्नी अन्नू के बारे में जानकारी करने पड़ोसी रीमा पांडेय के घर पहुंचा तो उससे कहासुनी होने लगी।

लिव इन रिलेशनशिप 'टाइम पास'

ऐसे रिश्ते स्थायी नहीं; इलाहाबाद हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

प्रयागराज, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अंतर-धार्मिक जोड़े के 'लिव-इन' रिलेशनशिप को 'टाइम पास' की संज्ञा दी है और कहा है कि ऐसे रिश्ते स्थायी नहीं होते। जब तक जोड़ा इस रिश्ते को शादी के जरिये कोई नाम देने को तैयार न हो, इसे संरक्षण देने का आदेश नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने कहा, जीवन फूलों की सेज नहीं, बहुत कठिन व मुश्किल है। कोर्ट ने प्राथमिकी रद करने तथा सुरक्षा की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है और हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी तथा न्यायमूर्ति एमएएच इदरीसी की खंडपीठ ने कुमारी राधिका व सोहैल खान की याचिका पर दिया है। याची ने कहा, दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहना चाहते हैं। इसलिए अपहरण के आरोप में राधिका की बुआ द्वारा मथुरा के रिफाइनरी थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी रद की जाए और गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए पुलिस संरक्षण दिया जाए।

कोर्ट ने उठाया प्रश्न

कोर्ट ने कहा, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कई मामलों में लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता दी है किंतु, दो महीने की अवधि में और वह भी 20-22 साल की उम्र में युगल इस प्रकार के अस्थायी रिश्ते पर शायद ही गंभीरता से विचार कर पाएंगे। खंडपीठ ने कहा, 'न्यायालय का मानना है कि इस प्रकार के रिश्ते में स्थिरता और ईमानदारी की तुलना में लगाव अधिक है। जब तक जोड़े शादी करने का फैसला नहीं करते हैं और अपने रिश्ते को नाम नहीं देते हैं या वे एक-दूसरे के प्रति ईमानदार नहीं होते हैं, तब तक अदालत इस प्रकार के रिश्ते में कोई राय व्यक्त करने से कतराएगी और बचेगी।'याची ने दलील दी कि उसकी उम्र 20 वर्ष से अधिक है

और बालिग होने के नाते उसे अपना भविष्य तय करने का पूरा अधिकार है। उसने याची नंबर दो को प्रेमी के रूप में चुना है, जिसके साथ वह लिव-इन रिलेशनशिप में रहना चाहती है। शिकायतकर्ता की तरफ से विरोध किया गया कि लड़की के साथी के खिलाफ आगरा के छाता थाने में गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 के तहत प्राथमिकी दर्ज है और वह एक रोड-रोमियो है। उसका अपना कोई भविष्य नहीं है और निश्चित तौर पर वह लड़की का भविष्य बर्बाद कर देगा। अदालत ने विवेचना के दौरान कोई भी सुरक्षा देने से इन्कार कर दिया।

शादी में गए किशोर की चाकू घोंपकर हत्या, दो दोस्त हिरासत में लिए गए

अमेठी, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में एक किशोर की चाकू घोंपकर हत्या कर उसके शव को जंगल में फेंक दिया गया। इस मामले में मृतक के दो दोस्तों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मोहब्बतपुर गांव का रहने वाला मेराज (15) गत 22 अक्टूबर की शाम अपने दो दोस्तों-गुलाम और आशिक अली के साथ गांव में आयोजित एक शादी समारोह में गया था। सूत्रों ने बताया कि मेराज जब बुधवार देर रात तक घर नहीं लौटा, तो उसके पिता रियाज ने उसके दोस्तों से पूछा, जिस पर वे कुछ साफ नहीं बता पाए। इसके बाद रियाज ने पुलिस को अपने बेटे की गुमशुदगी की सूचना दी।

प्राइवेट पार्ट में आधा किलो से ज्यादा सोना छिपा ले जा रहा था, लखनऊ एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक तरफ जहां सिक्योरिटी चेकिंग दिन-ब-दिन मजबूत होती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ तस्करी के नायाब तरीके भी सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखने को मिला है। यहां एक शख्स ने सोने की तस्करी के लिए अपने प्राइवेट पार्ट का ही इस्तेमाल कर लिया। वैसे उसकी ये चालाकी आखिरकार पकड़ी गई। पर कस्टम विभाग के अधिकारी ये देखकर जरूर हैरान हैं कि लोग स्मगलिंग के लिए कैसे-कैसे तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने जिस शख्स को गिरफ्तार किया है, वो दुबई से आ रहा था। कस्टम विभाग को इस यात्री पर शक हुआ, तो उन्होंने उसकी तलाशी ली। हालांकि यात्री के पास से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। बाद में जब इस शख्स को एक्स-रे से गुजारा गया, तो असली मामला खुला। यह शख्स अपने मलाशय में सोने की पेस्ट छिपाकर ले जा रहा था।

601.80 ग्राम सोना छिपाकर लाया था शख्स

इस शख्स के प्राइवेट पार्ट से 601.80 ग्राम सोना मिला है। इस सोने की कीमत करीब 36.93 लाख रुपये बताई जा रही है। कस्टम विभाग के अधिकारियों ने सोने को कब्जे में लेकर आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारी भी हैरान हैं कि सोने की तस्करी के लिए आखिर कौन-कौन से उपाय आजमाए जा रहे हैं।

सैप जवान को अपराधियों ने आंख में मारी गोली,मौत

मुंगेर में बनवा रहा था नया घर; मां बोली-उसके कई दुश्मन, किसका नाम लूं

मुंगेर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंगेर में सैप जवान की अज्ञात अपराधियों ने आंख में गोली मारकर हत्या कर दी। वह दरभंगा में पोस्टेड था। मृतक जवान की पहचान अमन कुमार उर्फ बबलू यादव के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से अपराधी फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मौके से एक खोखा भी बरामद किया है। मामला वासुदेपुर ओपी क्षेत्र के आईटीसी गेट के पास का है। बता दें कि वासुदेपुर ओपी क्षेत्र में ही एक महीने पहले अपराधियों ने ट्रांसपोर्टर पिता-पुत्र को गोली मार दी गई थी। जिसमें पिता की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि बेटे को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया था।

सरकारी नौकरी के साइड इफेक्ट, आखिरकार मार दी गई रिया, श्मशान घाट में खुली पोल

छपरा, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के छपरा में जहां बेरोजगारी की हालत में युवक से शादी करने वाली रिया के पति ने बिहार पुलिस में नौकरी होते ही दहेज की डिमांड शुरू कर दी। दहेज के लिए रिया को इतना प्रताड़ित किया गया कि उसने अंत में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रिया के शव को बरामद किया है। रिया के गले पर गहरे जख्म के निशान देखे गए। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला की मौत फांसी लगाने से हुई है। मृतक के मायके वालों ने ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान दरियापुर थाना क्षेत्र सरेया साहू गांव निवासी रिया देवी (28वर्ष) पति हेमंत कुमार के रूप में हुई है।

'आजकल का लड़का सब', बगल में बैठे थे तेज प्रताप, लालू यादव ने बेटे की लगा दी 'क्लास'

पटना, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे और पर्यावरण एवं वन मंत्री तेज प्रताप यादव को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। लालू प्रसाद यादव ने कहा कि आजकल का लड़का सब कहां किसी की सुनता है, बेटा है तो कह ही ना सकते हैं। महानवमी पर कन्या पूजा के बाद लालू प्रसाद यादव और उनके बड़े बेटे तेज प्रताप यादव देर शाम रामलीला देखने सोमवार (23 अक्टूबर) को गांधी मैदान स्थित कालिदास रंगालय पहुंचे और लालू ने मंच से ये बातें कहीं।

तेज प्रताप यादव की लगी क्लास

दरअसल, सोमवार को महानवमी मनाया जा रहा था। इस दिन कान्याओं को भोजन खिलाया जाता है। इस बीच आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने रंगालय के मंच से अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की क्लास लगा दी। उन्होंने कहा कि तेज प्रताप यादव कृष्ण भक्त है। मुझे बिना बताए दोस्तों के साथ वृन्दावन चला जाता है। लालू ने आगे कहा कि मैंने कई बार जहाज से जाने के लिए कहा लेकिन वो मानता ही नहीं है।

देश में फैले असत्य पर सत्य की ही जीत हो: लालू यादव

आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि देश में अत्याचार और अनाचार फैला हुआ है। चारों तरफ असत्य का बोलबाला है। दशहरा में असत्य पर सत्य की जीत हुई थी। मां दुर्गा से प्रार्थना करता हूं कि देश में फैले असत्य पर सत्य की ही जीत हो और देश से अत्याचार-अनाचार दूर हो। उन्होंने कहा कि 7.5 करोड़ रुपये की लागत से कालिदास रंगालय का कायाकल्प होगा।

दर्द से तड़पते बच्चे का इलाज छोड़ परिजनों से मारपीट करने लगे डॉक्टर, जमकर वायरल हो रहा वीडियो

मेरठ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ से डॉक्टरों का एक ऐसा मामला सामने आया है जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की होगी। दरअसल एक बच्चे के इलाज के लिए उसके परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों की धीमी गति देखकर परिजन भड़क गए और और डॉक्टरों से बहस करने लगे। इसके बाद डॉक्टर भी इलाज छोड़कर उनसे मारपीट करने लगे। रात मेरठ के कमालपुर गांव में 5 वर्षीय कुणाल नाम के बच्चे की उंगली कट गई। कुणाल के परिजन उसे इलाज के लिए तुरंत मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। उंगली कटने की वजह से कुणाल दर्द से तड़प रहा था और डॉक्टर धीमी गति में उसका इलाज कर रहे थे।

सीएम नीतीश ने बुराई पर अच्छाई की जीत के माध्यम से बिहार वासियों को दी बधाई

पटना, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार समेत पूरे देश में विजयादशमी का त्योहार मंगलवार को धूम धाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सीएम नीतीश कुमार ने प्रदेशवासियों को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयादशमी की बधाई दी है। सोशल मीडिय एक्स पर सीएम ने बिहारवासियों को मैसेज दिया है। ट्वीटर हैंडल पर सीएम नीतीश कुमार ने लिखा है कि विजयादशमी के शुभ अवसर पर बिहारवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकमानाएं। इसे विजय पर्व के रूप में मनाया जाता है। यह असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। यह हमारे जीवन में संयम एवं आत्मिक बल संरक्षण करने वाला पर्व है। इस पर्व को इस पर्व को सद्भाव, भाईचारे एवं शांतिपूर्ण तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

डाक बंगला चौराहा स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में गए थे सीएम

दरअसल, सीएम नीतीश कुमार बीते रविवार को महाअष्टमी की शाम डाक बंगला चौराहे पर स्थित दुर्गा पुजा पंडालों में गए। सीएम का पंडाल में पूजा समिति की ओर से वेलकम किया गया। नीतीश कुमार माता रानी के दरबार में माथा टेक कर आशीर्वाद लिया। पुजारी ने प्रसाद दिया उन्हें स्वीकर किया।

सीएम शीतला मंदिर और पटनदेवी के किए दर्शन

सीएम नीतीश कुमार सोमवार को महानवमी पर वे सुबह अगमकुआं स्थित शीतला माता के मंदिर में पहुंच गए वहां माता की चुनरी भेंट कर उनका स्वागत किया। माता दुर्गा की आरती उतारने के बाद उन्होंने नारियल फोड़कर मां को चढ़ाया। सीएम नीतीश कुमार बड़ी पटनदेवी और छोटी पटनदेवी भी गए जहां मां की पूजा की।

युवती ने मां दुर्गा की प्रतिमा पर फेंका काला कपड़ा

भरे दरबार में लगाए इस्लामिक और देश विरोधी नारे

बस्ती, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के परशुरामपुर थाना क्षेत्र के चौरी बाजार में सोमवार की देर रात सिंह वाहिनी दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित देवी जागरण के दौरान एक विशेष समुदाय की युवती नकाब पहनकर मंच पर चढ़ गई। आयोजकों के अनुसार, रात दो बजे के करीब मंच पर चढ़ी युवती ने दुर्गा प्रतिमा पर काला कपड़ा फेंक कर गायक से माइक छीन लिया। इसके बाद इस्लाम जिंदाबाद और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने लगी। जिससे पंडाल में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने मंगलवार की सुबह चौरी बाजार में मसकनवा सिकंदरपुर मार्ग पर जाम लगाकर पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद और हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। लोगों का आरोप है कि सूचना देने के बाद भी पुलिस नहीं पहुंची। जाम की जानकारी होते ही प्रभारी निरीक्षक रामेश्वर यादव पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और नारेबाजी कर रहे लोगों को समझाने लगे। मगर लोग घटना में शामिल युवती व उसके परिवार वालों को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे।

भीड़ हटाने के लिए किया गया पुलिस बल का प्रयोग

लोगों का कहना है कि घटना के दौरान समुदाय विशेष के करीब आधा दर्जन लोग पंडाल के आसपास खड़े रहे, मगर युवती को किसी ने नहीं रोका। नाराज लोग जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के आने पर ही जाम हटाने की बात कहने लगे। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया, लेकिन फिर भी प्रदर्शन कर रहे लोग नहीं माने। पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई, जिसमें चौरी बाजार निवासी सूरज श्रीवास्तव घायल हो गए। उनके सिर में चोट आई है।

अखिलेश यादव को 'भावी पीएम' बताने वाले बैनर पर ओवैसी की पार्टी ने ली चुटकी

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। सपा मुखिया और पूर्व सीएम अखिलेश यादव को भावी प्रधानमंत्री बताते हुए राजधानी लखनऊ में सपा दफ्तर के बाहर लगाए गए पोस्टर पर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने चुटकी ली है। एआईएमआईएम के प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद फरहान ने सोमवार को कहा कि मुंगेरी लाल के सपने देखने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन समाजवादी पार्टी की जमीन पूरी तरह से खिसक चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले कई चुनावों में, चुनाव दर चुनाव सपा को हार का सामना करना पड़ा है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा ही यह पोस्टर लगाया गया है, लेकिन सपा मुखिया अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के नेताओं से यह सवाल है कि वह 2014 का लोकसभा चुनाव हारे, 2017 का विधानसभा चुनाव हारे। इसके बाद 2019 का लोकसभा चुनाव हारे और 2022 का यूपी विधानसभा चुनाव भी हार गए।

सपा के हारने की उम्मीद ज्यादा

एआईएमआईएम नेता ने कहा कि 2024 के भी लोकसभा चुनाव में सपा के हारने की उम्मीद ज्यादा है। जीतने की संभावना बेहद कम है। उन्होंने कहा है कि उन्हें ये नहीं समझ में आ रहा है कि आखिर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता किस आधार पर पार्टी मुखिया अखिलेश यादव को देश का प्रधानमंत्री बता रहे हैं।

सपना देखने पर कोई मुकदमा भी नहीं दर्ज होता

सपा कार्यकर्ताओं द्वारा पोस्टर लगाए जाने पर तंज करते हुए एआईएमआईएम के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि सपने देखने में कोई बुराई नहीं है। सपना कोई भी देख सकता है। यूपी की योगी सरकार सपना देखने पर कोई मुकदमा भी नहीं दर्ज कराएगी।

मुसलमानों का सपा से मोह भंग हुआ

एआईएमआईएम नेता ने आरोप लगाया कि प्रदेश के मुसलमानों का सपा से मोह भंग हो गया है। मुस्लिम समुदाय अब एआईएमआईएम के साथ है और यादव पूरी तरह से बीजेपी के साथ जा चुका है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता सिर्फ मुंगेरी लाल के सपने देख रहे हैं और उनके सपने हकीकत से कोसों दूर हैं।

सीएम शिवराज के खिलाफ ताल ठोक सकते हैं मिर्ची बाबा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दी बधाई

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने मिर्ची बाबा चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मिर्ची बाबा के साथ एक फोटो शेयर करते हुए उन्हें विशेष सीट से चुनाव लड़ने की शुभकामनाएं दी है। अखिलेश यादव की इस बधाई के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि, मिर्ची बाबा बुदनी में सीएम शिवराज सिंह चौहान के सामने चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। बता दें कि, बुदनी से एक और विजय नंदन भी चुनावी ताल ठोंक रहे हैं। बता दें कि, सोमवार को महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी उर्फ मिर्ची बाबा से समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मुलाकात की। सपा प्रमुख यादव ने मिर्ची बाबा से मुलाकात का फोटो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया। फोटो के कैप्शन में अखिलेश यादव ने लिखा कि, 'मध्य प्रदेश के मिर्ची बाबा से एक शिष्टाचार भेंट और उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा में एक विशेष सीट से चुनाव लड़ने के लिए शुभकामनाएं।' अखिलेश यादव के इस ट्वीट के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि, वे समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। संभावना जताई जा रही है कि, वे बुदनी विधानसभा सीट से शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ लड़ सकते हैं। दरअसल, मिर्ची बाबा हाल ही में रेप के आरोप से बरी हुए हैं। रायसेन की 28 साल की महिला ने मिर्ची बाबा पर नशीली भभूति खिलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। महिला ने 8 अगस्त को 2022 को भोपाल के महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के बाद बाबा के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया था और अगले दिन 9 अगस्त को ग्वालियर से उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। 13 महीने तक चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोष सिद्ध नहीं होने पर 6 सितंबर 2023 को उन्हें रिहा कर दिया।

सीएम शिवराज पर हुए हमलावर

बता दें कि, जेल से रिहा होने के बाद मिर्ची बाबा लगातार सीएम शिवराज सिंह चौहान पर हमलावर रहे हैं। जेल से छूटने के बाद ही बाबा ने भोपाल में अपना मुंडन कराया और मीडिया से बातचीत में सीएम शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। उनके इस आक्रोश को देखते ही कयास लगाए जा रहे हैं कि, मिर्ची बाबा बुदनी विधानसभा से सीएम शिवराज के सामने चुनाव लड़ सकते हैं।

बिना शराब पिए गाड़ी चलाते समय पकड़े जा सकते हैं लोग

पेट के अंदर चल रही शराब की भट्टी के कारण हो सकता है नशा

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्या आप कभी शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़े गए हैं? खैर, यह आपके पेट के अंदर चल रही शराब की भट्टी के कारण हो सकता है। एआईजी अस्पताल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के अध्यक्ष और प्रमुख डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी के अनुसार, यह संभव है कि कोई व्यक्ति ब्रेथ एनालाइज़र परीक्षण में विफल हो जाए, भले ही उसने शराब की एक बूंद भी न पी हो। फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफएलओ), हैदराबाद चैप्टर द्वारा आयोजित 'स्वस्थ महिलाएं, स्वस्थ समाज' सत्र को संबोधित करते हुए, उन्होंने एक ऐसी ही घटना सुनाई और 100 से अधिक प्रतिभागियों को आंत माइक्रोबायोम के महत्व से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कित मेरे एक दोस्त की बेटी नशे में गाड़ी चलाते हुए पकड़ी गई थी। लेकिन उन्होंने अपने जीवन में कभी शराब को हाथ नहीं लगाया। उसने जुर्माना अदा किया और बाहर निकल गई। इसके बाद, हमने पाया कि यह 'ऑटो ब्रूअरी सिंड्रोम' नामक एक चिकित्सीय स्थिति के कारण हुआ। यह दुर्लभ और कम निदान वाली चिकित्सीय स्थिति आंत कवक द्वारा ग्रहण किए गए कार्बोहाइड्रेट के किण्वन के कारण होती है जिसके परिणामस्वरूप इथेनॉल का अंतर्जात उत्पादन होता है। लगभग 1000 प्रजातियों के साथ, हमारे पेट में अच्छे और बुरे दोनों तरह के बैक्टीरिया होते हैं। आंत हमारे द्वारा खाए गए भोजन को तोड़ती है और शरीर के कार्यों का समर्थन करने वाले पोषक तत्वों को अवशोषित करती है। हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए आंत का महत्व अब चिकित्सा समुदाय में बढ़ते शोध का विषय है। उन्होंने कहा कि सख्त आहार और नियमित व्यायाम का पालन करने के बाद भी वजन कम न होने का कारण खराब बैक्टीरिया भी हो सकते हैं। डॉक्टर ने मल प्रत्यारोपण का भी उल्लेख किया कि एक ऐसी प्रक्रिया जहां मल को एक स्वस्थ दाता से एकत्र किया जाता है और रोगी के जठरांत्र संबंधी मार्ग में डाला जाता है।

यह प्रक्रिया प्राप्तकर्ता की आंतों में स्वस्थ बैक्टीरिया जोड़कर क्लोस्ट्रीडियम डिफिसाइल नामक संक्रमण को नियंत्रित कर सकती है। एक छोटे से अध्ययन में, जिन रोगियों ने स्वस्थ दाताओं से प्राप्त गंधहीन फ्रीज-सूखे मल का उपयोग किया, उनके आंत बैक्टीरिया के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार हुआ। ब्लड बैंक और ब्रेस्ट मिल्क बैंक की तरह, स्टूल बैंक भी अब सामने आ गए हैं,'' उन्होंने कहा। ये स्टूल बैंक दानकर्ता के मल को फ्रीज करते हैं, संरक्षित करते हैं और बैंक करते हैं जो बाद में कठिन संक्रमणों के इलाज में मदद करता है और रोगियों की स्थिति में सुधार करता है।

बीआरएस नेताओं ने विधायक के विरोध में इस्तीफा दिया

भैंसा, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही बीआरएस पार्टी को मुधोल निर्वाचन क्षेत्र में बड़ा झटका लगा है। सोमवार को पार्टी के असंतुष्ट गुट ने बीआरएस से सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। असंतुष्ट गुट ने दावा किया कि वे सभी मुधोल विधायक और बीआरएस उम्मीदवार विट्ठल रेड्डी के व्यवहार के विरोध में पार्टी छोड़ रहे हैं। असंतुष्ट प्रतिनिधियों भैंसा एएमसी के अध्यक्ष राजेश बाबू, पार्टी प्रतिनिधियों सौमवली रमेश और सोलंके भीमराव ने स्थानीय विश्राम गृह हॉल में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने के बाद इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विधायक विट्ठल रेड्डी को विधानसभा टिकट आवंटित किया जाना पार्टी नेतृत्व के लिए नाराजगी का कारण था, जिसने विभिन्न तरीकों से विधायक विट्ठल रेड्डी के प्रदर्शन के बारे में शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि नेतृत्व को दी गई उस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया खराब रही कि अगर विधायक विट्ठल रेड्डी को टिकट दिया गया तो पार्टी को मुधोल विधानसभा सीट गंवानी पड़ेगी। इन्हीं कारणों से ये सभी पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं।

सीपीएम ने मेडिगड्डा स्तंभ गिरने की घटना की जांच की मांग की

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के राज्य सचिव तम्मीनेनी वीरभद्रम ने आज मांग की कि मेडिगड्डा बैराज के 20वें स्तंभ के ढहने की विस्तृत जांच की जाए, जो कालेश्वरम परियोजना लिफ्ट सिंचाई योजना में एक महत्वपूर्ण परियोजना है। उन्होंने कहा कि सीपीआई (एम) की तेलंगाना राज्य समिति मांग कर रही है कि राज्य सरकार क्षति और अन्य तथ्यों और गुणवत्ता दोषों का जनता के सामने खुलासा करे और बांध सुरक्षा अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

एक बयान में, तम्मिनेनी ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना का निर्माण 48 स्तंभों के साथ किया गया था और कहा कि इस परियोजना ने, जिसने अपनी स्थापना के तीन वर्षों के भीतर अपने निर्माण के कारण एक रिकॉर्ड हासिल किया है, 18.5 लाख एकड़ नई अयाकट को सिंचित करने और 17 लाख पुराना अयाकट अको स्थिर करने की कल्पना की गई थी। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि

परियोजना के निर्माण की खुशी तीन साल में ही खत्म हो गई। उन्होंने कहा कि परियोजना के पूरा होने के दो साल बाद, गोदावरी नदी में बाढ़ के कारण उसी बैराज में परियोजना के सात पंप डूब गए। उन्होंने कहा कि निर्माण के तीसरे वर्ष में बाढ़ कम होने के बाद 18 से 21 तक बैराज के खंभे सिकुड़ कर डेढ़ फीट की गहराई में रह गये हैं। उन्होंने कहा कि इनके अलावा भी कई परियोजनाओं के निर्माण में खामियां अब सामने आ रही हैं।

चिंता की बात यह है कि चार से आठ साल के बीच बनने वाली परियोजनाओं में गुणवत्ता संबंधी खामियां सामने आ रही हैं। बैराज के पूरा होते ही बैराज के ऊपर से भारी वाहनों को तेलंगाना से महाराष्ट्र तक ले जाया जाता है। इसे फिलहाल रोक दिया गया है. हालाँकि हर बैराज पर परिवहन स्वाभाविक रूप से प्रतिबंधित था, कालेश्वरम से परिवहन की अनुमति थी। एक तरफ से खंभा गिरने के बाद सरकार ने डर के मारे जमा हुआ सारा 10.6 टीएमसी पानी बाहर निकाल दिया। परिणामस्वरूप, आगामी रबी सीज़न के लिए संग्रहीत पानी का उपयोग करने का अवसर खो गया है।

उन्होंने कहा कि परियोजना के पूरे पानी के उपयोग के बिना ही संरचनात्मक खामियां उजागर हो गईं। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर बैराज को नुकसान पहुंचने के बावजूद सरकार या इंजीनियरों की ओर से अभी तक तथ्य सामने नहीं आये हैं. उन्होंने कहा कि इसलिए, हम पूरी परियोजना के पूरा होने से पहले हुई भारी क्षति की गहन जांच की मांग करते हैं, तथ्यों की जानकारी देने के साथ-साथ यह घोषणा भी करते हैं कि नुकसान के लिए कौन जिम्मेदार है और सख्त कार्रवाई की जाए।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में नवरात्रि महोत्सव पर आयोजित एक शाम श्री आईमाताजी के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए प्रह्लादसिंह टोकरला। अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, वी.सपना रेड्डी व रामुलू गौड़ का सम्मानकर कार्यक्रम का लाभ लेते हुए अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

पुलिस आयुक्त ने सीएपीएफ के साथ समन्वय बैठक की

चुनाव की तैयारी के संबंध में की चर्चा

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त संदीप शांडिल्य ने यहां हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्तालय, टीएसपीआईसीसीसी में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के साथ एक समन्वय बैठक की। ये सहयोगी बल चुनाव संबंधी सभी कर्तव्यों में सिटी पुलिस के साथ काम करेंगे।

सीपी संदीप शांडिल्य ने उन्हें महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों, फ्लाइंग स्क्वाड कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जवानों को तैनात करके तेजी से तैनाती पर जोर दिया। एसीपी को उचित आवास व्यवस्था करने और उनके साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि चेक पोस्टों पर कर्तव्यों का निर्वहन करते समय और जनता को असुविधा से बचाने के लिए उचित सावधानी बरती जानी चाहिए। बैठक में विक्रम सिंह मान आईपीएस, एडिशनल सीपी एलएंडओ, संथाना कृष्णा डीसी और सीएपीएफ के 5 सहायक कमांडेंट, 11 सीएपीएफ कंपनी के कर्मचारी अधिकारी शामिल हुए।

प्रियंका गांधी 31 को तेलंगाना में चुनावी रैली करेंगी

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा 31 अक्टूबर को तेलंगाना के महबूबनगर जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगी। 'पलामुरु प्रजा भेरी' नामक सार्वजनिक बैठक कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित की जाएगी, जहां पूर्व मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव पार्टी के उम्मीदवार हैं। कुछ महीने पहले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा निलंबित किए गए कृष्णा राव ने जून में घोषणा की थी कि वह कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। उन्हें कोल्लापुर में प्रियंका गांधी द्वारा संबोधित की जाने वाली एक सार्वजनिक बैठक में औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल होना था। हालाँकि, जुलाई में भारी बारिश के कारण सार्वजनिक बैठक दो बार स्थगित की गई थी।

पूर्व मंत्री अंततः 3 अगस्त को नई दिल्ली में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हो गए। कांग्रेस पार्टी द्वारा कृष्णा राव को कोल्लापुर से मैदान में उतारने के साथ, उन्होंने नेतृत्व से प्रियंका गांधी को आमंत्रित करके एक सार्वजनिक बैठक आयोजित करने का अनुरोध

किया।

विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद प्रियंका गांधी का यह दूसरा तेलंगाना दौरा होगा। उन्होंने अपने भाई राहुल गांधी के साथ 18 अक्टूबर को पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत करने के लिए मुलुगु जिले का दौरा किया था।

जबकि प्रियंका गांधी मुलुगु में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने के बाद लौट आई थीं, राहुल गांधी ने चार जिलों के विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए तीन दिनों तक 'विजयभेरी यात्रा' जारी रखी। कांग्रेस पार्टी पहले ही 119 में से 52 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। अविभाजित महबूबनगर उन जिलों में से एक है जिस पर कांग्रेस विशेष ध्यान दे रही है। अविभाजित जिले की 14 सीटों में से कांग्रेस पार्टी ने आठ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. चार निर्वाचन क्षेत्रों में, इसने उन नेताओं को मैदान में उतारा है जो हाल ही में बीआरएस से अलग होकर पार्टी में शामिल हुए थे।

इससे पार्टी में असंतोष फैल गया है क्योंकि वरिष्ठ नेता खुद को दरकिनार महसूस कर रहे हैं। कोल्लापुर में जुपल्ली को टिकट दिए जाने से निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी चिंतापल्ली जगदीश्वर राव नाराज हो गए हैं। उन्होंने संकेत दिया कि वह निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। कृष्णा राव ने 2011 में बीआरएस में शामिल होने के लिए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। वह 2014 में बीआरएस के टिकट पर महबूबनगर जिले के कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। विधायक हर्षवर्धन रेड्डी, जिन्होंने उन्हें 2018 के चुनावों में हराया था, ने विधानसभा चुनावों के बाद अपनी वफादारी कांग्रेस से बीआरएस में बदल ली, जिसके बाद उन्हें बीआरएस में दरकिनार महसूस हुआ।

हिन्दू सेवा समाज ने दशहरा सम्मेलन मनाया

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दू सेवा समाज गोलकोण्डा द्वारा दशहरा सम्मेलन मनाया गया। गोलकोण्डा दुर्ग स्थित परिसर में रावण, मेघनाथ का दहन कर दशहरा सम्मेलन मनाया गया। माँ भगवती, श्रीराम दरबार पुजन कर समाज के चेयरमैन राजू उस्ताद, अध्यक्ष सरदार सिंह, प्रधान सचिव शोभा पाण्डे एवं सभी कमेटी सदस्यों ने दशहरा सम्मेलन का आगाज किया। इसमें रामूला आनन्द, भास्कर पूर्व एमपी, राहूल दास महाराज संगम मठ के मठाधीश, श्रीमती माधवी लता, सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बल्दावा, अमर सिंह, पिस और वेल्फेर कमिटी के तमाम सदस्य, गाइड एसोसिएशन, आर विनती म्युजिक ट्रुप किया

गया। प्रधान सचिव शोभा पाण्डे ने गोपाल बल्दवा को राजू उस्ताद से सम्मान करया गया।

हफीजपेट मारतान्डा नगर स्थित मारवाड़ी मित्र मंडल जागरण समिति द्वारा आयोजित मां भगवती के जागरण मे भजन प्रस्तुत करते हुए महेन्द्र बोयल। अवसर पर विधायक आरेकापुड़ी गांधी व अतिथियों का सम्मानकर भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए आयोजक व समाज बन्धु।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर दशहरे की शुभकामना देने के बाद विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए उद्योगपति नरेंद्र गोयल व अशोक सेन।

वीएच ने सांसद उत्तम रेड्डी पर लगाए आरोप

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिग्गज कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव ने आज पार्टी सांसद एन. उत्तम कुमार रेड्डी पर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तम कुमार रेड्डी अंबरपेट विधानसभा क्षेत्र में पार्टी नेता एन. श्रीकांत गौड़ को उनके खिलाफ भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तम अंबरपेट निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी नेता लक्ष्मण यादव को टिकट दिलाने के उनके प्रयासों में बाधा डाल रहे हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने दावा किया कि श्रीनाथ गौड़ ने अतीत में उनके खिलाफ एक झूठा एससी और एसटी अत्याचार का मामला बनाया था। उन्होंने उत्तम को ऐसे नेताओं को प्रोत्साहित न करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उत्तम यह कहकर गलत अभियान चला रहे हैं कि उन्होंने उन लोगों को अंबरपेट टिकट आवंटित करने के लिए पैसे लिए जिन्होंने उन्हें पैसे दिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तम ने उन्हें सूर्यापेट जिले में बीसी बैठक आयोजित करने की अनुमति नहीं दी और कहा कि उत्तम उन्हें कांग्रेस पार्टी से बाहर भेजने की कोशिश कर रहे थे।

जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने नगर पधारे गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत का स्वागत किया तथा विभिन्न मुद्दों के बारे में जानकारी दी।

माओवादी नेता का खम्मम मतदाताओं से चुनाव बहिष्कार करने का आग्रह, पुव्वाडा व पोंगुलेटी की आलोचना की

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। माओवादी पार्टी ने राज्य मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार और कांग्रेस नेता पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर तीखी टिप्पणियों वाला एक खुला पत्र जारी किया है। पार्टी ने खम्मम जिले के मतदाताओं से आगामी विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। पत्र में माओवादी पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य आजाद ने कहा कि संयुक्त खम्मम जिले में कांग्रेस पार्टी पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के हाथों की कठपुतली बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि पोंगुलेटी अपने अनुयायियों के लिए सीट पाने की कोशिश कर रहे हैं, न कि उन लोगों के लिए जिन्होंने लंबे समय तक कांग्रेस की सेवा की है।

पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और पुव्वाड़ा अजय कुमार संयुक्त खम्मम जिले में अपनी-अपनी पार्टियों की जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। आज़ाद ने यह भी कहा कि पोंगुलेटी और पुववाड़ा अजय कुमार दोनों कॉर्पोरेट राजनेता थे और लोगों को उन राजनीतिक दलों को सबक सिखाना चाहिए, जो आगामी चुनावों में हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पोंगुलेटी और पुववाड़ा दोनों ने अवैध तरीकों से करोड़ों रुपये कमाए और कहा कि उनका शोषण हर गुजरते दिन के साथ फल-फूल रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं को अपना शोषण जारी रखने के लिए सत्ता की जरूरत है। आजाद ने कहा कि दोनों नेता भ्रष्ट पैसे से सत्ता हासिल करने के लिए एक-दूसरे पर तलवारें लहरा रहे हैं।

काचीगुडा में बजरंग सेना राज्य कार्यालय में आयुध पूजा और विजयादशमी पूजा में भाग लेते हुए अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती रजनी श्रीरामोजू , महासचिव सूर्या शुक्ला, अजय नायुडू, मनोज मोगलगिड्डी, जगदीश गौड़, सतीश राज, काजल कुशवाह, राघव कुमार व अन्य।

हफीजपेट मारतान्डा नगर स्थित मारवाड़ी मित्र मंडल जागरण समिति द्वारा आयोजित मां भगवती के जागरण मे भजन प्रस्तुत करते हुए महेन्द्र बोयल। अवसर पर विधायक आरेकापुड़ी गांधी व अतिथियों का सम्मानकर भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए आयोजक व समाज बन्धु।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ व पूर्णाहुति कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी व समाज बन्धु।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 25 अक्टूबर - 2023

निठारी हत्याकांड, मैं और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी !

श्रवण गर्ग

निठारी कांड के दोनों 'खलनायक' फाँसी के फन्दे से बचकर जेल से बाहर आ गए हैं। अभी यह साफ़ होना बाक़ी है कि मुख्य पात्र मोनिंदर सिंह पंढेर और उसका सहयोगी नौकर सुरेंद्र कोली क्या नोएडा में सेक्टर-31 की उसी कुख्यात डी-5 नंबर की किलेनुमा कोठी पर ही वापस पहुँचने वाले हैं जहां नृशंस बलात्कारों और हत्याकांडों को अंजाम दिया गया था या किसी और जगह को दहशत की निठारी बनाने का इरादा रखते हैं !

निठारी की उस बदनाम कोठी में हुए नृशंस बलात्कारों और हत्याकांडों की कथाओं के दिसंबर 2006 में प्रकाश में आने के तत्काल बाद मैंने उस स्थान की अहमदाबाद से दिल्ली पहुँचकर यात्रा की थी। किलेनुमा कोठी को सामने और बाईं तरफ़ से ठीक से देखा था और उसमें व्याप्त ख़ौफ़नाक सन्नाटे से पैदा होती दहशत और एक अजीब सी बदबू को सड़क पर खड़े होकर भी महसूस किया था। दोनों अपराधियों की उ.प्र. उच्च न्यायालय द्वारा रिहाई की खबर के साथ ही नोएडा की उस विशाल कोठी की तस्वीर अंधेरा बनकर आँखों के सामने छा गई थी।

उ.प्र. में उस समय मुलायम सिंह यादव की हुकूमत थी। याद पड़ता है कि कोठी के आसपास से लापता हुए बच्चे-बच्चियों की हड्डियों और कंकालों की दिल दहला देने वाली बरामदगी के बावजूद मुलायम सिंह सरकार के एक ज़िम्मेदार मंत्री ने तब प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कि ऐसी (निठारी जैसी) छोटी-मोटी घटनाएँ तो होती रहतीं हैं। मंत्रीजी के लिए ऐसा बयान दिया जाना शायद ज़रूरी भी था। दो-तीन महीनों बाद ही राज्य विधानसभा के चुनाव होने वाले थे।

मंत्री बहुत समझदार जीव होते हैं। मंत्री बनना कोई आसान काम भी नहीं होता। इस पद तक पहुँचने के पहले सभी तरह के विरोधियों को राजनीतिक कंकालों में तब्दील करना पड़ता है। मंत्री जी को यक़ीन रहा होगा कि चुनाव-प्रचार के शोर-शराबे में निठारी की सारी चीखें दफ़्न हो जाएंगी। वैसा ही हुआ भी। मुलायम सिंह के बाद मायावती की सरकार मई 2007 में सत्ता में आ गई। उच्च न्यायालय के फ़ैसले के बाद अखिलेश यादव या मायावती द्वारा व्यक्त की गई किसी प्रतिक्रिया की जानकारी नहीं है। मामला काफ़ी बड़ा है ,कोई प्रतिक्रिया तो अवश्य ही दी गई होगी।

निठारी कांड के प्रकाश में आने और पंढेर, कोली की गिरफ़्तारियों बाद वकीलों के बीच बहस छिड़ गई थी कि आरोपियों का मुक़दमा लड़ा जा सकता है या नहीं ! बहुत सारे वकीलों की उस समय दलील थी कि सुबूतों के आधार पर जब तक दोषी नहीं करार दिया जाता उन्हें अपने क़ानूनी बचाव का पूरा अधिकार है। ऐसा अधिकार सद्दाम हुसैन को भी हासिल था।

उन्नीस बच्चों और बालिकाओं को दुष्कर्म के बाद मार डालने और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर पास के नाले में फेंक देने जैसे नृशंस अपराध को लेकर चले लंबे मुक़दमे के बाद दिए गए फ़ैसले में उच्च न्यायालय ने ठोस सुबूतों के अभाव में दोनों आरोपियों को बरी कर दिया। दिल्ली का बहुचर्चित निर्भया कांड तो निठारी के छह साल बाद दिसंबर 2012 में हुआ था, उसमें सज़ाएँ भी हो गईं पर निठारी ने देश और सत्ता की आत्मा को समान रूप से नहीं हिलाया। दोनों ही घटनाओं के समय केंद्र में सरकार यूपीए की थी।निठारी के दोषियों की रिहाई के लिए उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने जाँच एजेंसियों द्वारा जनता के भरोसे के साथ किए गए विश्वासघात को ज़िम्मेदार ठहराया। फ़ैसले में कहा गया कि मासूम बच्चों और महिलाओं को अमानवीय तरीक़े से मारा गया और जाँच एजेंसियों द्वारा सुबूत जुटाने के बुनियादी मानदंडों का उल्लंघन हुआ। पंढेर और कोली की ओर से पेश हुए मुंबई और अन्य स्थानों के बड़े वकीलों ने अभियुक्तों की गिरफ़्तारी से लगाकर सीबीआई की अदालत द्वारा दी गई फाँसी की सज़ा तक के घटनाक्रम के दौरान चली जाँच के तथ्यों को चुनौती दी थी। (ग़ाज़ियाबाद स्थित सीबीआई की अदालत ने कोली को बारह और पंढेर को दो मामलों में फाँसी की सज़ा सुनाई थी।) निठारी कांड के समय मैं अहमदाबाद में कार्यरत था। हत्याकांड ने देश के साथ-साथ गुजरात को भी विचलित कर दिया था। मेरी जिज्ञासा दिल्ली पहुँचकर निठारी की पीड़ा महसूस करने की थी। जनवरी 2007 के पहले सप्ताह में अहमदाबाद से दिल्ली पहुँचते ही निठारी की सड़क पकड़ी।

निठारी पहुँचकर जो महसूस किया वह आत्मा को झकझोरने वाला था। नोएडा के सेक्टर 31 की उस भव्य कोठी के सामने खड़े होकर चारों ओर नज़र दौड़ाने पर महसूस किया कि कंकालों में तब्दील किए जाने से पहले असहाय बच्चे-बच्चियां किस तरह की यातनाओं से गुज़रे होंगे। कोठी इतनी बड़ी है कि कोई चीख बाहर नहीं पहुँच सकती।

दिल्ली से वापस अहमदाबाद पहुँचकर मैंने एक आलेख लिखा :' हर जगह मौजूद है निठारी और मोनिंदर'। आलेख में लिखा था :'निठारी एक गांव नहीं एक अंतहीन सिलसिला है जिसका कोई सिरा हमारी नीयत और मर्ज़ी के ख़िलाफ़ पकड़ में आ गया है। हमें डर है अगर हमने सिरे को ईमानदारी के साथ पकड़े रखा तो हर शख़्स और गाँव निठारी से जुड़ता नज़र आएगा। न जाने कितने स्थानों पर गेती-फावड़े चलेंगे और कितने कंकाल नज़र आएँगे। भजन-कीर्तन और राजनीति में गहरे तक धँसा हुआ देश तब शायद इतने सारे कंकालों को देख नहीं पाए !'

उक्त आलेख हिन्दी से अनूदित होकर 'दिव्य भास्कर' गुजराती दैनिक में भी प्रकाशित हुआ था जिसका मैं तब संपादक था। मुझे अनुमान नहीं था कि तत्कालीन मुखमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उस आलेख को पढ़ा होगा। जनवरी के दूसरे सप्ताह में अहमदाबाद में 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2007' का आयोजन चल रहा था जिसमें देश के बड़े-बड़े उद्योगपति उपस्थित थे। मैंने (शायद) मुकेश अंबानी को वहीं बोलते हुए सुना था कि : 'नरेंद्र भाई हम तो आपको प्रधानमंत्री के पद पर देखना चाहते हैं।'

समारोह की समाप्ति के बाद मोदी लोगों की भीड़ से घिरे खड़े थे और वापस लौटने की तैयारी में थे। मुझे देखा तो कार में बैठते-बैठते अचानक रुक गए और पास आकर बोले :' मैंने आपका निठारी वाला आर्टिकल पढ़ा है। बहुत अच्छा लिखा है। मैं आपका लिखा हर आर्टिकल पढ़ता हूँ। ऐसे ही लिखते रहिए।'निठारी के बाद के सत्रह सालों में साबरमती, यमुना और गंगा में काफ़ी पानी बह चुका है। निठारी भी होते रहते हैं और अपराधी भी बरी होते रहते हैं। मैं भी लगातार लिखता रहता हूँ। कभी-कभी सोचता हूँ नरेंद्र मोदी जनवरी 2007 के अहमदाबाद की तरह ही मुझे कहीं देख लेंगे तो क्या फिर से कहेंगे कि मेरे लिखे को वे अभी भी पढ़ते हैं ,मैं अच्छा लिखता हूँ और मुझे ऐसे ही लिखते रहना चाहिए ?(चित्र : उच्च न्यायालय के फ़ैसले के बाद रामकिशन नामक शख़्स निठारी में पंढेर की कोठी पर ग़ुस्से से ईंट फेंकता हुआ। रामकिशन का साढ़े तीन साल का बेटा हर्ष भी निठारी कांड के दौरान लापता हो गया था।

http://shravangarg1717.blogspot.com

कनाडा को करारा जवाब

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जहां आए दिन भारत के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे वहीं भारत अब तक सार्वजनिक रूप से किसी तरह की बयानबाजी से बचता रहा है। लेकिन हाल ही में कनाडा को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ताजा बयान में बता दिया कि अगर उसकी बयानबाजी से दोनों देशों के रिश्तों में गरमी कम होने के संकेत मिलते हैं तो निश्चित ही इसका स्वागत किया जाना चाहिए। कनाडा को यह भी याद रखना जरूरी है कि उसकी वजह से रिश्तों में जो तनाव आया था वह अभी भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। विदेश मंत्री का ताजा बयान कनाडियाइयों को वीजा जारी करने से जुड़ा है। विवाद सबसे गंभीर पहलू भारत में कनाडा की राजनयिक मौजूदगी को संतुलित किए जाने का है, जिसके तहत उससे अपने राजनयिकों की संख्या कम करने को कहा गया था। भारत के कहने के अनुसार कनाडा ने अपने 41 राजनयिक यहां से वापस बुला भी लिए, लेकिन ऐसा करते हुए लगे हाथ उसने भारत पर विएना कन्वेंशन के उल्लंघन का आरोप भी लगा दिया। ताज्जुब है कि अमेरिका और ब्रिटेन ने भी इस मामले में कनाडा के रुख का समर्थन किया है। भारत हालांकि इस आरोप को खारिज करते हुए कह चुका है कि डिप्लोमैटिक पैरिटी यानी राजनयिकों की मौजूदगी में समरूपता विएना कन्वेंशन के बिलकुल अनुरूप है। बहरहाल, अपने रुख पर अडिग रहते हुए भी भारत इस बात का पूरा तरह ख्याल रख रहा है कि उसके मित्र देशों में किसी तरह की गलतफहमी न पनपने पाए। यही वजह है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने उन कारणों की ओर भी इशारा किया, जो भारत को ऐसे कड़े कदम उठाने को मजबूर होने पडे। जाहिर है अगर किसी देश के राजनयिक मेजबान देश के आंतरिक मामलों में दखलंदाजी करते पाए जाएंगे तो कोई भी स्वतंत्र और संप्रभु देश इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यही काम भारत ने भी किया है। बता दें कि भारत ने इन बातों की तरफ अभी सिर्फ संकेत किया है, कोई कदम नहीं उठाया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की तरह सार्वजनिक बयानबाजी का वह रास्ता नहीं चुना है, जो दोनों देशों के बीच संबंधों में आई अभूतपूर्व गिरावट की सबसे बड़ी वजह बन गया है। हां, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आगे अगर जरूरत होगी तो इससे संबंधित ब्योरे साझा किए जा सकते हैं। बहरहाल, इसे लेकर भी किसी के मन में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए कि भारत की असली दिक्कत कनाडा की घरेलू राजनीति के उस हिस्से से है, जो खालिस्तानियों को खुला समर्थन देने में तनिक भी संकोच नहीं कर रहा है। कनाडा की वजह जिस तरह का माहौल बन रहा है और ट्रूडो सरकार उसे लेकर जिस तरह का ढीला-ढाला रवैया अपना रखा है, देखा जाए तो सारी समस्याएं उससे पैदा हो रही हैं। जब तक यह स्थिति नहीं बदलती तब तक संबंधों के समीकरणों में ठोस बदलाव की उम्मीद नहीं की जा सकती है। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि वीजा जारी होने की प्रक्रिया बाधित होने का नुकसान आम लोगों को झेलना पड़ता है। इसलिए अगर राजनयिकों की सुरक्षा स्थिति बेहतर होती है तो यह सुविधा जल्द से जल्द बहाल हो जानी चाहिए। दोनों देशों की सरकारें अगर मौजूदा मतभेदों के बीच भी आम अच्छा कदम होगा। यही नहीं इसी तरह के विचार से दोनों ही देशों का भला होगा।

क्या मध्यप्रदेश में बागी ही तय करेंगे चुनाव के नतीजे ?

अशोक भाटिया

मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने लगभग सभी सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। चुनाव संग्राम में बेशक अभी काफी दिन बाकी हों लेकिन टिकट को लेकर घमासान जारी है। टिकट पाने वाले और टिकट गंवाने वाले एक-दूसरे के सामने हैं। सड़कों पर धरना प्रदर्शन का दौर शुरू हो चुका है। कई जगह समर्थक पुतला तक जला रहे हैं।टिकट को लेकर यह कलह सिर्फ एक पार्टी की कहानी नहीं, बल्कि लगभग सभी दलों की है लेकिन सबसे ज्यादा ड्रामा कांग्रेस और भाजपा में देखने को मिल रहा है। टिकट के लिए यह मारामारी सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं बल्कि राजस्थान में भी देखने को मिल रही है। यहां भी टिकट कटने से नाराज दावेदार और उनके समर्थक पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोले बैठे हैं। एक सीट पर कई दावेदार होने से पार्टियों में उथल-पुथल वाला माहौल देखने को मिल रहा है। भाजपा से लेकर कांग्रेस तक में मान- मनोव्वल का दौर चल रहा है। नाराज नेता और उनके समर्थक विधानसभा क्षेत्र से लेकर भोपाल तक चक्कर काट रहे हैं। कुछ नेताओं ने बगावत करते हुए अपने ही दल के कैंडिडेट को हराने की कसम खाकर चुनाव में उतरने का ऐलान किया है। यदि हम पिछले चुनाव के समीकरण को देखे तो पिछले मध्य प्रदेश के 2018 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 109 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को 114 सीटें मिलीं जबकि बहुमत के लिए जरूरी आंकड़ा 116 सीट होता है यानी सरकार बनाने के लिए ना भाजपा के पास बहुमत था, ना कांग्रेस के पास । इतना ही नहीं, 2018 के आंकड़े यह भी बताते हैं कि तब टिकट कटने के बाद उतरे बागी प्रत्याशियों ने कड़े मुकाबले में भाजपा को 5 सीट और कांग्रेस को सात सीट हरवा दी थीं, यानी कटे हुए टिकट के बाद उतरा बागी जीतती सीट हरवा कर किसी के भी सरकार बनने के सपनों को काट सकता है। मध्य प्रदेश में भाजपा गुना और विदिशा को छोड़कर 228 सीटों पर प्रत्याशियों का नाम ऐलान कर चुकी है लेकिन जिन नेताओं के टिकट कटे या जो दावेदारी करते रह गए, वो बगावत पर उतर आए हैं। प्रदेश की अब तक 26 सीटों पर टिकट कटने के बाद भाजपा को चुनावी बगावत का सामना करना पड़ रहा है। इस बार भी अगर कांटे की टक्कर हुई तो टिकट कटने से बागी बनकर उतरा कैंडिडेट सिर्फ सीट ही नहीं बल्कि सत्ता भी हिला सकता है, इसीलिए पार्टी पूरी कोशिश में जुटी है कि जो नाराज हैं, उन्हें आगे एडजस्ट करने की समझाइश देकर फिलहाल बागी बनने से रोका जाए चूंकि 2018 में दमोह सीट पर बागी भाजपा नेता 1,131 वोट पाए और भाजपा का उम्मीदवार 798 वोट से हार गया था। पथरिया सीट पर टिकट कटने पर बागी भाजपा नेता 8755 वोट पाए और भाजपा का कैंडिडेट 2205 वोटों से हारा था। ग्वालियर दक्षिण सीट पर भाजपा की बागी कैंडिडेट 30 हजार से ज्यादा वोट पाईं और भाजपा का अधिकृत उम्मीदवार 121 वोट से हारा। 2018 के कुल आंकड़ों में कांग्रेस से भाजपा सिर्फ पांच सीट पीछे थी और पांच सीट ही भाजपा ने 2018 में बागी कैंडिडेट की वजह से गंवाई थी। वहीं, मध्य प्रदेश में भाजपा से ज्यादा टिकट बांट चुकी कांग्रेस का ज्यादा बागियों से भी सामना हो रहा है। कई नेता अब टिकट कटने के बाद खुद मैदान में उतरकर कमलनाथ के सपनों को पूरा ना होने देने का दावा करने लगे हैं जबकि कांग्रेस दावा करती है कि अबकी बार जितनी पारदर्शिता से और ग्राउंड लेवल तक सर्वे कराके टिकट बांटा है, ऐसा पहले कभी मध्य प्रदेश में नहीं हुआ। टिकट कटने से नाराज नेता और उनके समर्थक भोपाल में डेरा डालने के आलावा कांग्रेस दफ्तर के बाहर हनुमान चालीस का पाठ भी किया जा रहा है। जिनका टिकट कटा है, वे हनुमान भक्त कमलनाथ को अपनी ताकत दिखा रहे हैं। कांग्रेस के खेमे में कहीं प्रदर्शन का बम चुनावी युद्ध में फूट रहा है तो कहीं आंसुओं का रॉकेट चल रहा है। इतना ही नहीं, मंदसौर सीट से टिकट पाए परशुराम सिसोदिया को भी रोता देखा गया। उनका दर्द यह है कि जिनका टिकट कटा वो विरोध में माहौल बना रहे हैं। जैसे किसी युद्ध में अलग अलग हथियार इस्तेमाल होते हैं, वैसे ही चुनावी लड़ाई में होता है। अब जैसे भोपाल में कांग्रेस दफ्तर के बाहर ये शीर्षासन वाला विरोध है। जो निवाड़ी से रजनीश पटैरिया को टिकट ना मिलने पर समर्थक कर रहे हैं। यही समर्थक अगर चुनाव में आगे बगावत करके अपना नेता निर्दलीय लड़ा दें तो पार्टी कैंडिडेट को भी जीतने में सिर उल्टा पैर ऊपर करना पड़ जाए। 2018 के नतीजे बताते हैं कि कांग्रेस बागी उम्मीदवारों की वजह से 7 सीट हारी थी। तीन सीट से उदाहरण समझिए। झाबुआ में कांग्रेस के बागी कैंडिडेट को 35,943 वोट मिले थे कांग्रेस के कैंडिडेट जबकि 10437 वोट से हार गए थे। पंधाना सीट पर कांग्रेस के बागी उम्मीदवार को 25456 वोट मिले और कांग्रेस उम्मीदवार 23000 वोट से हार गए। उज्जैन दक्षिण सीट पर कांग्रेस के बागी कैंडिडेट को 19560 वोट मिले और कांग्रेस का अपना उम्मीदवार 18960 वोट से हार गया। विरोध की यही आग बढ़ती जाए तो जीत के सारे दावे धरे के धरे रह जाते हैं। कमलनाथ के घर के बाहर नाराज नेताओं ने टायर जला दिया है लेकिन इससे पहले जो हुआ वो और गंभीर है। बड़नगर से सिटिंग कांग्रेस विधायक मुरली मोरवाल के समर्थकों ने पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश कर दी। जो अपने नेता का टिकट कटने से नाराज हुए, इन्हें तो रोक लिया गया लेकिन टिकट कटी बगावत रुक पाएगी? ऐसे में कांग्रेस दफ्तर से लेकर कमलनाथ के घर तक कटे हुए टिकट वाले नेता के समर्थकों के विरोध को हल्के में नहीं लिया जा सकता ।बताते चलें कि मध्य प्रदेश की 230 सीट में से कांग्रेस 229 टिकट का ऐलान कर चुकी है। सिर्फ बैतूल जिले की एक सीट ही बची है। दावा है कि कांग्रेस के खेमे में 40 से ज्यादा सीट पर अब तक बागी खुद मैदान में उतरने का ऐलान करने लगे हैं। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह कहते हैं कि नाराज होना स्वभाविक है। सबको लगता है मैं ही कैंडिडेट बनूंगा। इतने पारदर्शी तरीके से पहले कभी चयन नहीं हुआ। 90 फीसदी सीट सर्वे के आधार पर तय हुई हैं। सभी से हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं, भरोसा रखिए। गौरतलब है कि पिछले साल हिमाचल प्रदेश के चुनाव में भी टिकट कटने से नेताओं की नाराजगी सामने आई थी।

इजरायल और हमास के बीच दो देशों की लड़ाई नहीं अपितु दो धार्मिक विचारधाराओं की लड़ाई

डॉ.नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

रूस और यूक्रेन का युद्ध अभी थमा भी नहीं कि इजरायल और हमास के बीच युद्ध शुरू हो गया। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग आज तीसरे सप्ताह में हैं और ये युद्ध लंबा चलेगा, इसमें कोई संदेह नहीं । ये कोई दो देशों के बीच की लड़ाई नही है अपितु ये दो धार्मिक विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ इस्लामिक कट्टरवादी सोच है तो दूसरी तरफ ईसाइयत वाली उदारवादी सोच है। हमारे देश के लिए बहुत असमंजस की स्थिति है क्योंकि एक समय वह भी था जब हमारा देश फिलिस्तीनी राष्ट्र का समर्थन किया करता था और हम यासर अराफात को गले लगाते थे लेकिन आज हम इजरायल के साथ खड़े हैं और ये होना भी चाहिये क्योंकि हम किसी भी हाल में आतंकवाद का समर्थन नहीं कर सकते । हमास ने जो इजरायल में किया है, वह मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है । मासूम बच्चों का गला रेत कर हत्या करना , दिल को दहला देने वाला दृश्य था जिसको देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जायेंगे । इसके बाद जो इजरायल अभी कर रहा है, वह पूरी तरह जायज है। किसी भी युद्ध में किसी भी सिद्धांत की कोई गुंजाइश बाकी नहीं रह जाती है। युद्ध की स्थिति में कौन मरेगा, कौन जिंदा रहेगा, ये तय नहीं किया जा सकता। गेहूँ के साथ घुन भी पिस जाएगा। ये धरती जबसे अपने अस्तित्व में आई, तब से लेकर अब तक इस धरती पर दो तरह के इंसान पैदा होते रहे हैं , एक देवत्व के गुण वाले और दूसरे राक्षसों के गुण वाले। कभी श्रीराम थे तो रावण भी था और जब श्रीकृष्ण थे तो कंस भी था। ये हमेशा से होता आ रहा है।जिस काल खंड में गौतम बुद्ध या महावीर जैन ने दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ाया, उसी काल खंड में कुछ ने दुनिया में धर्म के नाम पर हिंसा का पाठ पढ़ाया। इजरायल एक यहूदी देश है जो चारों तरफ से इस्लामिक देशों से घिरा हुआ है और उसे अपने वजूद को बचाने के लिए बार बार इन देशों से लड़ना पड़ता है । इतिहास गवाह है कि जब भी कोई युद्ध हुई तो विजय हमेशा सत्य की होती रही है और ऐसा आगे भी होता रहेगा क्योंकि रावण ना कभी जीता था और ना ही जीतेगा। हर युग में कौरवों की हार निश्चित है।आज भले हमारे रूस से अच्छे संबंध हैं लेकिन उसने जो यूक्रेन में किया है, वह हमास के कृत्य से ज्यादा शर्मनाक है। अपनी सनक की खातिर पुतिन ने एक अच्छे भले देश को खंडहर बना दिया। वहाँ कितनी बड़ी मानवीय त्रासदी हुई, इसका आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते । दरअसल पुतिन जैसे सोच वाले लोग ही असुरों की श्रेणी में आते हैं। आज हमास के पीछे ईरान पूरी तरह खड़ा है और इस हमले की साजिश में वह शुरू से ही शामिल था। हमास को सारे इस्लामिक देशों से लगातार मदद मिल रही है। फिलिस्तीनियों के नाम पर जितनी सहयोग राशि दुनिया भर से मिल रही थी, उसका इस्तेमाल हमास ने अपने हथियारों के निर्माण में किया । आज भी गाजा पट्टी के लोगों के मदद के लिए सहयोग देने की बात हो रही है । वह अंततोगत्वा हमास को ही पहुँचने वाली है। फिलिस्तीनी नागरिक कभी भी मदद के लायक नहीं रहे। जॉर्डन ने अपने यहाँ इनको शरणार्थी के रूप में बसने की इजाजत दी थी लेकिन वे वहाँ के शासक को हटाने में लग गए थे।आज कोई भी इस्लामिक राष्ट्र चाहे वह मिश्र , जॉर्डन या सऊदी अरब हो या ईरान ही हो, अपने यहाँ फिलिस्तीनियों को बसने देना नहीं चाहते हैं। इनका इतिहास बहुत काला रहा है। आज इजरायल गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों को बिजली, पानी, गैस और खाने पीने का सामान मुहैया कराता है लेकिन ये उसी देश को मिटाने के सपने देखते रहते हैं। हमास के फलने फूलने में फिलिस्तीनियों का ही हाथ रहा है वरना उनके सहयोग के बगैर पूरे गाजा पट्टी में सुरंगों का निर्माण असंभव था। फिलिस्तीनी कौम शुरू से ही गद्दार रही है. जिस थाली में खाती है उसी में छेद करती है। इसका ताजा उदाहरण एक लोमहर्षक घटना अभी गाजा पट्टी में घटी है। एक इजरायली मूल की महिला वहाँ दो निःशुल्क अस्पताल चलाती थी जिसमें गाजा पट्टी में रहने वाले फिलिस्तीनियों का मुफ्त में इलाज करती थी और इजरायली होते हुए भी इजरायलियों का विरोध करती थी लेकिन अभी उन्हीं फिलिस्तीनियों ने उसके आठ टुकड़े करके सुरंग में डाल दिया । ऐसी गद्दारी केवल फिलस्तीनी या हमास संगठन के लोग ही कर सकते हैं। ये कौम जहाँ रहती है वहाँ के मूल निवासियों के खिलाफ इसी तरह का व्यवहार करती है।इसलिए ये कौम कहीं से भी दया के पात्र नहीं हैं। अभी विश्व में बहुत से हथियार जमा हो गए हैं । कुछ तो रूस यूक्रेन युद्ध में समाप्त हो गए हैं और कुछ हमास और इजराइल के युद्ध में इस्तेमाल होने की संभावना है। हथियारों का जब भी जमावड़ा होता है तो उसका इस्तेमाल आज ना कल होता ही है। यमन के हूती विद्रोहियों की तरफ से भी इजरायल पर लंबी दूरी के मिसाइल दागे गए हैं ।

रचनात्मक ,प्रगतिशील प्रयास सार्थक जिंदगी के अहम पहलू

संजीव ठाकुर

जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3% नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है।पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी।

रेडीमेड नेता और शवयात्रा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

साफ-सुथरी सड़क पर अभी-अभी कचरा डाला गया था। हवा खुद बेशर्म हो चली थी। उससे यह देखा नहीं गया। रह-रहकर उस कचरे को उड़ाने में बदमतीज होती जा रही थी। अधिकारी इस बदमतीजी से परेशान हो-होकर कचरा कहीं उड़ न जाए उसके लिए अपने चमकीले जूतों से रोकने का प्रयास कर रहे थे। नेता जी आए झाड़ू लगाने का ऐसा ढोंग किया कि फोटो में असली वाली फील आ गयी। वैसे घोषणा यह हुई थी कि पुतले की शवयात्रा निकाली जाएगी, लेकिन इरादों के अनुसार नेता जी शक्ति प्रदर्शन करना चाहते थे। हांलाकि उनके पास कितनी शक्ति है इस विषय पर विशेषज्ञों और जानकारों में काफी मतभेद है। कहते हैं प्रदर्शन बाद में निकलते हैं शक्ति पहले दिखानी पड़ती है। इसका मतलब यह है कि प्रदर्शन ही शक्ति है। नेता जी प्रदर्शन का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं, बल्कि मौके को आने में देर हो तो पकड़ कर घसीट लाते हैं। ऐसा ही घसीटा जा रहा मौका इस समय उनका रुतबा बढ़ा रहा है। बहुत समय से नेता जी अपनी पूरी ताकत झोंके जा रहे हैं। लेकिन उन्हें कौन बताए कि झोंकना तभी सफल माना जाता है जब वह देखने वाले को दिखता है। शक्ति प्रदर्शन में तमाम महिलाएं शामिल हैं और सबने एक जैसी साड़ी पहन रखी है। पुरुष, यानी जिनकी जवानी अब जाती रही, सफेद कुर्ते में हैं। युवाओं ने, जिनमें ज्यादातर बारह तेरह साल से सत्रह अठारह साल के हैं लाल टी-शर्ट पहने हुए हैं। चर्चा है कि जोरदार तरीके से नारे लगाए तो शाम को दो-दो सौ रुपए और मिलेंगे सबको। हर हजार बारह सौ फुट की दूरी पर स्वागत-मंच बने हुए हैं, जिस पर नेता जी के पट्ठे दो क्विंटल फूलों के साथ तैनात हैं। सारा मार्ग बड़े-बड़े पोस्टरों से अंटा पड़ा है। सबमें जीवित और दिवंगत राष्ट्रीय नेता अभी-अभी उभर रहे रातों रात इंस्टेट रेडी नेता के साथ उनका समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। मंचों पर उनके पोस्टरों का जलवा अलग है। इनमें रेडीमेड नेता जी सीना ताने, हाथ जोड़े, मां-भैन एक कर देने की मुद्रा में मौजूद हैं। ये खासतौर पर उनके विरोधियों के लिए हैं जो कल अखबार में उनकी फोटो देखने वाले हैं। शवयात्रा के आसपास की भीड़ हाय-हाय के नारे लगा रही है ताकि उन्हें भ्रम बना रहे, शेष नेता जी की जयजयकार लगा रहे हैं कि उन्हें भी भ्रम बना रहे। उन्होंने एक युवा-सेना भी बना रखी है जो इस वक्त लाल टी-शर्ट में दिखाई दे रही है। वे सबसे आगे नारे लगाते चल रहे हैं कि जो नेता जी से टकराएगा, उसका ऐसा-वैसा हो जाएगा। यह भी कि जब तक सूरज चांद रहेगा, उससे ज्यादा नेता जी का मंगल रहेगा। जिस भी मंच के सामने से शक्ति प्रदर्शन हो रहा है वहाँ खूब तोड़-फोड़ हो रही है। पट्ठे फूल मालाएं नेता जी के गले में ठूंसे जा रहे हैं और वे बराबर गधे की तरह लदे-फंदे से नजर आ रहे हैं। लेकिन मजे की बात यह है कि उन्हें मजा आ रहा है, वे छा रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि यदि कहीं स्वर्ग है तो बस यहीं है, यहीं है। वे फूले तो पहले से ही थे अब समा भी नहीं रहे हैं। कल से वे सोए नहीं हैं लेकिन चेहरे सुस्ती नहीं है। सारा माहौल उनके पक्ष में फुदक रहा है। शवयात्रा अगर प्रतिक्रिया दे पाती तो पता चलता कि वह कितनी खिन्न और लाचार है।

आंध्रप्रदेश के चित्तूर जिले में है करीब 700 साल पुराना गणेश मंदिर

आंध्रप्रदेश में चित्तुर जिले के इरला मंडल नाम की जगह पर गणेश जी का मंदिर है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। लोगों का ऐसा मानना है की यहां भगवान गणेश की मूर्ति धीरे धीरे आकार में बढ़ती जा रही है। ऐसा कहा जाता हैं बाहुदा नदी के बीच बने इस मंदिर के पवित्र जल के कारण कई बीमारियां खत्म हो जाती है। तिरुपति जाने से पहले भक्त इस विनायक मंदिर में आकर भगवान गणेश के दर्शन करते है। मान्यता के अनुसार, यहां आने वाले भक्तों के कष्ट दूर हो जाते हैं।

11 वीं शताब्दी में बना मंदिर

इस मंदिर का निर्माण 11 वीं शताब्दी में चोल राजा कुलोठुन्गा चोल प्रथम ने करवाया था। इसके बाद फिर विजयनगर वंश के राजा ने सन 1336 में इस मंदिर का जिर्णोद्धार कर इसे बड़ा मंदिर बनाने का काम किया था। ये तीर्थ एक नदी के किनारे बसा है। इस कारण इसे कनिपक्कम नाम दिया गया था।

गणेश चतुर्थी से 20 दिनों तक चलता है ब्रह्मोत्सव

इस मंदिर में सितंबर या अक्टूबर में आने वाली गणेश चतुर्थी से ब्रह्मोत्स शुरू हो जाता है। ऐसा माना जाता है की एक बार खुद ब्रह्मदेव पृथ्वी पर आए थे और तभी से इस मंदिर में 20 दिन का ब्रह्मोत्सव मनाया जाता है। ब्रह्मोत्सव के दौरान यहां पर भक्तों के बीच रथ यात्रा निकाली जाती है। इस त्यौहार के दौरान दूसरे दिन से ही रथयात्रा सुबह में एक बार और शाम में एक बार निकाली जाती है। रथ यात्रा में हर दिन भगवान गणेश अलग-अलग वाहनों पर भक्तों को दर्शन देने निकलते हैं। रथ को कई तरह के रंगीन कपड़ों से सजाया जाता है। इस तरह का उत्सव बहुत कम मंदिरों में मनाया जाता है।

रोज बढ़ रही है भगवान गणेश की मूर्ति

कहते हैं कि इस मंदिर में मौजूद गणेश की मूर्ति का आकार हर दिन बढ़ता ही जा रहा है। इस बात का प्रमाण उनका पेट और घुटना है, जो बड़ा आकार लेता जा रहा है। कहा जाता है कि करीब 50 साल पहले भगवान गणेश की एक भक्त श्री लक्ष्माम्मा ने उन्हें एक कवच भेंट किया था, लेकिन मूर्ति का आकार बढ़ने की वजह से अब वह कवच भगवान को नहीं पहनाया जाता।

मान्यता: मंदिर की कहानी

मंदिर के निर्माण की कहानी रोचक है। कहा जाता है कि

यहां धीरे-धीरे बढ़ रहा है गणेश जी की मूर्ति का आकार

तीन भाई थे। उनमें से एक गूंगा, दूसरा बहरा और तीसरा अंधा था। तीनों ने मिलकर जमीन का एक छोटा सा टुकड़ा खरीदा। जमीन पर खेती के लिए पानी की जरुरत थी। इसलिए, तीनों ने उस जगह कुआं खोदना शुरू किया। बहुत अधिक खुदाई के के बाद पानी निकला। उसके बाद थोड़ा और खोदने पर उन्हें गणेशजी की प्रतिमा दिखाई दी, जिसके दर्शन करते ही तीनों भाई जो कि गूंगे, बहरे और अंधे थे वे एकदम ठीक हो गए। ये यह चमत्कार देखने के लिए उस गांव में रहने वाले लोग इकट्ठे होने लगे। इसके बाद सभी लोगों ने वहां प्रकट हुई भगवान गणेश की मूर्ति को वहीं पानी के बीच ही स्थापित कर दिया।

दर्शन से खत्म हो जाते हैं पाप

कहा जाता है कि कोई इंसान कितना भी पापी हो यदि वह कनिपक्कम गणेश जी के दर्शन कर ले तो उसके सारे पाप खत्म हो जाते हैं।

इस मंदिर में दर्शन से जुड़ा एक नियम है। माना जाता है कि इस नियम का पालन करने पर ही पाप नष्ट होते हैं। नियम यह है कि जिस भी व्यक्ति को भगवान से अपने पाप कर्मों की क्षमा मांगनी हो। उसे यहां स्थित नदी में स्नान कर ये प्रण लेना होगा कि वह फिर कभी उस तरह का पाप नहीं करेगा, जिसके लिए वह क्षमा मांगने आया है। ऐसा प्रण करने के बाद गणेश जी के दर्शन करने से सारे पाप दूर हो जाते हैं।

कैसे पहुंचे यहां

सड़क के रास्ते - यह मंदिर तिरुपतिबस स्टेशन से करीब 72 किमी दूर है। यहां से बस और कैब मिल सकती है।

ट्रेन से - ये मंदिर तिरुपति रेलवे स्टेशन से करीब 70 किमी की दूरी पर है।

एयर वे - तिरुपति हवाईअड्डा इस मंदिर से केवल 86 किमी की दूरी पर है।

30 साल बाद शरद पूर्णिमा के दिन लग रहा चंद्र ग्रहण

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में ग्रहण लगने की घटना को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। साल 2023 का आखिरी चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के दिन लग रहा है।

धार्मिक दृष्टि से ग्रहण वैसे भी खास माना जा रहा है क्योंकि साल 2023 में चार ग्रहण में से पूर्णिमा तिथि पर लगने वाला यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा। जिसका सूतक काल भी मान्य होगा। धार्मिक मान्यता के मुताबिक ग्रहण लगने की घटना का प्रभाव देश दुनिया समेत सभी लोगों पर पड़ता है। साल का आखिरी चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर मध्य रात्रि बचकर 5 मिनट से लेकर 2:25 तक रहेगा जो भारत में दृश्यमान होगा।

ऐसी स्थिति में ग्रहण काल में गर्भावस्था को लेकर कई तरह की बातें भी प्रचलित है। साथ ही ग्रहण के समय गर्भवती महिलाओं को बेहद सावधानी बरतने की सलाह भी दी जाती है।

मान्यता के मुताबिक ग्रहण के समय नकारात्मक शक्तियां हावी होने लगती है। जिसकी वजह से गर्भवती महिलाओं पर अशुभ प्रभाव पड़ता है।शास्त्रों में चंद्र ग्रहण के दौरान गर्भवती महिलाओं को ध्यान में रखते हुए कुछ नियम बनाए गए हैं।

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर को लग रहा है और लगभग 30 वर्ष बाद शरद पूर्णिमा पर चंद्र ग्रहण लग रहा है।

जिसका सूतक काल लगभग 9 घंटे पहले शुरू हो जाएगा। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को कुछ नियमों का पालन करना चाहिए।

गर्भवती महिलाएं करें इस नियम का पालन

किसी भी गर्भवती महिला को चंद्र ग्रहण को देखने से बचना चाहिए और ना ही उसे दौरान घर से बाहर निकलना चाहिए। खासकर गर्भवती महिलाओं को घर के अंदर ऐसे स्थान पर रहना चाहिए जहां पर ग्रहण की किरणें अथवा प्रकाश ना हो। अगर आप गर्भवती हैं और चंद्र ग्रहण के दिन आपको विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना चाहिए।

पूजा पाठ में मन लगाना चाहिए लेकिन मंदिर में नहीं जाना चाहिए।

चंद्र ग्रहण के दौरान गर्भवती महिलाओं को चाहिए कि वह हनुमान चालीसा, विष्णु सहस्त्रनाम, आदित्य हृदय स्त्रोत, विष्णु हस्ताक्षरी मंत्र और पंचाक्षरी मंत्र का जप करें।

जब भी चंद्र ग्रहण लगे तो खासकर गर्भवती महिलाओं को अपने पास एक नारियल रखना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि नारियल रखना सभी तरह की हानिकारक विकरण से बचा जा सकता है। इसके बाद उसे किसी पवित्र नदी में विसर्जन करना चाहिए।

ग्रहण के दौरान गर्भवती महिलाओं को उठने बैठने में भी विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इतना ही नहीं ग्रहण लगने के दौरान भोजन से भी परहेज करना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं को सूर्य ग्रहण के दौरान सुई, चाकू, कैंची जैसी नोकदार वस्तुओं से दूर रहना चाहिए।

शास्त्रों के अनुसार इनका इस्तेमाल करने से गर्भ में पल रहे बच्चे पर दुष्प्रभाव हो सकता है।

पलामू के देवी मंदिर के भभूत मात्र से पूरी होती है संतान की कामना!

भभूत लगाने से पूरी होती है मन्नत

इस मंदिर में मां के दर्शन के लिए यूपी, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ से श्रद्धालु आते हैं। खास कर जिन्हें संतान सुख नहीं मिलता, उन्हे यहां सिर झुकाने और मां की भभूत लगाने मात्र से संतान सुख की प्राप्त होती है। मंदिर के बाई ओर सुबह 9 से शाम 6 बजे तक श्रद्धालुओं की कतार लगी रहती है। अपनी-अपनी समस्या लेकर श्रद्धालु यहां आते हैं, जिन्हें भभूत लगाकर मां पर चढ़ा लौंग दिया जाता है। उसके बाद मां उनके सारे कष्ट दूर कर देती हैं।

कई माता-पिता की मन्नत हुई पूरी

आगे बताया कि उनकी आंखों के सामने ऐसे कई माता-पिता आए हैं, जिनको कई वर्षों से संतान सुख प्राप्ति नहीं था। लेकिन, यहां आते ही माता रानी के दर्शन मात्र से उन्हें संतान सुख की प्राप्ति हुई और जब उनकी मन्नत पूरी हुई तब वे दोबारा माता रानी की पूजा करने जरूर आए। अब भी वो यहां आते हैं।

श्रद्धालुओं की है असीम आस्था

गढ़वा जिला के बंसीधर नगर से आए रघुनाथ मेहता ने बताया कि तीन साल से उन्हें संतान की प्राप्ति नहीं हो रही थी। वहीं, पत्नी की तबियत भी लगातार खराब रहती थी। मां के दर्शन मात्र से उनकी समस्या का निदान हो गया। उन्हें पुत्र और पुत्री दोनों प्राप्त हुए। पत्नी की बीमारी भी दूर हो गई। अब वह नियमित रूप से यहां माता के दर्शन करने आते हैं।

सुबह 4 बजे से खुल जाता है दरबार

पुजारी ने बताया कि मंदिर परिसर में 50 बाई 70 फीट का तालाब है। वहीं मंगला गौरी माता के गर्भगृह के साथ भगवान शंकर और हनुमान जी का दरबार भी है। यह मंदिर करीब दो एकड़ में फैला है। इस मंदिर में माता का दरबार सुबह 4 बजे से खुल जाता है। और मां मंगला गौरी भक्तों को दोपहर 12 बजे तक दर्शन देती हैं।

शकुनि के पासे में रहती थी पिता की आत्मा

महाभारत का युद्ध बेहद विनाशकारी था। महाभारत का युद्ध 18 दिनों तक चला। इन 18 दिनों में कौरवों का नाश हुआ। धृतराष्ट्र को अपने 100 पुत्रों को खोना पड़ा। यहां तक की जीवित ही धृतराष्ट्र और गांधारी को वन गमन को जाना पड़ा। महाभारत का युद्ध करने में जिन लोगों का सबसे अहम योगदान माना जाता है उनमे से एक नाम शकुनि का भी है।

शकुनि गांधारी का भाई और दुर्योधन का मामा था। शकुनि चौसर जो कि लूडो की तरह खेला जाने वाला एक खेल होता है उसका माहिर खिलाड़ी था। इस खेल में शकुनि ने पांडवो को सबकुछ दांव पर लगाने के लिए मजबूर कर दिया था और बाद में इसी खेल के चलते उसने पांडवों का सबकुछ हासिल कर लिया था।

शकुनि कौन था शकुनि गंधार राज का राजा था। गंधार अफगानिस्तान में स्थित है। ये भी कहा जाता है कि शकुनि धृतराष्ट्र से अंदर ही अंदर नफरत करता था। कहा जाता है कि शकुनि के पिता और उसके 100 भाइयों को धृतराष्ट्र ने बंदी बनाकर कारागार में डाल दिया। इस अत्याचार का शकुनि बदला लेना चाहता था, इसलिए उसने कौरवों का नाश करने की प्रतिज्ञा ली थी।

शकुनि की टांग कैसे टूटी

शकुनि के पिता का नाम सुबल था। जब सुबल और उनके सभी 100 पुत्रों को कारागार में बंदी बनाकर डाल दिया गया था। तो सभी ने ये प्रण किया उन पर किए गए अत्याचार का प्रतिशोध शकुनि लेगा। क्योंकि सभी भाइयों में शकुनि अधिक

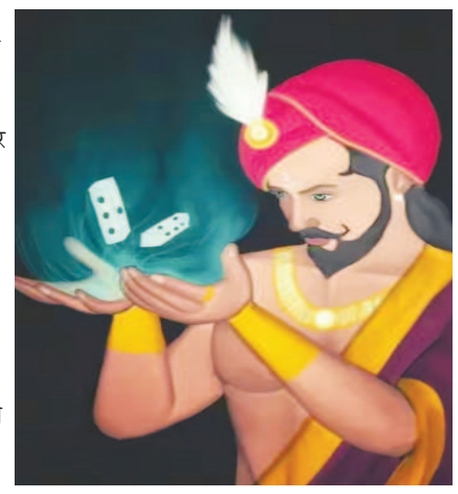

बुद्धिमान था। धृतराष्ट्र के अत्याचार की याद हमेशा बनी रहे इसके लिए शकुनि के भाइयों ने शकुनि की एक टांग तोड़ दी।

पिता की आत्मा रहती थी शकुनि के पासे में शकुनि के पिता जब जीवन की अंतिम सांसे ले रहे थे तब उन्होंने शकुनि से कहा कि जब उनकी मृत्यू हो जाए तो रीढ़ की हड्डी से पासे बना लेना। पिता सुबल जानते थे कि शकुनि चौसर का अच्छा खिलाड़ी है। इसलिए उन्होने शकुनि से कहा मेरी हड्डियों से बने पासे सदैव तुम्हारे इशारे पर चलेंगे। क्योंकि इन पासों में उनकी आत्मा का वास होगा। यही कारण था कि पासे शकुनि मन मुताबिक आते थे।

18 वें दिन सहदेव के हाथों हुई थी शकुनि की मृत्यु महाभारत के युद्ध समाप्त होने के दिन ही यानि 18 वें दिन शकुनि का सहदेव ने वध कर दिया था। शकुनि के पुत्रों का वध अरावन और अर्जुन ने किया था। अरावन अर्जुन के पुत्र थे।

घर में इस जगह लगाए मनी प्लांट, दौड़ी चली आएगी मां लक्ष्मी

इस दिशा में न लगाए मनी प्लांट

वास्तु शास्त्र की माने तो हमे भूलकर भी मनी प्लांट को उत्तर पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि इस दिशा में मनी प्लांट को लगाना अशुभ होता है। यहां मनी प्लांट रखने पर धन की हानि होती है। आपका पैसा व्यर्थ कामों में ज्यादा खर्च होता है। इनकम आना बंद या कम हो जाती है।

इस दिशा में मनी प्लांट लगाना होता है शुभ

अब सवाल ये उठता है कि धन लाभ के लिए मनी प्लांट कहां लगाया जाए? वास्तु शास्त्र की माने तो दक्षिण दिशा में मनी प्लांट लगाना शुभ होता है। दक्षिण पूर्व दिशा में मनी प्लांट लगाने से घर की तरक्की होती है। आपको पैसा कमाने के नए अवसर मिलते हैं। घर में पॉजिटिव एनर्जी रहती है। घर में सुख, शांति और समृद्दि आती है।

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर दक्षिण पूर्व दिशा में ऐसा भी क्या खास है? ये इतनी शुभ क्यों होती है। तो बता दें कि इस दिशा में भगवान गणेश का वास होता है। गणेशजी को सुख समृद्धि का देवता भी कहा जाता है। वहीं इस दिशा का प्रतिनिधित्व शुक्र ग्रह भी करता है। शुक्र ग्रह भौतिक सुख सुविधाओं का कारक होता है।

मनी प्लांट से जुड़े अन्य नियम

मनी प्लांट के पत्तों को कभी सूखने नहीं देना चाहिए। यदि कोई पत्ता सूख जाए तो उसे तोड़कर फेंक देना चाहिए। सूखे पत्तों को मनी प्लांट में रखने से घर में दरिद्रता आती है। इसी तरह कभी जमीन पर मनी प्लांट नहीं उगाना चाहिए। इसे किसी गमले या कांच की बोतल में उगाना चाहिए। जमीन पर उगाया गया मनी प्लांट शुभ नहीं होता है।

इसकी वजह ये है कि मनी प्लांट का संबंध पैसों यानि मां लक्ष्मी से होता है। इसलिए यदि ये जमीन को छू जाए तो मां लक्ष्मी का अपमान होता है। इसके अलावा मनी प्लांट की बैलों को हमेशा नीचे से ऊपर की ओर जाना चाहिए। इससे आपका बैंक बैलेंस बढ़ता है। यह ऊपर से नीचे नहीं लटकना चाहिए। इससे आपका पैसों का खजाना खाली होता है।

बिना फिल्में किए करोड़ों कमाती हैं फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा, एक्ट्रेस की नेटवर्थ जान चकरा जाएगा सिर

मलाइका अरोड़ा आज अपना 50वां जन्मदिन मना रही हैं. मलाइका काफी लग्जरी लाइफ जीती हैं. मलाइका अरोड़ा ने छैया छैया सॉन्ग में बॉलीवुड में कदम रखा था. ये गाना काफी हिट साबित हुआ था और इससे ही मलाइका को एक अलग पहचान मिली थी. जिसके बाद मलाइका कई आइटम सॉन्ग्स में नजर आ चुकी हैं. जो सभी हिट रहे हैं.

हालांकि, मलाइका कभी बतौर एक्ट्रेस किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं. लेकिन इसके बावजूद भी वे लग्जरी लाइफ जीती हैं. मलाइका भले ही फिल्मों में नजर नहीं आती हो लेकिन फिर वे करोड़ो की मालकिन हैं.

मलाइका के पास लेविश अपार्टमेंट्स के साथ ही कई लग्जरी गाड़िया भी शामिल हैं. मलाइका मुंबई के बांदा में जिस घर में रहती हैं उसकी कीमत करीब 20 करोड़ रुपये है. वहीं, एक्ट्रेस के पास 1.38 करोड़ रुपये की BMW 7 सीरीज, 20 लाख की टोयाटो इनोवा क्रिस्टा, 96 लाख की BMWX 7 के साथ ही 2.11 करोड़ की रेंज रोवर वॉग जैसी लग्जरी कारें भी है.

मलाइका अरोड़ा फिल्मों में भले ही नजर नहीं आती हों, लेकिन वे कई मॉडलिंग शोज और रिएलिटी शोज को जज करती हैं. शो में एक एपिसोड के लिए एक्ट्रेस करीब 5 से 6 लाख रुरये चार्ज करती हैं. कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलाइका ने कई स्टार्टअप बिजनेस में भी इंवेस्ट किया हुआ है, जिसमें फिटनेस ऐप सरवा योगा, ई-कॉमर्स ब्रैंड लेबल लाइफ एक्सेल और कई फैशन वर्ल्ड में इंवेस्टेंट की हुई है.

मलाइका कई बड़े ब्रांड की एंबेसडर हैं जिसके लिए उन्हें मंथली 70 लाख से 1.6 करोड़ रुपये मिलते हैं. वहीं, वे फिल्मों में अपने एक गाने के लिए एक्ट्रेस 90 लाख रुपये से 1.5 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं. वहीं, मलाइका की कुल नेटवर्थ की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, 98.98 करोड़ा रुपये है.

अपने जन्मदिन पर ट्रोलर के निशाने पर मलाइका

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने बीते दिन अपना जन्मदिन मनाया है। अभिनेत्री जो भी करती हैं, वह सबसे अलग करती हैं। मलाइका ने अपना जन्मदिन भी खास जगह पर बड़े ही खास अंदाज में मनाया। सोशल मीडिया पर उन्होंने इसका पोस्ट भी साझा किया है। जन्मदिन का पोस्ट साझा करते ही मलाइका ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। दरअसल, मलाइका ने इस पोस्ट का कैप्शन ही कुछ ऐसा लिखा था कि वह ट्रोलिंग का शिकार हो गईं।

मलाइका ने खुद की उम्र बताई 48

मलाइका अरोड़ा ने जन्मदिन पर अपनी कुछ चुनिंदा तस्वीरें साझा की। इसका साथ उन्होंने एक कैप्शन भी लिखा। कैप्शन में मलाइका ने खुद को 48 वर्ष का बताया, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। क्योंकि गूगल के अनुसार, मलाइका अरोड़ा का जन्म 1973 में हुआ था। इस हिसाब से उनकी उम्र 50 साल है। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने जैसे ही इसे देखा तो कमेंट सेक्शन में ही अभिनेत्री को नसीहत भी दे डाली।

किसी को गुमराह तो मत करो- यूजर्स

यूजर्स ने मलाइका को नसीहत देते हुए लिखा कि कम से कम जन्मदिन पर किसी को गुमराह तो मत करो। बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने पोस्ट साझा कर लिखा, 'एक और साल चला गया और मैं 48 की हो गई हूं (अपने पसंदीदा बार्थरोब में)। मैं शांति और अपने लोगों के लिए आभारी हूं जो मेरी इस पूरी जर्नी में मेरे साथी रहे हैं। यहां बैठकर हर पल अच्छा महसूस होता है जो मुझे आत्म खोज और आंतरिक शक्ति की तरफ मार्गदर्शन करता है।'

'पर्व' मूवी में यश को कास्ट करना चाहते हैं विवेक अग्निहोत्री

विवेक अग्निहोत्री ने इंडस्ट्री को 'द ताशकंद फाइल्स' और 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। हालांकि, फिल्ममेकर की हालिया रिलीज फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में असफल नजर आई है। बावजूद इसके फिल्म को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई सितारों के जरिए सराहा गया है। इसी कड़ी में विवेक अपनी आगामी फिल्म की घोषणा कर सुर्खियों में छा गए हैं। फिल्म निर्माता ने बीते दिन बेंगलुरु में 'पर्व' की घोषणा की। वहीं, अब इसके लीड स्टार को लेकर विवेक का दिया गया ताजा बयान हेडलाइंस का हिस्सा बन रहा है।

'पर्व' की कहानी

विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म की कहानी एस एल भैरप्पा की किताब 'पर्व' पर आधारित होगी। यह संस्कृत महाकाव्य महाभारत का पुनर्कथन है, जिसे प्रमुख पात्रों के व्यक्तिगत प्रतिबिंबों के माध्यम से वर्णित किया गया है। उपन्यास को आधुनिक क्लासिक के रूप में व्यापक रूप से सराहा गया है। जानकारी है कि फिल्म तीन भाग वाली फ्रेंचाइजी होगी, जो भारतीय सिनेमा के इतिहास में अपनी जगह पक्की कर लेगी।

यश होंगे 'पर्व' के लीड स्टार!

दर्शकों का उत्साह तब चरम पर पहुंच गया जब विवेक अग्निहोत्री ने 'पर्व' के लिए अपनी ड्रीम कास्ट का खुलासा किया। एक पत्रकार ने उनसे पूछा कि वह किसे कास्ट करना चाहेंगे, तो उन्होंने कहा, 'यश हमारे समय के सबसे महान अभिनेता हैं।' इस तरह विवेक ने यश को 'पर्व' में कास्ट करने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, बात बन पाती है या नहीं यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

तीन भाग में बनेगी 'पर्व'

'पर्व' सिर्फ एक फिल्म से कहीं अधिक है। यह एस एल भैरप्पा के कालजयी उपन्यास की एक असाधारण सिनेमाई व्याख्या है, जो धर्म की महाकाव्य कहानी को उजागर करती है। चूंकि फिल्म को तीन अलग-अलग हिस्सों में प्रस्तुत किया जाना है, इसलिए दर्शक एक गहन और मंत्रमुग्ध अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं, जो विचारोत्तेजक और दृष्टि से आश्चर्यजनक दोनों होने का वादा करता है।

अभिनेत्री ने पोस्ट साझा कर लिखा-

उन्होंने आगे अपने पोस्ट में लिखा, 'यहां की अच्छी हवा, मंत्रमुग्ध करने देने वाला सूर्यास्त है जो नई शुरुआत का वादा करता है। यहां पर उन लोगों की गर्मजोशी है जिन्होंने मेरी लाइफ को सुंदर बनाया है। एक बार फिर अब तक की जिंदगी के लिए आभारी हूं और आगे की लाइफ के लिए काफी उम्मीद है। मुझे जन्मदिन मुबारक हो।'

'यह मेरे जीवन व फिल्म निर्माण की दिशा बदल देगी' फिल्म 'हिरण्यकश्यप' पर बोले राणा दग्गुबाती

साउथ सुपरस्टार राणा दग्गुबाती लंबे समय से हिरण्यकश्यप की हिंदू पौराणिक कथाओं को अपनाना चाहते हैं। फिल्म पर कुछ सालों से काम चल रहा है और राणा का कहना है कि वे गुणवत्ता के लिए समय ले रहे हैं। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में राणा ने कहा कि हिरण्यकश्यप सुनिश्चित करना होगा कि हम इसे अलग और बेहतर तरीके से बता रहे हैं। हम इसे जीरो से 80 तक के दर्शकों से कैसे जोड़ सकते हैं, जो कहानी पहले ही कर चुकी है तो उस पर काम कुछ समय से चल रहा है। मुझे लगता है कि हमने इसमें से समय की भावना को हटा दिया है। इससे कोई फर्क यह एक ऐसी फिल्म होगी, जो लंबे समय के लिए मेरे जीवन और फिल्म निर्माण की दिशा बदल देगी। वास्तव में हम उस फिल्म के साथ यही हासिल करना चाहते हैं।

'कल्कि 2898 एडी' पर राणा की प्रतिक्रिया

वहीं, 'कल्कि 2898 एडी' के बारे में बात करते हुए राणा

दशहरा के मौके पर महेश बाबू ने साझा की फिल्म 'गुंटूर कारम' से जुड़ी जानकारी

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और त्रिविक्रम श्रीनिवास की फिल्म 'गुंटूर कारम' का क्रेज रिलीज से पहले ही दर्शकों के बीच देखने को मिल रहा है। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म अगले साल संक्रांति पर रिलीज होने के लिए तैयार है। दर्शकों के बीच फिल्म का उत्साह और बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने अब दशहरा के अवसर पर 'गुंटूर कारम' का नया पोस्टर जारी किया है।

महेश बाबू ने अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) हैंडल से 'गुंटूर कारम' फिल्म से उनका नया पोस्टर साझा किया। इसके साथ ही फिल्म के पहले सिंगल के जल्द आने की आधिकारिक घोषणा भी की गई। नया लुक जारी करते हुए महेश बाबू ने लिखा, "आगे एक महान वर्ष का मार्ग प्रशस्त कर रहा हूं। सभी को दशहरे की शुभकामनाएं।" पोस्टर के मुताबिक, फिल्म का सिंगल आने वाले महीनों में जल्द ही रिलीज किया जाएगा।

पोस्टर में अभिनेता हमेशा की तरह स्टाइलिश नजर आ रहे हैं। महेश पोस्टर में सिगरेट पीते हुए दिख रहे हैं। अभिनेता विजय को हाल ही में लियो के गाने रना रेडीर में धूम्रपान की समस्या का सामना करना पड़ा। सिनेमाघरों में पहुंचने से पहले गाने को कई बदलावों से गुजरना पड़ा। वहीं अब कयास लगाए जा रहे हैं कि महेश को ऐसे सीन्स के लिए क्लीन चिट लेने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

महेश बाबू के प्रशंसक 'गुंटूर कारम' से पूरी तरह आश्चर्यचकित हैं, क्योंकि यह 2010 की फिल्म 'खलेजा' के बाद महेश बाबू और त्रिविक्रम की हिट जोड़ी के सहयोग का प्रतीक है। यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा फिल्म होने की उम्मीद है, जिसमें जयराम, श्रीलीला, मीनाक्षी चौधरी, जगपति बाबू और राम्या कृष्णन प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

'गुंटूर कारम' की रिलीज के बाद उम्मीद है कि महेश बाबू अपनी ग्लोब-ट्रॉटिंग एडवेंचर फिल्म के लिए निर्देशक और निर्माता एसएस राजामौली के साथ हाथ मिलाएंगे। फिल्म का नाम अस्थायी रूप से SSMB29 रखा गया है, जिसमें बड़ी संख्या में कलाकारों के शामिल होने की उम्मीद है और अफवाहें हैं कि दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में होंगी।

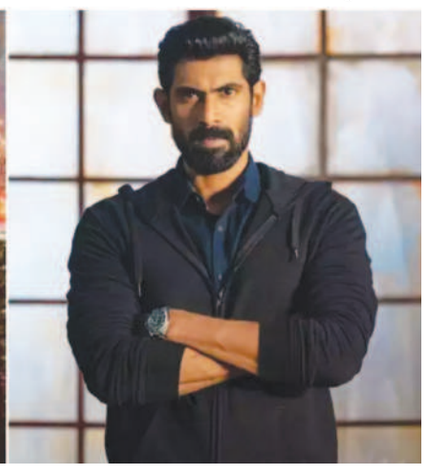

उनके करियर और भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

अलग तरीके से बनाना चाहते हैं फिल्म

उन्होंने कहा, "यह पहली अमर चित्र कथा कहानी थी या सबसे सुस्पष्ट अमर चित्र कथा कहानी थी, जो पूरे ब्रह्मांड में घटित हुई और इसकी पौराणिक कथाओं को दोबारा बताए जाने की जरूरत है। श्वेत-श्याम युग में इसे बहुत अच्छे से कहा गया था, इसलिए हमें यह नहीं पड़ता कि इसे पूरा करने में कितना समय लगा।"

फिल्म से राणा को काफी उम्मीदें

राणा ने आगे कहा मेरे पास इस पर काम करने वाले बहुत से लोग हैं। अब मेरे पास श्री त्रिविक्रम हैं। हर बार जब वह कोई फिल्म पूरी कर लेते हैं तो वह उस पर टुकड़ों-टुकड़ों में काम करता है। एक टीम है, जो भागवत पुराण की सभी कहानियों को एक साथ रख रही है। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि दग्गुबाती ने कहा, "पहली बार मुझे किसी को देखकर ईर्ष्या तब हुई, जब मैं कल्कि के सेट पर गया। बड़े होकर मेरे लिए दृश्य प्रभाव स्टार वार्स थे। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे देखना मुझे बहुत पसंद है। मजे की बात यह है कि नागी (नाग अश्विन) को भी वह फिल्म देखना पसंद आया और बहुत कम लोगों को यह मिल पाता है। विज्ञान कथा की तरह और यह सब बहुत मुख्यधारा नहीं है।"

रवीना टंडन ने बॉलीवुड के ऊपर चुना टॉलीवुड, हिंदी फिल्मों की असफलता पर दिया चौंकाने वाला बयान

रवीना टंडन फिल्मों में शानदार अभिनय के साथ ही अपने दमदार व्यक्तित्व के कारण भी फैंस के बीच खासा चर्चित हैं। अभिनेत्री कई अवसर पर हिंदी और साउथ फिल्मों के अंतर को समझाती नजर आई हैं। साथ ही सिनेमा में आए कुछ बदलावों को लेकर मुखर रही हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री ने वापस से साउथ और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर चर्चा की है। साथ ही फिल्मों की सफलता और असफलताओं पर बड़ा बयान देती नजर आई हैं।

अभिनेत्री रवीना टंडन का मानना है कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री इसलिए फला-फूला है क्योंकि वह अपनी संस्कृति और परंपरा के प्रति प्रतिबद्ध है। वहीं, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री हर चीज का 'पश्चिमीकरण' करने के अपने प्रयास के कारण विफल रहा है। एक नए इंटरव्यू में, रवीना ने साउथ में कमल हासन, चिरंजीवी और नागार्जुन जैसे सितारों के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया।

रवीना ने पहले से ही लोकप्रिय धारणा को मजबूत किया कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की तुलना में कहीं अधिक अनुशासित है। एक और बड़ा अंतर, जो उन्हें लगता है कि हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर असर डाल रहा है, वह है अपनी जड़ों से जुड़े रहने में विफलता। रवीना ने कहा, 'साउथ इंडस्ट्री में मुझे सबसे ज्यादा मजा आया, वह यह कि वे अपनी जड़ों और संस्कृति से इतनी मजबूती से जुड़े हुए थे कि उनकी फिल्में सुपर-डुपर हिट होती थीं। वे बहुत अधिक संभ्रांतवादी फिल्में नहीं बनाते हैं।'

रवीना टंडन ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा, 'मुझे लगता है कि यही काम करता है। हा लां कि , मुंबई में वे पश्चिमी संस्कृति का पालन करते थे । उन्होंने मुंबई में उ न फिल्मों की डीवीडी प्रतियां बनानी शुरू कर दीं, जो अच्छा व्यवसाय नहीं कर रही थीं। इसलिए, यह बहुत जरूरी था कि हम उससे जुड़े रहें जो हमारी जनता चाहती है। यह मैंने साउथ इंडस्ट्री से सीखा है।

रवीना टंडन ने वर्ष 1993 में 'बंगारू बुलोदु' के साथ तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की, और तमिल फिल्म इंडस्ट्री में उनकी शुरुआत 1994 में 'साधु' नामक फिल्म से हुई। वह हाल ही में सुपरहिट कन्नड़ फिल्म 'केजीएफः चैप्टर 2' में नजर आई थीं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि कैसे साउथ में वह कुछ भी खाने के लिए स्वतंत्र थीं, क्योंकि वहां फिल्म निर्माताओं को उनके वजन बढ़ने से कोई आपत्ति नहीं थी। हालांकि, मुंबई लौटने के बाद उन्हें अपना अतिरिक्त वजन कम करना पड़ा।

रुबीना दिलैक के घर में एक नहीं दो नन्हे मेहमान आएंगे, एक्ट्रेस की खुशियां हुईं डबल

टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपनी प्रेग्नेंसी के चलते लाइमलाइट में बनी हुई है। जबसे एक्ट्रेस ने फैंस को ये गुड न्यूज सुनाई है सभी उनके बेबी के इस दुनिया में आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक बड़ा ऐलान कर दिया है।

बता दें, पिछले काफी समय से रूबीना की प्रेग्नेंसी की खबरें मीडिया में चल रही हैं। हालांकि, पिछले महीने रूबीना ने आधिकारिक तौर पर अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की। और अब, एक्ट्रेस ने अपनी बहन रोहिणी दिलैक की प्रेग्नेंसी के बारे में जानकारी शेयर की है। हां, दिलैक परिवार में उनकी दूसरी बेटी भी जल्द मां बनने वाली है।

बता दें रुबीना दिलैक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी बहन रोहिणी के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में दोनों बहनें एक साथ पोज दे रही थीं। एक फोटो में होने वाली मां रोहिणी को केक काटते हुए देखा गया। इसके साथ ही, रूबीना ने खुलासा किया कि उनका परिवार बड़ा हो रहा है क्योंकि उनकी बहन रोहिणी दिलैक भी एक बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। उन्होंने लिखा, 'हम एक्साइटेड हैं, एक परिवार के रूप में बड़े होने की हमारी खुशी दोगुनी हो गई है। रोहिणी दिलैक जल्द ही मां बनने वाली हैं।'

सभी लोग अब दोनों कपल को प्रेग्नेंसी के लिए बधाई दे रहे हैं। अब गुड विशिज देने वालों की लाइन लग चुकी है। फैंस से लेकर टीवी सेलेब्स तक सभी लोग उन्हें मुबारकबाद देते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये वाकई दिलैक परिवार के लिए डबल खुशी का मौका है। दूसरी ओर अब फैंस रुबीना की तीसरी बहन ज्योतिका से भी प्रेग्नेंसी को लेकर सवाल करते हुए नजर आ रहे हैं।

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में नौकरशाहों की तैनाती पर रार

खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के एक फरमान से विपक्ष हलकान है। दरअसल केंद्र सरकार ने सभी अधिकारियों को केंद्र के कामकाज को प्रचारित प्रसारित करने के लिए तमाम तक के दिशा निर्देश जारी किए हैं। जिसके बाद से विपक्ष के निशाने पर केन्द्र सरकार है। केंद्र सरकार के नए फरमान के बाद कांग्रेस के नौकरशाही का राजनीतिकरण का आरोप लगा दिया है। इस बाबत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है।

क्या है केंद्र का फरमान

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के द्वारा एक दिशानिर्देश जारी किया गया है। इसमें देश में 2.69 लाख ग्राम पंचायतों को कवर करने वाले प्रत्येक 765 जिलों में जिला रथ प्रभारियों (विशेष अधिकारियों) के रूप में तैनाती के लिए विभिन्न सेवाओं से संबंधित संयुक्त सचिव/निदेशक/उप सचिव स्तर के अधिकारियों का नाम मांगा गया है।

क्या करेंगे अधिकारी

भारत सरकार द्वारा पिछले 9 वर्षों की उपलब्धियों के प्रदर्शन/उत्सव के बारे में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव का पत्र संख्या 15-9/2023-एनएमएनएफ दिनांक 14 अक्टूबर 2023 (तत्काल संदर्भ के लिए प्रतिलिपि संलग्न)। "विकसित भारत संकल्प यात्रा" के माध्यम से 20 नवंबर 2023 से 25 जनवरी 2024 तक ग्राम पंचायत स्तर पर सूचना के प्रसार, जागरूकता और सेवाओं के विस्तार के लिए पूरे देश में आयोजित करने का प्रस्ताव है। केन्द्र के फरमान में यह कहा गया है कि रथ यात्रा की तैयारियों, योजना, कार्यान्वयन, निगरानी के लिए समन्वय स्थापित करने के लिए भारत सरकार के संयुक्त सचिवों/निदेशकों/उप सचिवों को जिला रथप्रभारी (विशेष अधिकारी) के रूप में तैनात करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि देश भर में प्रतिनियुक्त विभिन्न सेवाओं से अपेक्षित संख्या में अधिकारियों को संबंधित कैडर द्वारा नामित किया जा सकता है।

विपक्ष ने उठाए सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बाबत प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में नौकरशाही का राजनीतिकरण का आरोप लगाया है और इस आदेश को वापस लेने की गुजारिश की है। उन्होंने इस बात का आरोप लगाया है कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के मद्देनजर यह सबकुछ किया जा रहा है। मल्लिकार्जुन ख़ड़गे के अनुसार यदि ऐसा होता है तो देश का शासन अगले छह महीनों के लिए ठप्प हो जाएगा।

बीजेपी अध्यक्ष का जबाब

मल्लिकार्जुन खड़गे के पत्र के बाद भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट करके लिखा कि सार्वजनिक सेवा का पसार उसके (कांग्रेस) लिए एक अनूठी अवधारणा हो सकता है क्योंकि उसकी एकमात्र रूचि गरीबों को गरीबी में रखना है। उन्होंने लिखा है कि मुझे हैरानी होती है कि कांग्रेस पार्टी को लोकसेवकों के योजनाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर तक पहुंचने से परेशानी है। उन्होंने पूछा कि अगर यह शासन का मूल सिद्धांत नहीं तो और क्या है।

विहिप की अपील, मुस्लिम युवकों से करवा चौथ पर मेहंदी न लगवाएं महिलाएं बनाए अलग केंद्र

मुजफ्फरनगर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। करवाचौथ पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने शहर में 11 स्थानों पर मेहंदी केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इन केंद्रों पर हिंदू बहनें ही मेहंदी लगाएंगीं। विहिप ने यह अपील की है कि करवाचौथ पर मुस्लिम युवकों से मेहंदी न लगवाएं। जनपद में बीते कई वर्षो से करवाचौथ पर मेहंदी लगवाने को लेकर हंगामे की स्थिति होती रही। बीते वर्ष भी कुछ संगठनों ने मुस्लिम युवकों के मेहंदी लगाए जाने का विरोध किया था। इस बार विहिप ने बजरंग दल और राष्ट्र सेविका समिति के सहयोग से शहर में 11 स्थानों पर मेहंदी केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है।

हरसिमरत कौर बादल ने कांग्रेस की पिछली सरकार पर लगाया बड़ा आरोप, सीएम मान से कही ये बात

चंडीगढ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल से लोकसभा सांसद हरसिमरत कौर बादल ने पंजाब में बंद पड़े आरओ प्लांट को फिर से खोलने की मांग उठाई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती अकाली सरकार ने उन क्षेत्रों की पहचान की थी जहां भूजल की गुणवत्ता उपभोग के लिए उपयुक्त नहीं थी और रिवर्स ऑस्मोसिस संयंत्र स्थापित किए थे। पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान इन प्लांटों को बढ़ाने के बजाय कई बंद कर दिए गए। कसभा सांसद हरसिमरत कौर बादल ने आगे लिखा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को लोगों के कल्याण के लिए काम करना चाहिए और जहां भी जरूरत हो

वहां आरओ प्लांट और अधिक स्थापित करने के अलावा बंद आरओ प्लांट को फिर से खोलना चाहिए। पंजाबियों को स्वच्छ पेयजल से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

हत्या का केस दर्ज करने की भी उठाई थी मांग

आपको बता दें कि इससे पहले लोकसभा सांसद हरसिमरत कौर बादल ने सहायक प्रोफेसर की आत्महत्या मामले में एक्स पर पोस्ट कर शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की भी मांग उठाई थी। उन्होंने लिखा कि मैं अहंकारी मंत्री के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराने की मांग करती हूं। हरजोत सिंह बैंस जिनके हाथ एक निर्दोष और पीड़ित महिला के खून से रंगे हुए हैं। बादल ने कहा कि वह उन बदमाशों के हाथों पीड़ित होने वाली अकेली महिला नहीं है,

जिन्होंने बड़े-बड़े वादे करके पंजाबियों को बेवकूफ बनाया और उन्हें मौत की ओर धकेल दिया। सुसाइड नोट में दिल्ली गिरोह के नीली आंखों वाले लड़के का संकेत होने के बावजूद हत्या का मामला दर्ज क्यों नहीं किया जा रहा है। आपको बता दें कि सहायक प्रोफेसर की आत्महत्या मामले में पंजाब में जमकर राजनीति हो रही है।

महाराष्ट्र में लोगों ने बीयर पीना कम कर दिया क्या? शिंदे सरकार करा रही है जांच

मुंबई, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अचानक से बीयर की बिक्री में गिरावट आ गई है। इसे लेकर महाराष्ट्र सरकार परेशान है, क्योंकि महंगाई के इस दौर में राज्य में बीयर की खपत कम होने से राजस्व घट गया है। महाराष्ट्र में बीयर की बिक्री राजस्व का एक बड़ा स्रोत है, लेकिन बीयर पर उत्पाद शुल्क बढ़ने से बिक्री पर असर पड़ा है। अन्य अल्कोहलिक पेय के अनुपात में बीयर में अल्कोहल की मात्रा कम होने के बावजूद भी राज्य सरकार की ओर से इस पर बड़ा उत्पादन शुल्क लगाया गया है।

पांच सदस्यीय कमिटी गठित

बीयर की बढ़ी हुई कीमतों की वजह से बीयर उपभोक्ताओं ने बीयर खरीदना कम कर दिया है। महाराष्ट्र के बाहर कई ऐसे राज्य हैं, जहां बीयर पर उत्पाद शुल्क काफी कम है, जिस वजह से उन राज्यों को काफी राजस्व प्राप्त हो रहा है। बीयर की कम खपत से हो रहे राजस्व नुकसान को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने पांच सदस्यीय एक कमिटी का गठन किया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस कमिटी का गठन इस बात की जांच करने के लिए किया है कि राज्य में अचानक बीयर की बिक्री में गिरावट कैसे आ गई। ऐसे में सवाल है कि एक ओर जहां ज्यादातर राज्यों में समाज में शराब के बढ़ते इस्तेमाल को कैसे रोका जाए, इसे लेकर बात हो रही है, तो वहीं महाराष्ट्र सरकार को इस बात की चिंता सता रही है कि राज्य के लोगों ने बीयर खरीदना कम क्यों कर दिया? इसकी जांच के लिए गठित कमिटी के प्रमुख राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव होंगे। यह समिति बीयर के संदर्भ में मूल्य आधारित पद्धति और बीयर पर उत्पादन शुल्क के मौजूदा दर का अध्ययन करेगी। देश के अन्य राज्यों में बीयर के संदर्भ में क्या नीतियां हैं और कैसे राज्य का राजस्व बढ़ाया जा सकता है इसका भी अध्ययन करेगी।

दशहरा पूजा के लिए नदी किनारे गया युवक तेज बहाव में बहा, तलाश में जुटी एसडीआरएफ

श्रीनगर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। गढ़वाल उत्तराखंड के श्रीनगर में आज मंगलवार को एक युवक दशहरा पूजा के लिए नदी किनारे गया, लेकिन वहां वह नदी के तेज बहाव में बह गया। एसडीआरएफ और जल पुलिस ने युवक की तलाश की लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। युवक नगर निगम में स्थाई सफाई कर्मचारी है। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब दस बजे अनिल(45) पुत्र स्व. लक्ष्मण निवासी नर्सरी रोड, बाल्मिकी मौहल्ला श्रीनगर, परिवार व क्षेत्र के अन्य लोगों के साथ दशहरा पूजा के लिए नैथाना पुल के पास नदी के किनारे गया था।

बांग्लादेशियों व रोहिंग्या को कई जिलों में शरण दिलाने का मामला, यूपी में एटीएस कई घुसपैठियों पर कसेगी शिकंजा

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेशियों व रोहिंग्या को घुसपैठ कराकर सहारनपुर, अलीगढ़, बरेली, कानपुर, लखनऊ समेत कई शहरों में शरण दिलाई गई है। सूत्रों का कहना है कि एटीएस के हाथ कई घुसपैठियों के बारे में जानकारी लगी है, जिनके विरुद्ध जल्द कानूनी कार्रवाई की तैयारी है। एटीएस ने गिरोह के सक्रिय सदस्य बांग्लादेश के निवासी आदिल मुहम्मद अशरफी उर्फ आदिलुर्रहमान, देवबंद (सहारनपुर) निवासी शेख नबीबुल हक व अबु हुरैरा गाजी को पुलिस रिमांड पर लेकर लंबी पूछताछ की है। तीनों की रिमांड अवधि पूरी होने पर उन्हें मंगलवार को लखनऊ जेल में दाखिल कराया जाएगा। एटीएस आरोपित आदिल को लेकर बंगाल गई थी और कोलकाता समेत कई स्थानों पर छानबीन की थी। नबीबुल व अबु हुरैरा को सहारनपुर ले जाकर छानबीन की गई थी। इस दौरान एटीएस के हाथ कई ऐसे घुसपैठियों के बारे में जानकारी लगी है, जिन्हें गिरोह आर्थिक मदद भी कर रहा था। घुसपैठियों के छद्म नामों पर भारतीय दस्तावेज तैयार कराने वालों की छानबीन भी की जा रही है। अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारियों ने भी तीनों आरोपितों से लंबी पूछताछ की थी। गिरोह द्वारा विदेशी फंडिंग के जरिए घुसपैठियों की मदद किए जाने की दिशा में भी गहनता से पड़ताल हो रही है। आरोपितों ने उन्हें हवाला के जरिए रकम पहुंचाने वालों के नाम भी उगले हैं, जिनकी तलाश भी की जा रही है। बांग्लादेश सीमा पर सक्रिय आरोपित आदिल के खास सहयोगी विक्रम के बारे में भी और जानकारी जुटाई जा रही है। देवबंद में गिरोह से जुड़े कुछ संदिग्धों से पूछताछ भी गई है। माना जा रहा है कि जल्द उन पर भी शिकंजा कस सकता है।

तबीयत बिगड़ने पर जेल में मेरठ के विचाराधीन कैदी की मौत, धोखाधड़ी के मामले में था बंद

हरिद्वार, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरिद्वार जिला कारागार रोशनाबाद में धोखाधड़ी के मामले में बंद एक विचाराधीन बंदी की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। पुलिस ने उसके शव को कब्जे में ले लिया साथ ही मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

श्रीनिवास हत्याकांड: कर्नाटक के जंगल में भागने की कोशिश कर रहे दो आरोपियों के पैर में लगी गोली

कोलार, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ। जी। परमेश्वर के करीबी सहयोगी और कांग्रेस नेता एम। श्रीनिवास की हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए तीन लोगों में से दो को भागने की कोशिश के दौरान पैरों में गोली मार दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी वेणुगोपाल और मुनींद्र को पैरों में गोली लगी और एक अन्य आरोपी संतोष भी घायल हो गया जब उन्होंने लक्ष्मीसागर वन क्षेत्र में भागने की कोशिश की।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस निरीक्षक वेंकटेश के नेतृत्व में एक टीम तीनों को ला रही थी। आत्मरक्षा में पुलिस ने आरोपी के पैर में गोली मार दी। घटना में इंस्पेक्टर वेंकटेश, कर्मचारी मंजूनाथ और नागेश भी घायल हो गए। इनका इलाज कोलार जिला अस्पताल में किया गया है। पुलिस आशंका जता रही है कि आरोपी सुपारी गिरोह से जुड़े हैं, जो पैसों के लिए हत्याएं करते हैं। श्रीनिवास पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश कुमार के भी करीबी थे। श्रीनिवास कांग्रेस के तालुक स्तर के नेता थे और वह कोलार संसदीय क्षेत्र से लोकसभा टिकट के इच्छुक थे। उन पर कोलार के पास श्रीनिवासपुर के बाहरी इलाके में होगलागेरे रोड के पास हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चोटों के कारण दम तोड़ दिया।

श्रीनिवास जिले के प्रमुख दलित नेताओं में से एक थे और घटना के बाद श्रीनिवासपुरा शहर में तनाव बना हुआ है। दलित संगठन हत्या की निंदा करते हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने पर विचार कर रहे हैं पुलिस के मुताबिक, श्रीनिवास होगलागेरे रोड पर अपनी नई बार बिल्डिंग में गए थे तभी छह लोगों के एक गिरोह ने उन पर हमला कर दिया।

दिल्ली हो कूड़ामुक्त, 50 फीसदी जोन से खत्म हुआ कूड़े का अंबार

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली को कूड़ा मुक्त करने के लिए प्रदेश की एमसीडी लगातार अच्छा काम कर रही है। शहर की मेयर डॉक्टर शैली ओबरॉय ने इसको लेकर अहम कदम उठाए हैं। दिल्ली को कूड़ा मुक्त करने के लिए चिन्हित किए गए जगहों का रिपोर्ट जारी किया गया है। हमने एक ये मकसद बनाया था कि इन जगहों का सौंदर्यीकरण करेंगे। वहां से कूड़ा हमेशा के लिए हटाकर पेड़-पौधे लगाएंगे, गमले लगाएंगे। लेकिन कुछ ऐसे प्वाइंट हैं जहां से कूड़ा हटा पाना संभव नहीं है, इसके लिए हमने निर्देश जारी किया है कि यहां पर तार लगाया जाए, बैरिकेडिंग की जाए। कूड़े को सही से यहां फेंका जाए, इसके लिए प्रतिनिधियों को तैनात किया जाएगा। हमने तकरीबन 50 फीसदी ऐसी जगहों को खत्म कर दिया है जहां पर कूड़ा खुले में फेंका जाता था।

यह एमसीडी, पार्षद, विधायकों की मिलीजुली सहभागिता है। शैली ओबरॉय ने कहा कि जो हमे जगह-जगह कूड़े के पहाड़ देखने को मिलते थे वह नहीं दिखेंगे। ऐसे 50 फीसदी प्वाइंट को खत्म कर दिया गया है, बचे हुए को दिवाली से पहले खत्म करने का निर्देश दिया गया है। डॉ। शैली ओबेरॉय ने कहा, हम सब मिलकर प्रदुषण के लिए काम करने वाले हैं। आम जनता को समझना होगा कि प्रदुषण कम करने के लिए उनके योगदान की भी ज़रूरत है। एमसीडी कचरा प्रबंधन पर काम करती है और हम चाहेंगे कि जहां-जहां कचरा हो वहां हम उसका प्रबंधन करें जिससे प्रदुषण से निपटा जा सके। मेयर ने कहा कि प्रदूषण दिल्ली सरकार के क्षेत्राधिकार में आता है। लेकिन आम आदमी पार्टी दिल्ली सरकार में भी है और एमसीडी में भी है, लिहाजा हम सबको मिलकर काम करना होगा। विधायक हों या पार्षद हम सब मिलकर प्रदुषण को कम करने के लिए काम करने वाले हैं। दिवाली बिल्कुल सिर पर है, आम जनता को समझना होगा कि प्रदूषण को कम करने के लिए उनके सहयोग की जरूरत होगी।

जेल गईं-नौकरी छोड़ी फिर भी डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे को कांग्रेस से नहीं मिला टिकट

भोपाल, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की आखिरी बची हुई विधानसभा सीट बैतूल जिले की आमला से अपने उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। इस सीट से एक नौकरशाह निशा बांगरे को चुनाव लड़ने की चाहत थी। वह विवादों में फंस गईं और उनका टिकट किसी और केस पास चला गया। चुनाव लड़ने के लिए निशा वीआरएस लेना चाह रही थीं लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने उनकी छुट्टी मंजूर नहीं की। इस बीच वह सड़क पर भी उतरीं और गिरफ्तार भी की गईं। कांग्रेस की टिकट नहीं मिलने के बाद भी वह चुनाव लड़ने के योग्य हैं लेकिन निर्दलीय विकल्प पर फिलहाल उन्होंने कुछ ऐलान नहीं किया है। बैतूल की डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे ने मध्य प्रदेश सरकार में वीआरएस के लिए जून महीने में अर्जी दी थी। इसी साल 23 जून को उन्होंने अपने डिप्टी लेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसपर फैसला जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट को लेना होता है लेकिन उनके इस्तीफे पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। राज्य सरकार से वीआरएस को मंजूरी नहीं मिलने के बाद वह हाई कोर्ट पहुंच गईं। हाई कोर्ट के अलावा वह सुप्रीम कोर्ट भी गईं। एससी ने उन्हें फिर हाई कोर्ट जाने कहा। नोकरशाह निशा ने फ्रेश याचिका दायर की और राज्य सरकार को उनकी इस्तीफे को मंजूर करने के निर्देश जारी करने की मांग की। मामला अभी जनरल एडमिनिस्ट्रेशन के पास पेंडिंग हैं। वह अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना कर रही हैं। कांग्रेस की टिकट गंवाने के बाद कम से कम वह इस साल पार्टी की टिकट पर चुनाव नहीं लड़ सकतीं लेकिन निर्दलीय चुनाव लड़ने का उनके पास अभी भी ऑप्शन है, जिसके बारे में उन्होंने खबर लिखे जाने तक किसी तरह का खुलासा नहीं किया है। कांग्रेस ने निशा बांगरे की जगह पर मनोज मालवे को आमला से मैदान में उतारा है। इसके साथ ही पार्टी ने 17 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए सभी 230 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने की प्रक्रिया पूरी कर ली है।

निठारी पीड़ित जाएंगे सुप्रीम कोर्ट, वकालतनामा पर हुए पीड़ितों के हस्ताक्षर

नोएडा, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। निठारी कांड में आरोपी मोनिंदर सिंह पंढेर के रिहा होने के बाद एक बार फिर ये केस जोर पकड़ता दिखाई दे रहा है। निठारी के पीड़ितों को इंसाफ दिलाने के लिए अब डिस्ट्रिक डेवलपमेंट रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (डीडीआरडब्ल्यूए) सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। पीड़ित परिवारों के लिए सुप्रीम कोर्ट में डीडीआरडब्ल्यूए ने केस लड़ने का फैसला किया है। डीडीआरडब्ल्यूए की टीम निठारी गांव पहुंची। वहां पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उनसे पेपर पर सिग्नेचर कराए। साथ ही उन्हें भरोसा दिलाया कि इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाएंगे।

इनका यह केस सुप्रीम कोर्ट की वकील अनीता पांडेय लड़ेंगी। डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एनपी सिंह ने बताया कि अभी नोएडा में रहने वाले तीन पीड़ितों के साइन वकालतनामा पर लिए गए हैं। इसके अलावा केस से संबंधित दस्तावेज और साक्ष्य भी लिए गए। पूरी तैयारी के बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील फाइल की जाएगी। दरअसल निठारी कांड में बरी होने वाला मोनिंदर सिंह पंढेर 17 साल बाद जेल से रिहा हो गया। लुक्सर जेल से छूटने के बाद वह सीधे चंडीगढ़ रवाना हो गया। नोएडा के निठारी गांव में स्थित डी-5 कोठी के पास 19 कंकाल मिलने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की वकील अनीता पांडे ने बताया, हमने वकालतनामा पर हस्ताक्षर करा लिए हैं। अब हम सुप्रीम कोर्ट में अपील फाइल करेंगे। हम चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को दोबारा से एग्जामिन करे। दोषी को सजा दी जाए। केस बहुत स्ट्रॉन्ग है। मालूम हुआ है कि इन्वेस्टिगेशन ठीक से नहीं की गई है। फिर भी रि-एग्जामिन कर जो पाइंट हाईकोर्ट में नहीं रखा गया, उसको सुप्रीम कोर्ट में रखा जाएगा। हाईकोर्ट ने दोनों दोषियों की 14 याचिकाओं पर फैसला सुनाया था। सुरेंद्र कोली ने 12 मामलों में मिली फांसी की सजा के खिलाफ अपील दाखिल की थी।

पटवारी और एई-जेई भर्ती पेपर लीक मामले में फरार 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

हरिद्वार, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की पटवारी और एई-जेई भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक प्रकरण में फरार चल रहे 25 हजार के आरोपी को कनखल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

शाहरुख खान के बेटे को गिरफ्तार करने वाले समीर वानखेड़े को मिल रही है धमकियाँ

बोले- 'मुझे डर नहीं लगता'

मुंबई, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। एंटी ड्रग्स एजेंसी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई जोन के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े ने अपने एक इंटरव्यू में कहा कि वो अंडर वर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम जैसे क्रिमिनल को अधिक तवज्जो नहीं देते। मेरा मानना है कि देश के खिलाफ काम करने वाले लोगों को महत्व नहीं देना चाहिए। वो क्रिमिनल है तथा उनकी जगह जेल की सलाखों के पीछे होनी चाहिए। आए दिन मिल रही धमकियों पर समीर वानखेड़े का कहना है कि उन्हें एवं उनके बच्चों को कायरों से निरंतर धमकियां मिल रही हैं। इस मामले की शिकायत वो मुंबई पुलिस से भी कर चुके हैं। पुलिस द्वारा मामले की तहकीकात भी की जा रही है।

साथ ही उन्होंने कहा, मैं ऐसी किसी धमकियों से डरने वाला नहीं हूं, जो मुझे धमकी देते हैं, मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। बीते कुछ दिनों से समीर वानखेड़े के राजनीति में आने की चर्चा भी चल रही है। इस मामले पर उन्होंने कहा कि फिलहाल इस पर वो कोई भी टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। वो एक छोटे से सरकारी नौकर हैं, तथा पब्लिक की सेवा करना ही उनका मुख्य उद्देश्य होता है। मैं राजनीति में आने के बारे में अधिक कुछ नहीं कहना चाहता हूं। पब्लिस सर्विस करनी है तथा वो किसी भी रूप में हो सकती है। राजनीति में आने पर किस पार्टी में सम्मिल्लित होना चाहेंगे, इस पर भी समीर वानखेड़े ने कुछ नहीं कहा। शाहरुख खान की फिल्म जवान के एक चर्चित डायलॉग के बारे में उन्होंने कहा कि वो ऐसी बातों को अधिक अहमियत नहीं देते। वानखेड़े को वर्ष 2019 में एनसीबी का जोनल डायरेक्टर बनाया गया था। बाद में उन पर घूंस लेने का आरोप भी लगा। ऐसा आरोप है कि समीर वानखेड़े ने 4 अपराधियों के साथ मिलकर आर्यन खान को जेल से बाहर निकालने के बदले में 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। आपको बता दें कि कार्डेलिया क्रूज ड्रग मामले में बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन को गिरफ्तार किया गया था। तब ऐसा बताया गया था कि उसके पास से ड्रग्स जब्त हुई थी। समीर वानखेड़े के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के ही डिप्टी लीगल एडवाइजर जापान बाबू ने मानहानि की शिकायत दर्ज करवा राखी है। दिल्ली की कोर्ट में दाखिल अपनी याचिका में जापान बाबू ने समीर वानखेड़े के उस दावे को खारिज किया है जो उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय में दी अपनी रिट याचिका में किया है।

गुरप्रीत के पैंतरेबाजी में फंसी दिल्ली पुलिस, लगातार बदल रहा बयान इस टेस्ट से खुलेगा राज

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। तिलक नगर में स्विस महिला की हत्या के मामले में पुलिस गिरफ्तार आरोपी गुरप्रीत की पैंतरेबाजी में फंस गई है। आरोपी लगातार बयान बदल रहा है और अपने किसी भी एक बात पर टिक नहीं रहा है। पुलिस अधिकारी का मानना है कि आरोपी या तो मानसिक रूप से कमजोर है या फिर वह काफी शातिर है।

कांग्रेस की मांग का समर्थन कर यूपी में बीजेपी की मुश्किलें बढ़ाएंगी अनुप्रिया पटेल?

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां रणनीति बनाने में जुटी हुई हैं। हर कोई अपने-अपने दांव चल रहा है। हर पार्टी अपने कोर वोटर को लुभाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। इसी कड़ी में सत्तारूढ़ बीजेपी का प्रमुख सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) अगले महीने अयोध्या में अपने स्थापना दिवस कार्यक्रम में जाति आधारित जनगणना की मांग तेज करने वाला है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल भी यही मांग उठाते आ रहे हैं। बिहार के जातिगत सर्वे के आंकड़े जारी होने के बाद इस मांग ने और तेजी पकड़ी है। ऐसे में अब अपना दल (एस) के भी जाति आधारित जनगणना की मांग तेज करने से बीजेपी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में एक कार्यक्रम में अपने पिता और पार्टी के संस्थापक सोनेलाल पटेल की जनसंख्या के प्रतिशत के आधार पर संसाधनों का विभाजन करने की इच्छा का हवाला देते हुए भी जाति आधारित जनगणना की वकालत की थी। अपना दल (एस) अपने संस्थापक सोनेलाल पटेल की इच्छा के अनुरूप, अपनी स्थापना के बाद से ही जाति-आधारित जनगणना की मांग कर रहा है। अपना दल (सोनेलाल) अपनी आगामी रैली में इन मुद्दों को उठाने वाली है। अंग्रेजी न्यूज़ पेपर टीओआई के अनुसार, अपना दल के सूत्रों ने कहा कि पार्टी अपने 29वें स्थापना दिवस के अवसर पर 4 नवंबर को एक मेगा रैली आयोजित करने पर काम कर रही है। जहां वह अपने सभी वैचारिक मुद्दों पर बात करेगी। खासकर उन मुद्दों पर जो पिछड़ों और दलितों के लिए मायने रखते हैं क्योंकि वे पार्टी के मूल मुद्दे हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि पार्टी रैली में जाति आधारित जनगणना की मांग भी उठाएगी। क्योंकि वह हमेशा जनसंख्या के आधार पर संसाधनों के विभाजन की समर्थक रही है।

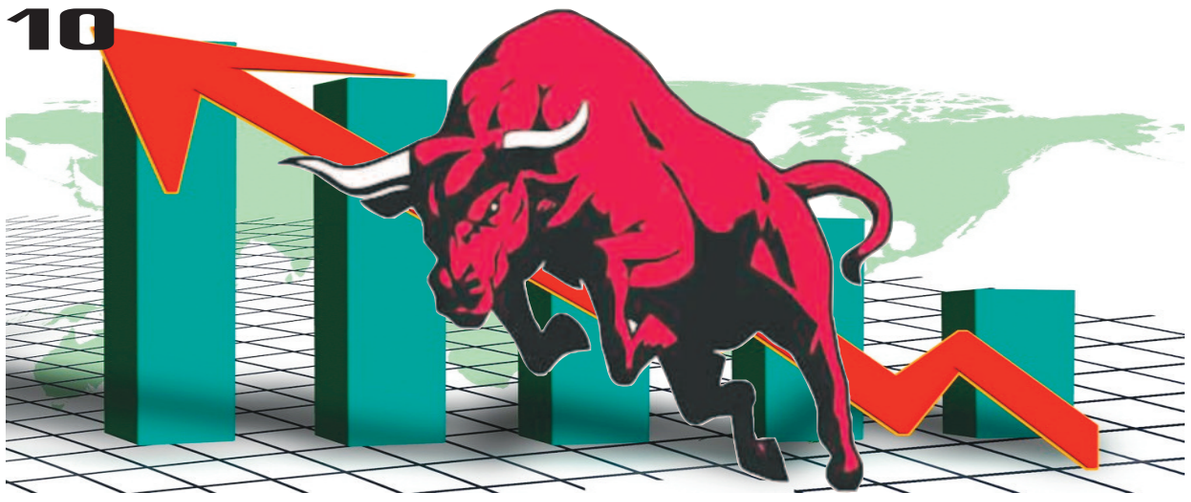

आरबीआई के लोगो में क्यों है बाघ और ताड़ का पेड़?

जल्दबाजी में बना था ये प्रतीक चिह्न; रोचक है कहानी

नई दिल्ली , 24 अक्टूबर (एजेंसिया) भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई की स्थापना आज से लगभग 88 साल पहले 1 अप्रैल, 1935 को हुई थी। आरबीआई को 1926 के रॉयल कमीशन की सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था, जिसे हिल्टन यंग कमीशन के नाम से भी जाना जाता है।अपने इस लेख में हम भारतीय रिजर्व बैंक के लोगो के बारे में बात करने वाले हैं। कहा जाता है कि आरबीआई और ईस्ट इंडिया कंपनी के लोगो में कई समानताएं हैं, आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

क्या ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा है आरबीआई का लोगो?

ईस्ट इंडिया कंपनी के दो मोहर के सिक्का पर शेर और ताड़ के पेड़ का रेखाचित्र था, जिससे आरबीआई का लोगो प्रेरित नजर आता है। हालांकि, आरबीआई के लोगो में भारत के राष्ट्रीय पशु शेर की जगह बाघ को लाने का निर्णय लिया गया था।आरबीआई के अनुसार, मुद्रा नोट, चेक और प्रकाशनों पर बैंक के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली आरबीआई की सामान्य मुहर का चयन एक ऐसा मुद्दा था, जिसे बैंक के गठन के प्रारंभिक चरण में उठाया जाना था।

कैसे बना आरबीआई का लोगो?

जानकारों का कहना है कि जब आरबीआई को स्थापित किया गया था, तो उस समय इसका लोगो काफी जल्दबाजी में डिजाइन कराया गया था। इसके लिए आरबीआई की ओर से विभिन्न मुहरों, पदकों और सिक्कों की जांच की गई। ऐसे में शेर और ताड़ के पेड़ के रेखाचित्र के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी की दो मोहर के सिक्के को सबसे उपयुक्त पाया गया। हालांकि, आरबीआई के लोगो में शेर के स्थान पर बाघ को लाने का निर्णय लिया गया, क्योंकि बाघ देश का राष्ट्रीय पशु था।

हिंडनबर्ग नहीं छोड़ रहा पीछा

9 महीने में अडानी के डूब गए 9.42 लाख करोड़

नई दिल्ली , 24 अक्टूबर (एजेंसिया) हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट को आए पूरे 9 महीने बीत चुके हैं। इसमें दावा किया गया था कि अडानी ग्रुप की वैल्यूएशन 85 फीसदी तक गिर जाएगी। ग्रुप की एक कंपनी की वैल्यूएशन सोमवार को 85 फीसदी तक डूब गई और हिंडनबर्ग रिसर्च की भविष्यवाणी मानों सच ही हो गई। वैसे इन 9 महीनों में अडानी ग्रुप की दो कंपनियां ऐसी भी रहीं जो पूरी तरह से रिकवर भी हुईं और 24 जनवरी 2023 के लेवल पर आ गई हैं। लेकिन 8 कंपनियों की वैल्यूएशन पर बात करें तो वे अभी भी काफी नुकसान में हैं।आंकड़े दिखाते हैं कि कैसे इन 8 कंपनियों से अडानी ग्रुप को 9.42 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। दो कंपनियां ऐसी हैं, जिनके शेयरों में 70 फीसदी से ज्यादा की गिरावट है। हालातों से समझा जा सकता है कि 9 महीने बाद भी कंपनियों का हाल काफी बुरा है। आइए आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर 9 महीने में अडानी की 8 कंपनियों का कैसा हाल है?

अडानी ट्रांसमिशन 70 फीसदी से ज्यादा डूबी

सिर्फ अडानी टोटल ही नहीं बल्कि अडानी ट्रांसमिशन का भी काफी बुरा हाल है। 24 फरवरी के बाद से कंपनी के शेयर में 73 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है। सोमवार को भी कंपनी के शेयर में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी और 734 रुपए के लोअर लेवल पर गई। वहीं अडानी इंटरप्राइजेज का शेयर भी 9 महीने में 33 फीसदी से ज्यादा नीचे आया है। अडानी ग्रीन का शेयर भी 54 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। अडानी विल्मर का शेयर भी 9 महीने में 44 फीसदी से ज्यादा कम हुआ है। सीमेंट कंपनियों का भी काफी बुरा हाल है। 9 महीनों में कंपनियों का शेयर 18 से 20 फीसदी टूट चुका है।

एनडीटीवी के शेयर में भी 20 फीसदी की गिरावट आ चुकी है।

वहीं दूसरी ओर अडानी पोर्ट एंड एसईजेड और अडानी पॉवर के शेयर 9 महीने में पॉजिटिव दिखाई दिए हैं।

दोनों कंपनियों का शेयर 24 फरवरी के लेवल से मामूली ऊपर गए हैं। जहां अडानी पोर्ट का शेयर गिरावट के बाद भी 766.20 रुपये के लोअर लेवल पर गया। जबकि 24 फरवरी को कंपनी का शेयर 760.85 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं अडानी पॉवर के शेयर में 9 महीने में कम से कम 14 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है।

विकिपीडिया को नहीं मांगने होंगे 25-25 रुपए

बस करना होगा एलोन मस्क का ये काम

नई दिल्ली , 24 अक्टूबर (एजेंसिया) दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क अक्सर अपने बयानों को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल रहते हैं। अब उन्होंने फ्री डिजिटल इंसाइक्लोपीडिया 'विकिपीडिया' को खास ऑफर दिया है। अगर इस ऑफर को मान लिया जाता है, तो इस वेवसाइट को चलाने वाले 'विकिमीडिया फाउंडेशन' को आम लोगों से 25-25 रुपए का चंदा जुटाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। हालांकि इसके लिए एलन मस्क ने एक अजीब सी शर्त विकिपीडिया के सामने रखी है।विकिमीडिया फाउंडेशन दुनियाभर में अपने रीडर्स से डोनेशन जुटाता है, ताकि विकिपीडिया जैसी साइट को आराम से चलाया जा सके। विकिमीडिया फाउंडेशन का कहना है कि ऐसा वह अपने नॉलेज प्रोजेक्टस को बाहरी और कॉरपोरेट दबावों से मुक्त रखने के लिए करता है। साथ ही ये सुविधा लोगों को फ्री में मिलती रहे, इसके लिए डोनेशन जुटाता है। विकिमीडिया फाउंडेशन इसके लिए अक्सर डोनेशन ड्राइव चलाता है। भारत में इसके लिए लोगों से न्यूनतम 25 रुपए की डोनेशन मांगी जाती है।

एलन मस्क देंगे 8300 करोड़ रुपए

विकिपीडिया को एलन मस्क ने 1 अरब डॉलर (करीब 8300 करोड़ रुपए) देने की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर कही। इसके लिए उन्होंने विकिपीडिया के सामने नाम बदलने की शर्त रखी है। एलन मस्क ने कहा, 'अगर विकिपीडिया अपना नाम बदलकर 'डिकीपीडिया' कर लेता है, तो वह उसे 1 अरब डॉलर देंगे।'एलन मस्क ने कहा कि ऐसा वह विकिपीडिया पर उपलब्ध इंफॉर्मेशन को एक्युरेट करने के लिए करेंगे। उनका 'विकिपीडिया' को 1 अरब डॉलर ऑफर करने का बयान तुरंत वायरल हो गया। इसके बाद एक यूजर ने लिखा, 'विकिपीडिया, आप नाम बदल लो, एलन मस्क से पैसा कलेक्ट कर लो, बाद में इसे दोबारा बदल लेना।' इस पर एलन मस्क ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विकिपीडिया को अपना नाम कम से कम एक साल के लिए बदलना होगा, वह इतने भी वेबकूफ नहीं है। एलन मस्क यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे भी लिखा कि विकिपीडिया चाहे तो उनके नाम वाले पेज पर गाय और गोबर का इमोजी लगा दे।

त्योहारी सीजन में जारी रह सकती है सोने की ऊंची कीमतें

पिछली दिवाली से अब तक गोल्ड ने दिया 20% का रिटर्न

नई दिल्ली , 24 अक्टूबर (एजेंसिया) वैसे तो लोग सामान्य तौर पर शादी के समय सोना के गहने और अन्य सामान खरीदते हैं लेकिन भारत में त्योहारी सीजन में सोना खरीदना शुभ माना जाता है या यूं कहें की निवेश कों सोने में निवेश करना का यह अच्छा मौका होता है। देश में त्योहारी सीजन खासकर दिवाली से पहले धनतेरस में गोल्ड की डिमांड सबसे ज्यादा होती है। गोल्ड में निवेश एक ऐसा सुरक्षित निवेश है जिससे नुकसान होना ना के बराबर है।

अब तक सोने ने दिया 20 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न

पिछली दिवाली यानी साल 2022 की दिवाली के बाद से अब तक गोल्ड ने 20 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। घरेलू बाजार में सोने की कीमतें लगभग 10,000 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 60,700 रुपये हो गई हैं। गुड रिटर्न वेबसाइट के मुताबिक वर्तमान में 24 अक्टूबर को 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत राजधानी दिल्ली में 61,840 रुपये है।

त्योहारी सीजन में कीमतों में जारी रह सकती है तेजी

विशेषज्ञों की माने तो आगामी त्योहारी सीजन में सोने की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी। पिछले हफ्ते 20 अक्टूबर को सोने की कीमतें अपने पांच महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। पिछले दो हफ्ते में सोने की कीमतों में 9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 0.2 प्रतिशत बढ़कर 1,976.99 डॉलर प्रति औंस पर था, जबकि अमेरिकी सोना वायदा 1,988.10 डॉलर पर स्थिर था।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	05-45 बजे
चंद्र-	कुंभ में	वृश्चिक.	07-54 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	10-08 बजे
बुध-	तुला में	मकर..	12-15 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	14-05 बजे
शुक्र-	सिंह में	मीन --	15-43 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	17-19 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	19-04 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	21-04 बजे
		कर्क...	23-16 बजे
		सिंह...	01-29 बजे
		कन्या..	03-35 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-15 सूर्यअस्त - 17-45
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - **12 -32-** तक उपरान्त द्वादशी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष , बुधवार **25 October**
नक्षत्र - शतभिषा - **13- 29** - तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग - वृध्दि - **12 - 16** - तक उपरान्त ध्रुव
करण- विष्टि - **12 -32** - तक उप- बव
विशेष:- पापांकुशा एकादशी व्रत, सर्वे
व्रत -त्योहार - भद्रा काल-**12-33** तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:00 से 13:27 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:15 - 07:40 शुभ	उत्पात	17:45 - 19:20 अशुभ
अमृत	07:40 - 09:07 शुभ	शुभ.	19:20 - 20:54 शुभ
काल	09:07 - 10:33 अशुभ	अमृत	20:54 - 22:27 शुभ
शुभ	10:33 - 12:00 शुभ	चंचल	22:27 - 00:00 शुभ
रोग	12:00 - 13:27 अशुभ	रोग	00:00 - 01:33 अशुभ
उत्पात	13:27 - 14:54 अशुभ	काल	01:33 - 03:07 अशुभ
चंचल	14:54 - 16:20 शुभ	लाभ	03:07 - 04:40 शुभ
लाभ	16:20 - 17:45 शुभ	उत्पात	04:40 - 06:15 अशुभ

एसएंडपी ग्लोबल का अनुमान, 2030 तक जापान को पछाड़कर भारत बनेगा दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली , 24 अक्टूबर (एजेंसिया) भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। साल 2030 तक भारत के 7,300 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। वहीं एशिया में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण ने अपने नवीनतम खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में यह बात कही।

जीडीपी 6.2-6.3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

वर्ष 2021 और 2022 में दो वर्षों की तीव्र आर्थिक वृद्धि के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने इस साल भी निरंतर वृद्धि दिखाना जारी रखा। मार्च 2024 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.2-6.3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था इस वित्त वर्ष में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी। अप्रैल-जून तिमाही में एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। एसएंडपी ग्लोबल ने कहा, '2024 में लगातार तीव्र विस्तार का अनुमान है, जो घरेलू मांग में मजबूत वृद्धि पर आधारित है।'

7300 अरब डॉलर होने का अनुमान

अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में मापी गई भारत की वर्तमान कीमतों की जीडीपी 2022 में 3500 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 7300 अरब डॉलर होने का अनुमान है। आर्थिक विस्तार की इस तीव्र गति के परिणामस्वरूप 2030 तक भारतीय जीडीपी का आकार जापानी जीडीपी से अधिक हो जाएगा, जिससे भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

यह है सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

अमेरिका वर्तमान में 25,500 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बाद चीन 18,000 अरब डॉलर के साथ दूसरी और जापान 4,200 अरब डॉलर के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वहीं, भारतीय जीडीपी का आकार 2022 तक ब्रिटेन और फ्रांस की जीडीपी से भी बड़ा हो चुका था। 2030 तक भारत की जीडीपी जर्मनी से भी आगे निकलने का अनुमान है।

ज्यादा फल-सब्जी खाने के कारण बढ़ रहीं हैं कीमतें

बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान

नई दिल्ली , 24 अक्टूबर (एजेंसिया) लोग सब्जियों और फलों को अब ज्यादा खाने लगे हैं। इसलिए, इनकी कीमतों में तेजी आ रही है। क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार, अब लोग मांस, दालें, फल और सब्जियों जैसे गैर-अनाज उत्पादों को ज्यादा पसंद करते हैं। इससे आपूर्ति की तुलना में सब्जियों की मांग बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्पादन में अस्थिरता और कीमतों की आपूर्ति-मांग में भारी अंतर से सब्जियों की कीमतों में मौसमी वृद्धि आम हो गई है। खाद्य सूचकांक में सब्जियों का वजन 15.5% है, जो अनाज व दूध के बाद सर्वाधिक है। मौसम के असंतुलन से प्याज और टमाटर जैसी अक्सर उपयोग होने वाली सब्जियों की कीमतें बढ़ जाती हैं। इससे खाद्य महंगाई भी बढ़ती है। जून में मानसून देरी से आया। जुलाई में भारी बारिश हुई। अगस्त में कम फिर सितंबर में भारी बारिश हुई। इससे फसलों के उत्पादन पर बुरा असर पड़ा।

2016-19 में सब्जियों की महंगाई शून्य फीसदी रही, 2020-23 में 5.7 फीसदी

वित्त वर्ष 2016-19 में सब्जियों की महंगाई औसतन 0 फीसदी थी। वित्त वर्ष 2020-23 के बीच बढ़कर 5.7% हो गई। 100 महीनों में सीपीआई में सब्जी महंगाई 49 महीने तक औसत 3.8% से ऊपर थी। 35 महीनों में 7% से ऊपर, 30 महीनों में 10% से ऊपर और 13 महीनों में 20% से ऊपर थी। तीन वित्त वर्ष में भी सब्जी की महंगाई में अस्थिरता देखी गई है।

उत्पादन में ढाई गुना की बढ़त लेकिन मांग उससे ज्यादा

सब्जियों की कीमतों में वृद्धि का एक बड़ा कारण मांग-आपूर्ति का बेमेल है। वित्त वर्ष 2003-23 के बीच सब्जी उत्पादन 2.5 गुना बढ़ गया। फिर भी, प्रति व्यक्ति सब्जी उत्पादन 2 गुना से भी कम बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, सब्जियां पूरे वर्ष उगाई जाती हैं। इनमें कोई मूल्य संकेत तंत्र जैसे न्यूनतम समर्थन मूल्य या सरकार की ओर से सुनिश्चित खरीदारी नहीं होती है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्यवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दें । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपको आगे जाने से पहले अपने वित्तीय और कैरियर से संबंधित योजनाओं के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों नतीजों पर विचार करना होगा । आपको कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने कैरियर से संबंधित योजना का एक खाका तैयार करना होगा जिससे आप लाभ और हानि का विश्लेषण कर सके ।दोबारा अपने निर्णय का पुनर्मूल्यांकन करे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है , आपको ये याद करने की जरूरत है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप कुछ समय से अपनी विलम्ब परियोजनाओं के लिए धन संचित कर रहे थे और अब अपनी योजनाओ के क्रियान्वयन का ये सही समय है । जब आप कुछ वस्तु खरीदने जायेंगे तो हो सकता है की आप कुछ बड़ी एवं सुव्यस्थित चीज को देखकर उसे खरीदने की सोचे परन्तु आपको अपने बजट के भीतर रहकर ही काम करना है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा । पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशो का पालन करने की कोशिश करे । आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है । वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा , हालाँकि आप खर्चीले साबित हो सकते है

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है । खाली समय में अचल संपत्ति में निवेश के लायक जगह आप तलाश सकते है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

दशहरे पर अनिल अग्रवाल की वेदांता का बड़ा फैसला, शेयर बन सकता है रॉकेट

नई दिल्ली , 24 अक्टूबर (एजेंसिया) दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता ने दशहरे के मौके पर मैनेजमेंट पर बड़ा बदलाव किया है। अजय गोयल की एक बार फिर कंपनी में चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) के पद पर वापसी हो रही है। गोयल करीब छह महीने पहले ही एडटेक फर्म Byju's में चले गए थे। लेकिन अब उन्होंने बायजू से इस्तीफा दे दिया है और वेदांता में वापसी कर रहे हैं। कंपनी ने मंगलवार को एक्सचेंजेज को बताया कि उसकी सीएफओ सोनल श्रीवास्तव ने व्यक्तिगत कारणों से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले दो साल में वेदांता के तीन सीएफओ रिजाइन दे चुके हैं। गोयल इससे पहले अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2023 तक कंपनी के सीएफओ रहे थे। वह 30 अक्टूबर को फिर से कंपनी में यह पद संभालेंगे। वेदांता के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने हाल में बड़े पैमाने पर डीमर्जर की घोषणा की थी। इसके मुताबिक वेदांता ने अपने कारोबार को छह अलग-अलग यूनिट्स में बांटा जाएगा। इसका मकसद कंपनी के फाइनेंशियल परफॉरमेंस में सुधार करना है। वेदांता के बोर्ड ने सितंबर में एल्यूमीनियम, ऑयल एंड गैस, पावर, स्टील और फैरस मटीरियल्स तथा बेस मेटल्स को अलग-अलग लिस्टेड कंपनियों में बांटने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस प्रक्रिया के फाइनेंशियल ईयर 2025 में पूरी होने की उम्मीद है। गोयल की वेदांता में वापसी से कंपनी के शेयरों में बुधवार को तेजी देखने को मिल सकती है। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को वेदांता लिमिटेड का शेयर बीएसई पर 3.44 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी। कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 7.65 रुपये टूटकर 215.05 रुपये पर बंद हुआ था। आज दशहरे के अवसर पर बाजार बंद है। इस शेयर का 52 हफ्ते का टॉप 340.75 रुपये है। यह 20 जनवरी को इस स्तर पर पहुंचा था। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 207.85 रुपये है। 28 सितंबर को यह इस कीमत पर फिसला था।वेदांता कर्ज के बोझ में दबी है। यूके में इसकी पेरेंट कंपनी वेदांता रिसोर्सेज मुश्किलों का सामना कर रही है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भी कंपनी की रेटिंग बी- से घटाकर सीसीसी कर दी है। साथ ही उसने कंपनी को क्रेडिट वॉच में रखा है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भी कंपनी की रेटिंग में कमी की है।

आज खुल रहा है 840 करोड़ रुपये का आईपीओ पैसे लगाने से पहले जान लें ये जरुरी बातें

नई दिल्ली , 24 अक्टूबर (एजेंसिया) आईपीओ में पैसे लगाने वालों के लिए एक बार फिर सुनहरा मौका है। दरअसल, ब्लू हेल्थकेयर अपना आईपीओ लेकर आ रहा है। यह इश्यू बुधवार यानी 25 अक्टूबर, 2023 से खुलने वाला है और इसमें आप 27 अक्टूबर, 2023 तक सब्सक्राइब कर सकते हैं। अगर आप भी इसमें निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो हम आपको इस आईपीओ के डिटेल्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं। जानते हैं इसके डिटेल्स।

क्या है आईपीओ का प्राइस बैंड?

ब्लू जेट हेल्थकेयर ने अपने आईपीओ का प्राइस बैंड तय कर दिया है। यह 329 रुपये से लेकर 346 रुपये के बीच तय किया गया है। वहीं सभी शेयरों की फेस वैल्यू 2 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। वहीं आईपीओ के जरिए कंपनी कुल 840.27 करोड़ रुपये इकट्ठा करना चाहती है। इस आईपीओ में आपको कम से कम 43 शेयरों का लॉट बुक करना होगा। इस आईपीओ में सफल निवेशकों को 1 नवंबर, 2023 को शेयर अलॉट किए जाएंगे। वहीं रिफंड के पैसे भी इस दिन ही लौटाए जाएंगे। इसके अलावा शेयरों की लिस्टिंग 6 नवंबर, 2023 को होगी। यह लिस्टिंग बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर होगा।

एंकर निवेशकों से जुटाई गई इतनी राशि

बुधवार को रिटेल निवेशकों के लिए आईपीओ खुलने से पहले ब्लू जेट हेल्थकेयर ने कुल 22 एंकर निवेशकों के जरिए 252.08 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इन निवेशकों को कुल 346 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 72,85,548 शेयर जारी किए गए हैं। इन एंकर निवेशकों में सेआईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फंड, सरकारी पेंशन फंड ग्लोबल, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन लाइफ इंडिया, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस, एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फंड आदि जैसे निवेशक शामिल हैं।

नवाज शरीफ का चौथी बार कमबैक

अचानक उनके सारे केसेज का क्या हुआ, इस वापसी के क्या मायने हैं

इस्लामाबाद, 24 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 2019 की बात है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को दो मामलों में सजा हो चुकी थी। वो लाहौर की कोट लखपत जेल में कैद थे। चुनाव लड़ने पर आजीवन रोक लग चुकी थी। करीब 1 दर्जन अन्य मामलों में सुनवाई चल रही थी। सत्ता उनके विरोधी इमरान खान के हाथों में थी।

नवंबर में अचानक नवाज की तबीयत बिगड़ने लगी। डॉक्टरों ने बताया कि 'इम्यून सिस्टम डिसॉर्डर' हुआ है, जिसका अच्छा इलाज देश में नहीं मिल सकता। कोर्ट ने उन्हें इलाज कराने के लिए विदेश जाने की इजाजत दे दी। 19 नवंबर 2019 को नवाज शरीफ को आईसीयू से लैस एक अत्याधुनिक एयर एंबुलेंस में ब्रिटेन ले जाया गया। नवाज ने कोर्ट को हलफनामा दिया था कि वो अपना इलाज पूरा होने के चार हफ्तों के भीतर देश वापस लौट आएंगे। हालांकि, ये 4 हफ्ते, 4 साल में बदल गए। आखिरकार 21 अक्टूबर 2023 को नवाज शरीफ ने पाकिस्तान में कमबैक किया। इन 4 सालों में हालात बदल चुके हैं। कमबैक किंग नवाज शरीफ के आपराधिक मामलों का अचानक क्या हुआ? वो पाकिस्तान क्यों लौटे हैं और इसका वहां की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा?

नवाज शरीफ सजायाफ्ता कैदी थे। कोर्ट से मोहलत लेकर वो लंदन इलाज कराने गए थे। लौटने से पहले उनकी लीगल टीम ने कोर्ट से फौरन गिरफ्तारी पर रोक की मांग की थी। उन्हें 24 अक्टूबर तक अंतरिम बेल मिली हुई है। इसी वजह से वो फौरन गिरफ्तार नहीं हुए और लाहौर में करीब 1 लाख समर्थकों के बीच रैली भी की। नवाज शरीफ की रैली में 3 प्रमुख बातें थीं।

पड़ोसी: हम आजाद विदेश नीति चाहते हैं। पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाना चाहते हैं। देश: पाकिस्तान की सभी पॉलिटिकल पार्टीज और इंस्टीट्यूशंस (आर्मी और ज्यूडिशियरी) को संविधान का सच्ची भावना से पालन करना होगा। विपक्ष: मैं किसी (इमरान खान) से बदला नहीं लेना चाहता। फोकस राजनीति पर रखेंगे, बदले पर नहीं।

नवाज शरीफ पर चल रहे 4 बड़े केस और उनका स्टेटस

एवेनफील्ड प्रॉपर्टी करप्शन: 2021 में पुनर्विचार याचिका खारिज, सजा कायम

नवाज शरीफ ने अपने परिजनों के नाम करोड़ों रुपए के फ्लैट, बंगले और जमीनें लंदन में खरीदे थे। 2018 में कोर्ट ने नवाज को आय से अधिक संपत्ति में 10 साल की सजा सुनवाई। 2021 में कोर्ट ने शरीफ की पुनर्विचार याचिका खारिज कर सजा कायम रखी थी।

अल-अजीजिया स्टील मिल्स करप्शन: 10 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक, सजा कायम

सऊदी अरब में अल-अजीजिया स्टील मिल्स और हिल मेटल एस्टैब्लिशमेंट शुरू करने के लिए अनुचित तरीके से पैसा इकट्ठा करने के दोषी पाए गए हैं। 2018 में इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने 7 साल की सजा सुनाई। दस साल तक चुनाव लड़ने पर भी रोक लगाई। 2021 में सजा के खिलाफ नवाज की अपील को खारिज कर दिया गया।

तोशाखाना मामला: 140 करोड़ के सरकारी गिफ्ट अपने पास रख लिए। ये मामला तोशाखाना यानी सरकारी खजाने से लग्जरी गाड़ियां और गिफ्ट मिलने से जुड़ा है। कोर्ट ने इस मामले में नवाज को दोषी माना। अपने पीएम कार्यकाल के दौरान नवाज को दुनिया भर के नेताओं से 140 करोड़ रुपए के 58 मूल्यवान उपहार मिले थे। इन्हें तोशाखाने में जमा कराना था, लेकिन नवाज ने इन्हें बेहद कम राशि का भुगतान करके या बिना भुगतान करके अपने पास रख लिया।

चौधरी चीनी मिल केस: हवाला के जरिए करोड़ों रुपए लेने का आरोप

यह मामला चौधरी शुगर मिल्स में व्यापार के नाम पर मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति से जुड़ा है। पहले इस मिल में निवेश के नाम पर विदेशों से अरबों रुपए लाए गए। बाद में शेयर के रूप में इसे मरियम और नवाज को वापस कर दिया गया। इस मामले में लाहौर हाईकोर्ट ने अक्टूबर 2019 में मामले में नवाज को जमानत दे दी थी। इनके अलावा कई छोटे केस भी हैं, जो इमरान खान सरकार ने शरीफ पर लगाए हैं।

इसलिए नवाज शरीफ को कमबैक किंग कहा जाता है

नवाज शरीफ ने पहली बार 1990 में सत्ता संभाली थी, लेकिन तीन साल बाद भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण पीएम पद गंवाना पड़ा। 1990 के आम चुनावों में नवाज शरीफ की पीएमएल-एन पार्टी सत्ता में आई और पहली बार नवाज शरीफ प्रधानमंत्री बने। ये एक ऐसी सरकार थी जिसे राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान और सेना का समर्थन था।

सेना और राष्ट्रपति नवाज शरीफ को कठपुतली की तरह चलाना चाहते थे। शुरुआत में ऐसा हुआ भी। मुश्किल तब शुरू हुई जब नवाज ने स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर दिया। फिर नवाज ने संवैधानिक संशोधन करके राष्ट्रपति की ताकत कम करने का प्रयास किया, जो सेना और राष्ट्रपति को पसंद नहीं आया।

17 अप्रैल, 1993 को ये रस्साकशी चरम पर पहुंच गई। नवाज ने नेशनल टेलीविजन पर कहा- मैं आत्मसमर्पण नहीं करूंगा, न इस्तीफा दूंगा, न संसद भंग करूंगा और न ही तानाशाही स्वीकार करूंगा। इसके अगले ही दिन राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान ने अपनी शक्ति का उपयोग करते हुए नवाज शरीफ सरकार को बर्खास्त कर दिया।

दूसरी बार वे 1997 में फिर पीएम बने, लेकिन दो साल बाद परवेज मुशर्रफ ने राष्ट्रपति बनने के लिए उनका तख्तापलट कर दिया। बात 12 अक्टूबर 1999 की है।

नवाज शरीफ को लगने लगा था कि परवेज मुशर्रफ उनका तख्तापलट कर सकते हैं।

मुशर्रफ श्रीलंका दौरे पर गए थे। इस दौरान मुशर्रफ को खबर मिली को उन्हें रिटायरमेंट प्लान देकर पद से हटाया जा रहा है। मुशर्रफ ने प्लेन से ही सरकार को बर्खास्त कर दिया। सेना ने नवाज सहित सभी मंत्रियों को गिरफ्तार कर लिया। अगले साल 2000 में नवाज शरीफ और उनके परिवार को देश से निर्वासित कर सऊदी अरब भेज दिया गया।

1999: कराची में आतंकवाद विरोधी अदालत के बाहर नवाज शरीफ और उनके भाई शाहबाज शरीफ। दोनों भाइयों को इस केस के तहत हत्या, अपहरण और आतंकवाद का दोषी पाकर उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। बाद में समझौते के तहत शरीफ परिवार को सऊदी अरब भेज दिया गया था।

2013 में नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री के रूप में अपना तीसरा कार्यकाल शुरू किया था। उन्होंने पाकिस्तान को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया। दूसरे देशों की कंपनियां आर्थिक उदारीकरण का लाभ उठाकर बड़ी-बड़ी परियोजनाएं शुरू कर रही थीं। जून 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने नवाज को भ्रष्ट मानकर प्रधानमंत्री पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। सालभर बाद एक और मामले में कोर्ट ने नवाज के राजनीतिक जीवन पर विराम लगाते हुए राजनीति में भाग लेने या कोई भी सार्वजनिक पद संभालने पर उम्रभर के लिए पाबंदी लगा दी।

पाकिस्तान के राजनीतिक विश्लेषण रईस आलम के मुताबिक कि पंजाब (पाकिस्तान वाले) के इस शेर के लिए गिरकर उठना कोई नहीं बात नहीं है। उन्होंने ये देखा कि अब इमरान और सेना में नहीं बन रही है तो उन्होंने अपने कम बैक की पटकथा लिखनी शुरू की और वतन वापसी की।

नवाज शरीफ 4 साल बाद पाकिस्तान वापस क्यों लौटे?

पाकिस्तान में तीन महीने बाद, यानी जनवरी 2024 के आखिर में आम चुनाव होने की संभावना है। नवाज शरीफ (73) की नजर उस कुर्सी पर है, जिसे इमरान खान ने उनसे छीना था। हालांकि, इस राह में फिलहाल कई कानूनी रोड़े हैं।

इसी महीने इस्लामाबाद से एक खबर में बताया था कि इमरान खान की पॉजिटिव अप्रूवल रेटिंग 60% है, जबकि नवाज शरीफ 36% और शाहबाज 35% और मरियम शरीफ 30% पर हैं। ऐसे में इमरान को रोकने के लिए दूसरे लोकप्रिय व्यक्ति को मैदान में उतारा गया है। पाक के राजनीतिक विश्लेषक जाहिद हुसैन कहते हैं कि जमानत मिलना और कोर्ट में पुराने मामलों की फिर से सुनवाई होना इस बात का संकेत है कि सेना और उनकी पार्टी के बीच कोई न कोई समझौता हुआ है तभी तो उनकी वापसी संभव हो पाई है।

पाकिस्तान के अखबार द न्यूज के अनुसार 22 अक्टूबर को किए गए एक सर्वे के अनुसार लोग नवाज की वापसी को पॉजिटिव ले रहे हैं। सर्वे के अनुसार 50% लोगों ने कहा कि नवाज के लौटने से देश का भला होगा, 14% ने कहा कि यह पाक के लिए बुरा संकेत है। वहीं बाकी लोगों ने इस पर मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है।

पाकिस्तान की राजनीतिक विश्लेषक आयशा सिद्दीकी अलजजीरा को बताती हैं कि इमरान खान की लोकप्रियता से निपटने के लिए नवाज को खुद को बदलने के साथ अपनी पार्टी के व्यवहार को बदलना होगा। लोगों को ये भरोसा दिलाना होगा कि वे इमरान खान का बेहतर विकल्प हैं। नवाज शरीफ भले ही राजनीति के एक अनुभवी खिलाड़ी हों, लेकिन उनके सामने चुनौतियां कम नहीं हैं।

चरमराती अर्थव्यवस्था: पाकिस्तान की बिगड़ती आर्थिक स्थिति के लिए नवाज की पार्टी भी काफी हद तक दोषी है। नवाज शासन में लिए फैसलों से पाक अर्थव्यवस्था की कमर टूटनी शुरू हुई थी जो आज तक संभल नहीं पाई। नवाज को लोगों को भरोसा दिलाना होगा कि वे नई पारी में खेल के नए नियम लेकर आए हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था में सुधार आएगा।

सेना-आईएसआई से रिश्ते: दुबई और लंदन में रहते हुए नवाज शरीफ ने कई बार सरकार में सेना की दखलअंदाजी की आलोचना की है। उन्होंने कई बार कहा है कि सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई को देश के आंतरिक मामलों में नहीं पड़ना चाहिए। नवाज को सेना, खुफिया एजेंसिया और न्यायपालिका के हर निचले कर्मचारी तक को भरोसा दिलाना होगा कि अब वे बदल चुके हैं और आपसी तालमेल चाहते हैं।

पीएमएल-एन की आंतरिक लड़ाई: पीएमएल-एन में कई तरह के असंतोष हैं। नवाज अपनी बेटी मरियम को अपनी राजनीतिक विरासत देकर उत्तराधिकारी बनाना चाहते हैं। नवाज के भाई शाहबाज अपने बेटे हमजा को इस पद पर देखना चाहते हैं। नवाज को बाहरी नाराजगी दूर करने से पहले पार्टी की कलह को निपटाना होगा।

कांग्रेस को झटका, सचिव रामदेव जगते ने दिया इस्तीफा

निर्दलीय चुनाव लड़ने का लिया फैसला

सूरजपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव से पहले प्रतापपुर विधानसभा में कांग्रेस को बड़ा झटका मिलता दिख रहा है। यहां कांग्रेस में विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं लगातार टिकट बंटवारे को लेकर प्रतापपुर ही नहीं अपितु सरगुजा अंचल के सामरी, रामानुजगंज, प्रेमनगर, बैकुंठपुर व मनेन्द्रगढ़ विधानसभा में असंतुष्ट दावेदारों के बीच इस्तीफा की होड़ मची हुई है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव रामदेव जगते ने कांग्रेस प्राथमिक समेत अपने सभी पदों से इस्तीफा का लेटर प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को भेज दिया है। बता दें कि रामदेव जागते वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव हैं। युवाओं में अच्छी पकड़ है। जिसके बलबूते बीते 2018 के विधानसभा चुनाव में भी दावेदारी की थी। जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के द्वारा डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम को समर्थन देकर एक बार चुनाव जीतने की अपील की गई थी।

इसके बाद इस बार पुनः इनके द्वारा आगामी चुनाव में प्रतापपुर विधानसभा से कांग्रेस का बतौर प्रत्याशी हेतु टिकट की दावेदारी दी थी। लेकिन इस बार कांग्रेस के द्वारा सिटिंग विधायक का टिकट

तो काट दिया गया, परंतु भाजपा के द्वारा प्रतापपुर से महिला उम्मीदवार की घोषणा करने के उपरांत कांग्रेस ने भी यहां से महिला कार्ड खेलकर जिला पंचायत सूरजपुर अध्यक्ष राजकुमारी मरावी को अपना उम्मीदवार घोषित कर मैदान में उतारा है। इस बार पुनः रामदेव जगते को टिकट नही मिल पाया।

इससे नाराज होकर उन्होंने नवरात्रि के नवमी तिथि को कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा देते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। जिससे एक बार पुनः सरगुजा अंचल की राजनीतिक गलियों में खलबली मच गई है। वहीं कांग्रेस के द्वारा बीती रात तीसरा लिस्ट जारी कर चार विधायकों का टिकट कट नए चेहरे को मौका दिया गया है। कसडोल विधानसभा सीट से शकुंतला साहू का टिकट काट कर संदीप साहू को, सरायपाली से किस्मतलाल नंद का टिकट काट चतुरी नंद को, तो वहीं महासमुंद सीट से विनोद सेवक लाल का टिकट काट कर रश्मि चंद्राकर व सिहावा विधानसभा सीट से लक्ष्मी धुव्र का टिकट काटकर ओमकार साहू को उम्मीदवार बनाया है। पहली और दूसरी सूची में कांग्रेस के कई कद्दावर नेता एवं मंत्री का भी टिकट काटा गया है। जिससे उन नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिल रही है।

सामरी के वर्तमान विधायक चिंतामणि महाराज का कांग्रेस से टिकट कट जाने के उपरांत भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल के सामरी दौरे के दौरान आश्रम पहुंचे डिप्टी सीएम टीएस बाबा के ऊपर टिकट काटने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ अंबिकापुर से चुनाव लड़ने की इच्छा जताते हुए भाजपा में शामिल होने की बात कही है। वहीं मनेंद्रगढ़ विधायक विनय जायसवाल इन दिनों टिकट नहीं मिलने से कांग्रेस से खफा चल रहे हैं। उनका भी हाल ही में सोशल मीडिया पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से चुनाव लड़ने का बातचीत का ऑडियो वायरल हुआ था। मनेन्द्रगढ़ विधानसभा में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी अच्छी पकड़ और अच्छा वोट बैंक है। जिसके बाद से यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि यहां से ये गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के बैनर तले ताल ठोक सकते हैं।

निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

रामदेव जगते के द्वारा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को इस्तीफा भेजते ही निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। इसके उपरांत उनके द्वारा सोमवार को प्रतापपुर पहुंच रिटर्निंग ऑफिसर दीपिका नेताम के समक्ष प्रतापपुर विधानसभा के क्षेत्र क्रमांक 6 से निर्दलीय चुनाव लड़ने हेतु नामांकन फार्म खरीदा है। जिसके बाद से कांग्रेस प्रत्याशी समेत क्षेत्रीय नेताओं के बीच हड़कम मच गई है।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने 31 सीटों पर उतारे अपने प्रत्याशी

अमित ने लॉन्च किया घोषणा पत्र

रायपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल की पार्टी जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने 31 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही पार्टी ने 44 बिन्दुओं पर अपना घोषणा पत्र भी जारी किया है। पार्टी ने कहा कि धान का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 3200 रुपये करेंगे। वहीं छत्तीसगढ़ियों को आर्थिक सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल ने कहा की हम त्योहार के दिन ही अपने प्रत्याशी का एलान करना चाह रहे थे, इसलिए आज प्रेस कांफ्रेंस कर प्रत्यशियो की घोषणा की है। 31 प्रत्याशियों के लिस्ट में पाटन से मधुकांत साहू, कसडोल से डॉ. देवेश वर्मा, राजनांदगांव से मनीष देवांगन को टिकट दिया गया है। इस पार्टी का चुनाव चिन्ह छड़ी है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में महिलाएं बनेंगी किंग मेकर

राज्य की 59% सीटों पर महिलाओं का दबदबा 53 सीटें ऐसी जहां सबसे अधिक महिला वोटर्स

रायपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों में से 53 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटर्स की संख्या ज्यादा है। यानी की 59 फीसदी सीटों पर महिला वोटर्स किंगमेकर की भूमिका में होंगी। बावजूद इसके कांग्रेस बीजेपी के जीत के फॉर्मूले पर महिला प्रत्याशी फिट नहीं बैठ पा रहे हैं। दोनों पार्टियों को मिलाकर देखें तो अब तक केवल 33 महिलाओं को टिकट दी गई।

कांग्रेस ने सभी 90 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है जिसमें 17 महिलाओं को टिकट दी गई। वहीं बीजेपी ने अब तक 86 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है। जिसमें से 15 महिलाओं को टिकट दी गई। 4 सीटों पर उम्मीदवारों का नाम आना अभी बाकी है। महिला आरक्षण बिल पारित होने के बाद छत्तीसगढ़ में दोनों पार्टियों ने महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा टिकट देने के वादे किए थे। फिलहाल ये वादे सच साबित होते नज़र नहीं आ रहे। इस बार चुनाव में लगभग 59 फीसदी सीटों पर महिला वोटर्स का वर्चस्व है। 53 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा है। इनमें 23

आदिवासी के लिए रिजर्व सीटें हैं, जबकि 2 एससी वर्ग के लिए रिजर्व हैं। शेष 28 सीटें सामान्य वर्ग की हैं। बस्तर में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत अधिक रहता है। जबकि मैदानी इलाकों में महिलाएं अपेक्षाकृत कम मतदान करती हैं। क्योंकि इस बार प्रदेश में ही महिला वोटर्स पुरुषों की तुलना में ज्यादा हैं। ऐसे में दोनों पार्टियों का फोकस है महिलाओं से सबंधित कई योजनाएं लाने पर है। यही वजह है मध्यप्रदेश की तर्ज पर बीजेपी लाडली बहना योजना और कांग्रेस नारी सम्मान योजना लाने की तैयारी कर रही है। भरतपुर सोनहत, प्रेमनगर, सामरी, अंबिकापुर, कवर्धा, पंडरिया, बलौदा बाजार, रायपुर दक्षिण, भाटापारा, बिलासपुर, बेमेतरा, अहिवारा, गुंडरदेही, जशपुर, धरसींवा, चंद्रपुर, राजिम, पालीतानाखार, बिंद्रानवागढ़, पत्थलगांव, बसना, रामपुर, डौंडीलोहारा, दुर्गग्रामीण, कोटा, खल्लारी, पाटन, खरसिया, अभनपुर, धर्मजयगढ़, राजनांदगांव, महासमुंद, केशकाल, जगदलपुर, कुनकुरी, सरायपाली, लैलूंगा, भानुप्रतापपुर, रायपुर उत्तर, सीतापुर, मरवाही, लुंड्रा, सिहावा, दंतेवाड़ा, खुज्जी, नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, चित्रकोट, बीजापुर, मोहला मानपुर, बस्तर, कोंटा।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

अनियंत्रित होकर तालाब में गिरी कार

देवघर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। देवघर में भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसा सुबह के लगभग 5 बजे के आसपास हुआ है जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गयी है। घटना चितरा थाना क्षेत्र की है। सिकटिया अजय बाराज में सुबह लगभग 5 बजे अचानक अनियंत्रित होकर बोलेरो गाड़ी गिर गयी। इस हादसे में दो बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गयी है। गाड़ी बेकाबू होकर तालाब (केनाल) में गिरी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी शव बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चितरा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने कहा, स्थानीय लोगों की मदद से शव बाहर निकाला गया है। अबतक मिली जानकारी अनुसार आसनसोल गांव निवासी मनोज चौधरी की बेटी व बच्चे दुर्गा पूजा के अवसर पर गांव आए थे। अपने बच्चों और पत्नी को लेने के लिए मनोज के दामाद गांव आए थे। मनोज की बेटी लवली देवी अपने पति, भाई और बच्चों के साथ मायके से अपने ससुराल गिरिडीह के लिए निकली थी।

रेलिंग तोड़ते तालाब में गिरी कार

रास्ते में अचानक गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी सड़क किनारे रेलिंग तोड़ते ही बाराज के पास स्थित केनाल के गहरे पानी में जा गिरी। गाड़ी का चालक सुरक्षित है वह किसी तरह गाड़ी का दरवाजा खोलकर बाहर निकलने में सफल रहा है। इस हादसे में उसका हाथ टूटा है जबकि गाड़ी में मौजूद लोगों की मौत हो गयी। अब चालक को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है। लवली कुमारी व अन्य लोग शाखो बांसडीह गांव से ही बोलेरो किराए पर लेकर आये थे।

ग्रामीण ने लगा दी छलांग

ग्रामीणों के अनुसार पूरा परिवार बराज के पास कुछ देर के लिए ठहरा था। वहां तस्वीरें ली फिर आगे गाड़ी बढ़ी तो बोलेरो की रफ्तार तेज थी। ड्राइवर गाड़ी को संतुलन में नहीं ला सका और गाड़ी गहरे पानी में चली गयी। घटना के करीब दस मिनट बाद वहां गार्ड के तौर पर तैनात अशोक सिंह की नजर गाड़ी पर पड़ी तो उसने चिल्लाकर लोगों को इट्ठा किया। ग्रामीण मजिस्ट्रेट सिंह उर्फ बहस सिंह ने लोगों को बचाने के लिए गाड़ी के अंदर फंसे बच्चों व दो पुरुष को बाहर निकाला।

शवों को उठाकर सारठ सीएचसी ले जाया गया। सीएचसी में सारठ एसडीपीओ धीरेन्द्र नारायण बंका भी पहुंचे।

अलसुबह गोलीबारी

किशोरगंज में युवक को मारी गोली, चार दिन पहले हुई थी मारपीट, अस्पताल शिफ्ट

रांची, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची इन दिनों दुर्गोत्सव में लीन है। चारों ओर लोगों का आना-जाना चालू है। इसी बीच अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। शहर में 12 सौ से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। जिले के एसपी और डीसी खुद देर रात से लेकर बहले सुबह तक घूम रहे हैं फिर भी अपराधी गोलीबारी कर निकल जा रहे हैं। ऐसी ही गोलीबारी की घटना मंगलवार को अहले चार बजे से पांच बजे के बीच हुई है। जहां शहर के किशोरगंज में अपराधियों के एक युवक को गोलीमार कर घायल कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोली बारी में घायल युवक की पहचान पंकज कुमार के रूप में हुई है। अपराधियों की ओरे से चलाई गोली उसके पेट में लगी है। जानकारी के अनुसार उक्त युवक को इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है। गोलीबारी की घटना जिस जगह पर हुई है वह कोतवाली थाना क्षेत्र में आता है। गोली मारने वाले अपराधी तीन की संख्या में थे। गोली मारने के बाद तीनों अपराधी मौके से फरार हो गए। आस पास मौजूद कुछ स्थानीय गोली की आवाज सुन कर मौके पर पहुंचे।

स्थानीय लोगों ने ही मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद घायल पंकज को इलाज के लिए रिम्स भेजा गया। पुलिस की ओर से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंकज नाम युवक दुर्गापूजा पंडाल देख कर घर लौट रहा था। वह सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के रोड नंबर 4 का रहने वाला है। पंडाल देख कर घर लौटने के दौरान किशोरगंज चौक के पास तीन की संख्या में अपराधियों ने घेर लिया।

शादी से इनकार करने पर युवती ने पुरुष मित्र की हत्या की

रांची, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में 20 वर्षीय एक युवती ने शादी से इनकार करने पर अपने पुरुष मित्र की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुरुष की कुल्हाड़ी से हमलाकर हत्या की गई। पुलिस ने बताया कि घटना जिले के पाटन पुलिस थाना क्षेत्र के कोल्हुआ गांव के नजदीक हुई। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सुरजीत कुमार ने बताया कि महिला की पहचान अंजलि कमार के तौर पर की गई है। उसे सोमवार को गिरफ्तार किया गया। युवती की खून से सनी सलवार कमीज और वारदात में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि अंजलि का धरमेन उरांव (24) के साथ प्रेम संबंध था।

इसी माह राज्यपाल पद की शपथ लेंगे रघुवर दास

रांची, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ओड़िशा राज्य के राज्यपाल बनाए गए हैं। लगभग एक हफ्ते पहले राष्ट्रपति भवन की ओर से उनके राज्यपाल बनने की घोषणा की गई थी। अब तक उन्होंने पद स्वीकार नहीं किया है। ऐसे में कयास लगाया जा रहा हैं कि आखिर कब तक रघुवर दास पदभार ग्रहण करेंगे। कयासों के बीच संभावना जताई जा रही है कि रघुवर दास 30 अक्टूबर को पद और गोपनीयता की शपथ ले सकते हैं। सूत्रों की मानें तो रघुवर दास के ओड़िशा के राज्यपाल के पद और गोपनीयता की शपथ लेने की तारीख पक्की नहीं हुई है। दरअसल ओड़िशा के चीफ जस्टिस अभी अवकाश पर हैं। 28 या 29 अक्टूबर को हुए भुवनेश्वर लौटेंगे। इसके बाद ही शपथ ग्रहण

कार्यक्रम आयोजित होगा। संभावना जताई जा रही है कि 30 या 31 अक्टूबर को शपथ ग्रहण कार्यक्रम हो सकता है। ओड़िशा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस भुवनेश्वर स्थित राजभवन में उन्हें शपथ दिलाएंगे। जानकारी के मुताबिक रघुवर दास अभी जमशेदपुर में हैं। वह 25 अक्टूबर को रांची आएंगे। यहां शुभचिंतकों से मिलने के बाद दिल्ली रवाना होंगे। सूत्र बताते हैं कि दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को आया कार्डियक अरेस्ट

डॉक्टरों ने बचाई जान, टेलीग्राम चैनल के दावे से सनसनी

मॉस्को, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर एक बार फिर से बड़ी जानकारी सामने आ रही है। एक टेलीग्राम चैनल की तरफ से दावा किया गया है कि रविवार शाम को जिस समय पुतिन अपने बेडरूम में थे, उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ था। इसके साथ ही एक बार फिर इस बारे में खुसफुसाहट शुरू हो गई है कि रूस के राष्ट्रपति बीमार हैं। पिछले साल से खबरें हैं पुतिन पैंक्रियास कैंसर से जूझ रहे हैं और उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। हालांकि पिछले दिनों पुतिन चीन के दौरे पर भी गए थे और उन्हें देखकर किसी को नहीं लगा कि राष्ट्रपति का स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

विदेशी दौरों पर बॉडी डबल

टेलीग्राम चैनल जनरल एसवीआर की तरफ से दावा किया गया है कि पुतिन हाल ही में जिन कार्यक्रमों में भी शामिल हुए हैं, जिसमें उनके विदेशी दौरे भी शामिल हैं, उसमें उनके बॉडी डबल या डबल्स की तरफ से मौजूदगी दर्ज कराई गई है। टेलीग्राम चैनल की मानें तो इस समय पुतिन अपने आधिकारिक निवास में एक स्पेशन इनटेंसिव केयर यूनिट में हैं। कार्डियक अरेस्ट के बाद उन्हें यहीं पर लाया गया था।

चैनल की तरफ से कहा गया है कि डॉक्टरों ने पहले ही यह पता लग गया था कि राष्ट्रपति को कार्डियक अरेस्ट हुआ है। इसलिए उन्होंने पुतिन को इलाज मुहैया कराया। डॉक्टरों की तरफ से समय पर मदद मिली और उनकी एक हार्ट सर्जरी की गई। इस सर्जरी के बाद पुतिन को होश आ गया।

क्रेमलिन का नो कमेंट

दावे पर क्रेमलिन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि रूस के अधिकारियों की तरफ से पहले भी कई बार इस बात से दृढ़ता से इनकार किया गया है कि 71 साल के पुतिन स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। जनरल एसवीआर पर पोस्ट में क्रेमलिन के अंदरूनी सूत्रों की तरफ से लिखा गया है कि करीब नौ बजकर पांच मिनट पर व्लादिमीर पुतिन के सुरक्षा अधिकारी, जो ड्यूटी पर उनके घर पर तैनात थे, उन्हें राष्ट्रपति के बेडरूम से शोर और गिरने की आवाज सुनाई दी थी। दो सुरक्षा अधिकारी तुरंत बेडरूम की तरफ भागे और उन्होंने देखा कि पुतिन बिस्तर के बगल में फर्श पर गिरे हुए थे। इसके साथ ही उनके खाने और ड्रिंक्स के साथ एक मेज उलटी हुई पड़ी थी।

पहले भी आईं खराब हेल्थ की खबरें

टेलीग्राम चैनल के मुताबिक शायद जब राष्ट्रपति गिरे, तो वह मेज और बर्तनों से टकराए होंगे जिसकी वजह से सामान फर्श पर गिर गया था। पुतिन फर्श पर गिरे हुए थे और अपनी आंखें घुमा रहे थे और उनके शरीर में अकड़न थी। जो डॉक्टर घर पर ड्यूटी पर तैनात थे और उन्हें तुरंत बुलाया गया।

चैनल के मुताबिक उसकी तरफ से पहले भी कई बार ऑन्कोलॉजी और कई दूसरी बीमारियों की वजह से पुतिन के स्वास्थ्य में गिरावट के बारे में बताया जा चुका है।

काठमांडू में अनियंत्रित वाहन पलटा

12 भारतीय नागरिक घायल पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया

काठमांडू, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल के काठमांडू से मंगलवार सुबह हादसे की एक खबर सामने आई है। घटना में 12 भारतीय नागरिक घायल हो गए हैं। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी देते हुए कहा कि काठमांडू से 25 किलोमीटर दूर सुबह एक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें 12 भारतीय नागरिक समेत एक नेपाली चालक गंभीर घायल है। घायल यात्रियों को इलाज के लिए काठमांडू ले जाया गया। वहीं पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए चालक को हिरासत में ले लिया है। मकवानपुर जिले के मातातीर्थ क्षेत्र के पास इंद्रसरोवर में चालक के नियंत्रण खोने के बाद तीन बच्चों सहित 12 तीर्थयात्रियों को ले जा रहा वाहन पलट गया। वाहन दक्षिणी नेपाल के शहर बीरगंज से काठमांडू की ओर जा रहा था।

इजराइल को लेकर चीन के रुख में आया बदलाव

कहा– उन्हें आत्मरक्षा का अधिकार

बीजिंग, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास युद्ध में चीन के रुख में बदलाव आया है। दरअसल चीन अभी तक फलस्तीन का समर्थन कर रहा था और उसने हमास के इजराइल पर बर्बर हमले की खुलकर निंदा भी नहीं की थी लेकिन अब चीन ने स्वीकार किया है कि इजराइल को आत्मरक्षा का अधिकार है। बता दें कि इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने सोमवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी से टेलीफोन पर बात की। इस बातचीत के बाद चीन के सरकारी मीडिया ने वांग यी के हवाले से उक्त बयान जारी किया।

चीन के विदेश मंत्री के हवाले से चीन के सरकारी मीडिया का बयान

चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार वांग यी ने अपने इजराइली समकक्ष से कहा, 'हर

देश का अपनी आत्मरक्षा करने का अधिकार है लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों और नागरिक सुरक्षा के नियमों का भी पालन किया जाना चाहिए।' बता दें कि चीन का यह बयान अमेरिका और यूरोपीय देशों के उस बयान जैसा है, जिनमें इजराइल की कार्रवाई का समर्थन किया गया है। गौरतलब है कि चीन के विदेश मंत्री का इजराइल को लेकर यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब चीन के विदेश मंत्री 26-28 अक्टूबर तक तीन दिवसीय दौरे पर अमेरिका जा रहे हैं।

हमास की आलोचना करने से परहेज

बीते हफ्ते चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने एक बयान में इजराइल हमास के बीच जारी युद्ध को तुरंत रोकने की बात कही थी और मिस्त्र और अन्य अरब देशों को साथ समन्वय करके फलस्तीन मुद्दे का हल निकालने की सलाह दी। बता दें कि चीन द्वारा अभी तक हमास के इजराइल पर हमले की निंदा नहीं की गई है, जिसमें 1400 लोगों की जान चली गई थी। अमेरिका के वरिष्ठ सांसद चक शूमर ने भी चीन के इजराइल को लेकर रुख की आलोचना भी की थी। इजराइल ने भी सार्वजनिक तौर पर चीन के रुख से निराशा जाहिर की थी।

चीन नीति मानता है भूटान

सीमा विवाद का जल्द से जल्द चाहते हैं हल चीनी विदेश मंत्री से खुलकर बोले भूटानी मंत्री

बीजिंग, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन का लगभग अपने हर पड़ोसी के साथ सीमा को लेकर विवाद है। छोटे से भूटान के साथ भी चीन का जमीन को लेकर तनाव रहा है। लेकिन अब दोनों देश इसे जल्द से जल्द खत्म करना चाहते हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने चीन-भूटान सीमा मुद्दे पर बातचीत के लिए सोमवार को भूटान के विदेश मंत्री टांडी दोरजी से मुलाकात की। चीन के सरकारी टेलीविजन सीजीटीसी के मुताबिक दोनों पक्षों ने सीमा विवाद जल्द से जल्द हल करने की कसम खाई।

वांग ने बताया कि सीमा वार्ता का पूरा होना और चीन-भूटान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना पूरी तरह से दीर्घकालिक है। यह भूटानी राष्ट्र के लोगों के मौलिक हितों के अनुरूप है। वांग ने कहा कि चीन जल्द से जल्द इस प्रक्रिया को पूरा करने के ऐतिहासिक अवसर का लाभ उठाने के लिए भूटानी पक्ष के साथ तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक दोरजी ने कहा कि पारंपरिक तौर पर दोनों देशों के संबंध मजबूत रहे हैं।

चीन नीति के साथ भूटान

उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि भूटान एक चीन सिद्धांत का पालन करता है। इसके साथ भूटान सीमा मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान करने और राजनयिक संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए चीन के साथ काम करने को तैयार है। चीनी विदेश मंत्री ने इस दौरान कहा है कि चीन ने हमेशा पड़ोसी को सबसे आगे रखा है और हमेशा बिना देशों के आकार की परवाह किए बिना सभी को समान माना। हालांकि वांग यहां यह बताना भूल गए कि कुछ समय पहले चीन ने सीमा के करीब भूटान से विवाद किया था।

नेपाल के राजदेवी मंदिर में दी गई 15000 बकरों की बलि

काठमांडू, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल के जनकपुर शहर में स्थित राजदेवी मंदिर में दशईं उत्सव के आठवें व नौवें दिन नेपाल और भारत के हजारों लोगों ने 15 हजार से ज्यादा बकरों की बलि दी। मंदिर के पदाधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दशईं 10 दिवसीय उत्सव है, जिसे पूरे नेपाल में देवी दुर्गा की अराधना के लिए मनाया जाता है और विजय दशमी इस उत्सव का अंतिम दिन होता है। उत्सव का आठवां और नौवां दिन अष्टमी और नवमी के रूप में मनाया जाता है तथा दोनों ही दिन एक समान माने जाते हैं। दोनों दिन लोग पशु बलि देते हैं। भारत के कई राज्यों में इस तरह के रिवाजों पर प्रतिबंध के कारण बड़ी संख्या में भारतीय हिंदू बलि देने के लिए उत्सव के दौरान नेपाल स्थित मंदिर आते हैं। उत्सव के दौरान रविवार और सोमवार को अष्टमी और नवमी पर देवी के मंदिर में कुल-मिलाकर 15,251 बकरों की बलि दी गई।

सीक्रेट दस्तावेज लीक मामले में इमरान को होगी मौत की सजा?

पाकिस्तान की अदालत ने तय किए आरोप

इस्लामाबाद, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने गोपनीय राजनयिक दस्तावेज (सिफर) लीक करने और देश के गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने से जुड़े मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी पर सोमवार को आरोप तय किए। इमरान (71) को पिछले साल मार्च में वाशिंगटन स्थित पाकिस्तानी दूतावास की ओर से भेजे गए एक गुप्त राजनयिक दस्तावेज (सिफर) को लीक करके आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने के आरोप में मामला दर्ज होने के बाद इस वर्ष अगस्त में गिरफ्तार किया गया था। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने 30 सितंबर को खान और कुरैशी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया था, जिन्होंने इसकी प्रतियों पर हस्ताक्षर किए थे। एफआईए ने आरोप पत्र में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम की धारा 5 और 9 को शामिल किया है, जिसके तहत दोषी पाए जाने पर

मौत की सजा या दो से 14 साल की कैद हो सकती है। इमरान के वकील उमैर नियाजी ने मीडिया से कहा कि उनके मुवक्किल ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने बताया कि निचली अदालत के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख इमरान ने सिफर का इस्तेमाल यह बताने के लिए किया था कि उनकी सरकार एक विदेशी साजिश के परिणामस्वरूप गिरा दी गई थी। विशेष अदालत के न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्करनैन ने रावलपिंडी की अडियाला जेल में मामले की सुनवाई की। आरोप तय किए जाने के बाद विशेष अदालत ने कार्यवाही 27 अक्टूबर तक के लिए टाल दी, जब वह औपचारिक रूप से मामले की सुनवाई शुरू करेगी। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के विशेष अभियोजक शाह खावर ने मीडिया से कहा, 'चूंकि, आज की सुनवाई में सिर्फ आरोप तय किए जाने थे, इसलिए आदेश खुली अदालत में पढ़ा गया।'

वहीं, नियाजी ने कहा कि इमरान ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पीटीआई प्रमुख के हवाले से कहा कि उनके (इमरान) खिलाफ साजिश रची गई, उनकी सरकार गिरा दी गई और जिस बैठक पर सवाल उठाए जा रहे हैं, उसका कोई ब्योरा उपलब्ध नहीं है। नियाजी ने कहा कि इमरान को 'लंदन प्लान' के बारे में पहले से ही पता है, जिसका मकसद पीटीआई को 'खत्म' करना है। उन्होंने आरोप लगाया, 'नवाज शरीफ अंपायर के साथ मिलकर खेलते हैं। वह तब तक चुनाव नहीं लड़ सकते, जब तक उन्हें अपनी पसंद का अंपायर न मिल जाए।'

जेल में हैं इमरान खान

नियाजी के मुताबिक, इमरान का यह भी कहा है कि 'अगर किसी बड़े चोर को आजाद करना है, तो अडियाला जेल में बंद आरोपी को भी रिहा किया जाना चाहिए।' इमरान की विधि टीम में शामिल वकील उस्मान रियाज गुल ने कहा कि उन्होंने अदालत को सूचित किया है कि भले ही अभियोग की तारीख तय हो गई हो, लेकिन गवाहों के पूरे बयान और केस मेमो प्राप्त होने तक संदिग्धों पर आरोप तय नहीं किए जा सकते। गुल ने कहा कि अदालत ने बचाव पक्ष की आपत्तियां खारिज कर दीं और इमरान और कुरैशी पर आरोप तय कर दिए। उन्होंने बताया, 'पीटीआई प्रमुख और कुरैशी ने स्पष्ट किया है कि वे तब तक आरोपों पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते, जब तक कि उन्हें मामले से जुड़े सभी दस्तावेज हासिल नहीं हो जाते।'

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट का सेना को करारा झटका

9 मई के दंगों के आरोपियों पर मिलिट्री कोर्ट में नहीं चलेगा केस

इस्लामाबाद, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला सेना को तगड़े झटके की तरह है। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यों वाली बेंच ने सोमवार को आदेश दिया है कि नौ मई को देश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन में गिरफ्तार किए गए नागरिकों पर मिलिट्री कोर्ट में कोई केस नहीं चलेगा। कोर्ट ने सैन्य अदालतों में चले सभी मुकदमों को जीरो घोषित कर दिया है।

अदालत ने मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखे जाने के कुछ घंटों बाद यह आदेश सुनाया। न्यायमूर्ति इजाजुल अहसन ने न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर, न्यायमूर्ति यायहा अफरीदी, न्यायमूर्ति सैय्यद मजाहर अली अकबर नकवी और न्यायमूर्ति आयशा ए मलिक इस बेंच में शामिल थे।

सिर्फ एक जस्टिस असहमत

4-1 के बहुमत वाले फैसले में अदालत ने कहा कि नौ मई के संदिग्धों की सुनवाई सामान्य अदालतों में की जाएगी। जस्टिस अफरीदी बहुमत के फैसले से असहमत थे। अदालत ने इसके बाद में दिन में जारी एक संक्षिप्त आदेश में, सेना अधिनियम की धारा 2(1)(डी) को, संविधान का उल्लंघन और 'बिना कानूनी प्रभाव वाली' घोषित कर दिया। सेना की यह धारा अधिनियम के अधीन व्यक्तियों के बारे में विस्तार से बताती है। अदालत ने अधिनियम की धारा 59(4) (सिविल अपराध) को भी असंवैधानिक घोषित कर दिया।

लिस्ट में हैं 103 लोगों के नाम

पाकिस्तान के अखबार द डॉन की तरफ से बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट को जो लिस्ट मिली है उसमें सरकार की तरफ से पहचाने गए 103 नागरिकों और आरोपी व्यक्तियों के नाम हैं। इन सभी व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि नौ मई की घटनाएं आपराधिक अदालतों में आयोजित की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, 'यह घोषित किया जाता है कि

उपरोक्त व्यक्तियों या इसी तरह रखे गए किसी अन्य व्यक्ति के संबंध में सेना अधिनियम के तहत कोई भी कार्रवाई या कार्यवाही (जिसमें कोर्ट मार्शल द्वारा मुकदमा शामिल है, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं है) का कोई कानूनी प्रभाव नहीं होगा।'

आरोपी पहुंचे थे सुप्रीम कोर्ट

छह न्यायाधीशों की एक बेंच, जिसमें पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) उमर अता बंदियाल भी शामिल थे, जून से याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। न्यायमूर्ति बंदियाल के रिटायरमेंट के बाद, बेंच में सिर्फ पांच न्यायाधीशों ही थे। रविवार को सेना अधिनियम के तहत मुकदमों का सामना कर रहे कम से कम नौ आरोपियों ने सैन्य अदालतों द्वारा अपने मामलों के जल्द निबटारे के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अपने अलग-अलग आवेदनों में, संदिग्धों ने अनुरोध किया कि उन्हें उन्हें और अन्य आरोपी व्यक्तियों को न्याय दिलाने के लिए सैन्य अधिकारियों पर पूरा भरोसा और भरोसा था।

क्या हुआ था 9 मई को

9 मई को हुई हिंसा के बादरावलपिंडी में जनरल मुख्यालय, लाहौर में कोर कमांडर के आवास, पीएएफ बेस मियांवाली सहित सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल होने के लिए कुल 102 लोगों को हिरासत में लिया गया था। इस हिंसा में नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों के अलावा फैसलाबाद में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के एक ऑफिस को भी निशाना बनाया गया था।

पाकिस्तान में 122 सालों से कैद बरगद का पेड़

ब्रिटिश अफसर पर हमले की कोशिश का आरोप, पेशावर में 183 सालों से कैद में दरवाजा

इस्लामाबाद, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बात 1898 की है, जब ब्रिटिश आर्मी के ऑफिसर जेम्स स्क्वाड की तोरखम बॉर्डर पर स्थित लांदी कोटल में पोस्टिंग थी। बताया जाता है कि एक दिन जब स्क्वाड नशे में थे, तो उन्हें लगा कि बरगद का पेड़ उनकी तरफ बढ़ रहा है, उन्हें मारना चाहता है। स्क्वाड ने अपने मैस सार्जेंट को आदेश दिया कि पेड़ को जंजीरों में कैद कर लिया जाए। तब से किसी ने जेम्स स्क्वाड के आदेश को पलटने की कोशिश नहीं की और पिछले 122 साल से बरगद का यह पेड़ जंजीरों में कैद है। इतिहासकार मुबारक अली ने बताया कि आजादी के बाद भी पेड़ की जंजीरें बनी हुई हैं क्योंकि अब इस पेड़ ने ऐतिहासिक महत्व हासिल कर लिया है। गिरफ्तार पेड़ पर आज भी भारी-भारी जंजीरें लटकी हुई हैं। यही नहीं गिरफ्तार पेड पर एक तख्ती भी लटकी हुई है जिस पर पेड़ के हवाले से लिखा हुआ है 'मैं गिरफ्तार हूं।'

आज तक जंजीरें इसलिए नहीं हटाई गईं, ताकि अंग्रेजी शासन की क्रूरता को दर्शाया जा सके।

उसकी लाश सामने पड़ी थी, मैं उस पर गोलियां बरसा रहा था

इजरायल में हमास आतंकियों की दरिंदगी का कबूलनामा

तेल अवीव, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। सात अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हुए हमास के हमले में आतंकियों की दरिंदगी का एक और सबूत सामने आया है। इजरायल सिक्योरिटीज अथॉरिटी (आईएसए) ने सोमवार को एक वीडियो क्लिप जारी किया। इसमें हमास आतंकवादियों को आतंकी हमलों में अपनी सक्रिय भागीदारी कबूल करते हुए दिखाया गया है। अथॉरिटी ने कहा कि आईएसए कम्युनिकेशंस की तरफ से मिली यह क्लिप हमलों में शामिल हमास आतंकवादियों के बयानों के साथ पूछताछ के दौरान रिकॉर्ड की गई थी। जो कुछ बातें इस वीडियो में सामने आई हैं, वो काफी डराने वाली हैं।

दस हजार डॉलर का लालच

वीडियो में हमास के आतंकियों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्हें नागरिक बंधकों को इजरायल से गाजा ले जाने के लिए वजीफा देने का वादा किया गया था। हमास के आतंकी को वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'जो कोई बंधक का अपहरण करेगा और उन्हें गाजा

लाएगा, उसे 10000 अमेरिकी डॉलर का वजीफा और एक अपार्टमेंट मिलेगा।' उन्हें यह कहते हुए भी सुना जाता है कि उनके आकाओं ने उन्हें विशेष रूप से बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों का अपहरण करने का निर्देश दिया था।

आतंकवादियों में से एक ने कहा, उनसे 'घरों को साफ करने और जितना संभव हो उतने कैदियों का अपहरण करने' के लिए भी कहा गया था। आतंकियों ने एक कुत्ते की बेदर्दी से हत्या कर दी थी। आतंकियों ने कबूल किया है कि पीड़िता का कुत्ता बाहर आया और उसने उसे गोली मार दी थी। सिर्फ इतना ही नहीं आतंकियों ने बताया है कि किस तरह से वो उसकी लाश पर गोलियां बरसाने में भी पीछे नहीं हट रहा था। हमास के एक अन्य आतंकवादी ने कहा कि उन्होंने अपने आका की बात मानते हुए दो घरों को जला दिया। आतंकियों ने कहा, 'हम जो करने आए थे उसे पूरा किया और फिर दो घरों को जला दिया।'

पाकिस्तान ने गौरी मिसाइल का किया सफल परीक्षण

इस्लामाबाद, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने मंगलवार को अपनी गौरी मिसाइल का सफल परीक्षण किया। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। गौरतलब है कि एक हफ्ते पहले ही पाकिस्तान ने अपनी एक अन्य बैलिस्टिक मिसाइल अबाबील का भी परीक्षण किया था। पाकिस्तानी सेना ने बयान में कहा कि इस लॉन्च का उद्देश्य सेना की स्ट्रैटेजिक फोर्स कमांड की तैयारी और संचालन को जांचने के लिए था।

गौरी मिसाइल की लॉन्चिंग पाकिस्तानी सेना की स्ट्रैटेजिक फोर्स कमांड के कमांडर, अन्य शीर्ष अधिकारियों और वैज्ञानिकों के सामने की गई। सफल परीक्षण के लिए कमांडर ने वैज्ञानिकों और इंजीनियर्स को बधाई दी। गौरी मिसाइल का यह परीक्षण अमेरिका के उस कदम के बाद आया है, जिसमें अमेरिका ने चीन की तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इन कंपनियों पर आरोप है कि ये पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए उपकरणों की सप्लाई कर रहीं थी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर और सेना के शीर्ष अधिकारियों ने सफल लॉन्च के लिए बधाई दी।

बीती 18 अक्तूबर को पाकिस्तान ने अपनी अबाबील मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया था। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी थी। बता दें कि पाकिस्तान की बैलिस्टिक मिसाइल गौरी का रेंज 1300 किलोमीटर तक है और यह पारंपरिक के साथ ही परमाणु हथियार भी ले जाने में सक्षम है। वहीं अबाबील मिसाइल की रेंज 220 किलोमीटर तक है। अबाबील मिसाइल एक समय में कई लक्ष्यों को भेदने की ताकत रखती है।

नेपाल में राष्ट्रपति-पीएम ने दशईं त्योहार के अंतिम दिन दीं शुभकामनाएं

काठमांडू, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर नेपाल के नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसरों ने नेपाल की सांस्कृतिक एकता और पहचान को बरकरार रखा है। बता दें कि दशईं, 10 दिनों तक चलने वाला त्योहार है। नेपाल में देवी दुर्गा की पूजा के लिए मनाया जाने वाला ये त्योहार विजयादशमी के साथ खत्म होता है। दशईं त्योहार का आखिरी दिन दशहरा यानी विजयादशमी होता है। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि विजयादशमी बुराई पर सदाचार की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा, समाज में आपसी सद्भावना, भाईचारा और पुनर्मिलन सभी को सामाजिक सद्भाव, एकता, एकजुटता, न्याय और समानता को बढ़ावा देने के लिए विजयादशमी के त्योहार से प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, हमारी सांस्कृतिक एकता और पहचान को अक्षुण्ण रखते हुए हमारी भौगोलिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को और मजबूत करने में योगदान दिया है।

सभी बंधकों की रिहाई कराना उद्देश्य

यरुशलम, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष शुरू हुए 18 दिन होने जा रहे हैं। दोनों तरफ से अब तक किए गए हमलों में मौतों का आंकड़ा साढ़े छह हजार के पार चला गया है। इस बीच, एकजुटता दिखाने के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इजराइल के तेल अवीव पहुंचे हैं। यहां उन्होंने हमले में प्रभावित फ्रांसीसी नागरिकों से मुलाकात की। उनका दुख बांटा। इसके बाद उन्होंने इजराइली राष्ट्रपति आईजैक हरजॉग से मुलाकात की और विश्वास दिलाया कि आतंकवाद के खिलाफ जंग में वह अकेले नहीं हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा, 'मैं यहां अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ अपना समर्थन और एकजुटता व्यक्त करने आया हूं। साथ ही आपका दर्द साझा करने आया हूं। सात अक्तूबर को जो हुआ वह आपके लोगों और आपके देश के खिलाफ आतंकवादी हमला था। उन्होंने इजराइली राष्ट्रपति से कहा कि पहला उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के सभी बंधकों की रिहाई होना चाहिए। साथ ही विश्वास दिलाया कि आतंकवाद के खिलाफ जंग में वह अकेले नहीं हैं। इस दौरान इजराइली राष्ट्रपति आईजैक हरजॉग ने फ्रांस के अपने समकक्ष को बताया कि वह लेबनान की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हिजबुल्ला आग से खेल रहा है।

साथ ही मुझे लगता है कि ईरानी साम्राज्य उनका समर्थन कर रहा है और मध्य पूर्व को अस्थिर करने के लिए दिन-ब-दिन काम कर रहा है। वह आग से खेल रहा है। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम अपनी उत्तरी सीमा पर किसी और के साथ टकराव की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। हमारा ध्यान हमास के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने और अपने नागरिकों को घर वापस लाने पर है।

सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग: चंद्रभान सिंह आक्या के टिकट काटने पर जता रहे विरोध, शक्तिकेंद्रों और बूथों से लिया जा रहा फीडबैक

चित्तौड़गढ़, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा पार्टी की ओर से जहां मौजूदा विधायक चंद्रभान सिंह आक्या का टिकट काटा गया। वहीं, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के खिलाफ कार्यकर्ता जमकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। इसी के साथ ही सोशल मीडिया पर भी सभी जमकर भड़ास निकाल रहे हैं। कुछ कार्यकर्ता चंद्रभान सिंह आक्या के पक्ष में होने के कारण सांसद सीपी जोशी और नरपत सिंह राजवी को गलत ठहरा रहे है।

इसी तरह, सीपी जोशी खेमे के कार्यकर्ता उन्हें सही साबित करने में लगे है। विधायक ने बुधवार को फैसला करने की बात कही। वहीं जानकारी में आया कि प्रदेश ऑफिस से शक्तिकेंद्रों और बूथों पर लगातार फोन करके फीडबैक लिया जा रहा है।

दूसरी लिस्ट के आते ही सोशल मीडिया पर आया भूचाल

भाजपा प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट में विधायक चंद्रभान सिंह आक्या को चित्तौड़गढ़ विधानसभा के लिए टिकट नहीं दिया गया। उनकी जगह यह टिकट नरपत सिंह राजवी को दिया गया। उसी दिन से सोशल मीडिया पर भी जैसे भूचाल आ गया हो। चंद्रभान सिंह आक्या और सीपी जोशी खेमे के कार्यकर्ता लगातार एक दूसरे के पक्ष को मजबूत बनाने में लगे हुए हैं। जहां एक और आक्या के कार्यकर्ता इस फैसले के खिलाफ है और नरपत सिंह राजवी को टिकट दिए जाने पर प्रदेश अध्यक्ष जोशी और राजवी का जमकर विरोध कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर सीपी जोशी के कार्यकर्ता इस फैसले से सहमत होकर खुशियां मना रहे हैं।

शक्तिकेंद्रो और बूथों पर लिया जा रहा है फीडबैक

सोशल मीडिया पर वाद विवाद का जोर बढ़ता ही जा रहा है। इससे साफ तौर पर भाजपा पार्टी की गुटबाजी सामने दिखाई दी। चंद्रभान सिंह आक्या के प्रति लोगों के विश्वास को देखकर एक बार भी प्रदेश स्तर पर भी भाजपाइयों में हड़कंप मच गया। प्रदेश कार्यालय से लगातार शक्तिकेंद्रों और बूथों पर फोन कर फीडबैक लिया जा रहा है। उस दौरान भी आक्या के कार्यकर्ता नए कार्यकर्ताओं को रखने और अपने इस्तीफा देने की बात कर रहे हैं। अब देखना यह है कि भाजपा पार्टी अपने ही कार्यकर्ताओं को मना पाती है या चित्तौड़गढ़ में त्रिकोणी संघर्ष देखने को मिलेगा।

मंत्री लालचंद कटारिया ने चुनाव आयोग को झूठा शपथ-पत्र दिया

जिस स्कूल से 10वीं-12वीं पास बताया, प्रिंसिपल ने कहा- इस नाम का कोई स्टूडेंट नहीं रहा

जयपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।राजस्थान सरकार में कृषि मंत्री लालचंद कटारिया का अपनी एजुकेशन को लेकर चुनाव आयोग में झूठा शपथ पत्र देने का मामला सामने आया है। कटारिया ने 2003 के विधानसभा चुनाव में आमेर सीट से भरे एफिडेविट में खुद को रायबरेली (यूपी) के इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट (12वीं) पास बताया था। जबकि 2008 के विधानसभा चुनाव में झोटवाड़ा सीट से भरे एफिडेविट में खुद को 10वीं पास बताया था। चार चुनावों में उन्होंने शिक्षा को लेकर अलग-अलग ब्योरा दिया है।

रायबरेली के जिस इंटर कॉलेज से कटारिया ने 10वीं और 12वीं पास करने का दावा किया है। उस कॉलेज ने उनके यहां लालचंद कटारिया नाम का स्टूडेंट होने से ही इनकार कर दिया। इसके बाद कटारिया सवालों के घेरे में आ गए हैं। चुनाव लड़ते समय हर उम्मीदवार को अपनी शिक्षा, मुकदमों, प्रॉपर्टी, असेट एंड लायबिलिटी को लेकर एफिडेविट देना होता है। इस एफिडेविट में कटारिया ने 2003 के चुनाव में खुद को 12वीं पास बताया, जबकि पांच साल बाद 2008 के चुनाव में खुद को 10वीं पास बताया। शैक्षणिक योग्यता बढ़ तो सकती है। कम होना संभव नहीं है। लालचंद कटारिया ने 2003 का विधानसभा चुनाव आमेर से लड़ा था। उस वक्त उन्होंने अपनी शैक्षणिक योग्यता के कॉलम में श्री नर्मदेश्वर इंटर कॉलेज, रायबरेली से 1990 में इंटरमीडिएट (12वीं) परीक्षा पास लिखा।

2008 में झोटवाड़ा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा। तब कटारिया ने अपनी शैक्षणिक योग्यता श्री नर्मदेश्वर इंटर कॉलेज, रायबरेली से 1986 में हाई स्कूल (10वीं) पास बताई।

2009 में जयपुर ग्रामीण से लोकसभा चुनाव में पेश एफिडेविट में भी कटारिया ने शैक्षणिक योग्यता के कॉलम में हाई स्कूल (10वीं) पास लिखा।

2018 का विधानसभा चुनाव झोटवाड़ा से लड़ा। कटारिया ने एफिडेविट में शैक्षणिक योग्यता के कॉलम में बदलाव करते हुए इंटरमीडिएट (12वीं) पास लिखा।

श्री नर्मदेश्वर इंटरमीडिएट कॉलेज ने लिखित जवाब में लालचंद कटारिया के संस्थान का स्टूडेंट होने से साफ इनकार कर दिया। कॉलेज के प्रिंसिपल ने कटारिया के इस संस्थान से हाई स्कूल और इंटरमीडिएट पास करने के सवाल के जवाब में लिखा- लालचंद कटारिया ने श्री नर्मदेश्वर इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट परीक्षा पास नहीं की है। लालचंद कटारिया का कोई भी विवरण स्कूल के संस्थागत या व्यक्तिगत रिकॉर्ड में नहीं है। कटारिया के शिक्षा से जुड़े झूठे एफिडेविट का मामला चुनाव आयोग तक पहुंच गया है। कुछ लोगों ने चुनाव आयोग में दस्तावेज भेजे हैं, जिनमें झूठा शपथ पत्र देने के मामले में सख्त एक्शन लेने की मांग की गई है। चुनाव आयोग के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को भी दस्तावेज भेजकर कटारिया पर एक्शन लेने की मांग की है।

भाजपा प्रत्याशी के विरोध में सिंघवी की स्वाभिमान रैली

रैली को पुलिस ने रोका, कहा- आचार संहिता लगी है इसका पालन करें; 'तारा मंजूर नहीं' के नारे लगे

उदयपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा से प्रत्याशी बनाए ताराचंद जैन के विरोध में भाजपा के उदयपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर पारस सिंघवी अब खुलकर सामने आ गया हैं। सिंघवी समर्थकों ने उनके नेतृत्व में आज टाउनहॉल से स्वाभिमान रैली निकाली। पारस की रैली को बाजार में पुलिस ने रोक दिया। आचार संहिता की बात कहते हुए उनके समर्थकों से माइक और लाउडस्पीकर जब्त कर लिए।

रैली टाउनहॉल से रवाना हुई में बड़ी संख्या में महिला व पुरुष और व्यापारी शामिल रहे। रैली में पारस के समर्थन में नारे लगाए गए। टाउनहॉल से रवाना हुई रैली बापू बाजार, सूरजपोल, अस्थल चौराहा, लखारा चौक, मंडी, मोचीवाड़ा, बड़ा बाजार पहुंची जहां पर पुलिस ने रैली को रोक दिया।

रैली के आगे पुलिस की गाड़ियां लगा दी और जाब्ता तैनात कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने पारस की रैली के माइक को लेकर अपील करते हुए कहा कि रैली को लेकर स्वीकृति नहीं है ऐसे में आप सहयोग करें अभी आचार संहिता लगी हुई है। रैली समाप्ति के बाद पारस ने कहा था कि उन्होंने रैली को लेकर प्रशासन को लिखित में स्वीकृति के लिए सुबह पत्र दिया था।

इस दौरान पारस समर्थक माइक और साउंड सिस्टम वहीं छोड़कर जगदीश मंदिर की ओर बढ़ते रहे। पुलिस ने साउंड सिस्टम के ठेलों को जब्त कर सड़क के किनारे रखवाया। इस दौरान समर्थकों ने यह भी कहा कि

हम तो जगदीश मंदिर में दर्शन करने जा रहे हैं ऐसे में पुलिस को हमें रोकने का हक नहीं है।

बाद में लोग वहां से आगे बढ़ते हुए घंटाघर होकर जगदीश चौक पहुंचे जहां पर जगदीश मंदिर में दर्शन किए। नीचे समर्थकों ने पुष्प वर्षा कर सिंघवी का स्वागत किया और उनके पक्ष में नारेबाजी की।

इससे पहले जगदीश मंदिर पर मीडिया से बातचीत में सिंघवी ने कहा कि वे अभी भी पार्टी के साथ है और रहेंगे बस उनकी एक ही मांग है कि जिस व्यक्ति का नाम सूची में नहीं उसको टिकट दे दिया और वह व्यक्ति पार्टी विरोधी है।

सिंघवी ने कहा कि टिकट मुझे नहीं देना चाहते है तो किसी और को दे दीजिए पर ताराचंद मंजूर नहीं है। एक सवाल पर सिंघवी ने कहा कि वे कांग्रेस में नहीं जा रहे है लेकिन उनके सामने सारे रास्ते खुले है और वे अपनों के बीच बैठकर निर्णय करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं अभी भी पार्टी के साथ हूं, पार्टी के शीर्ष नेताओं से आग्रह है कि उदयपुर के निर्णय पर फिर से विचार करें।

एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुझे कुछ करना होगा तो सबके साथ बैठकर निर्णय करुंगा और इससे पहले मेरी जो भी जिम्मेदारियां पार्टी में है उनको छोड़ने के बाद अपना निर्णय करुंगा लेकिन अभी भी मै कह रहा हूं कि मै पार्टी के साथ हूं।

रैली में भाजपा पदाधिकारियों से लेकर पार्षदों के चेहरे नहीं दिखे लेकिन पारस के समर्थक पूरी ताकत दिखा रहे थे। एक पार्षद और स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष वेणीराम सालवी साथ जरूर दिखे।

इससे पहले ही पारस ने भाषण में कहा था कि किसी का मेरी वजह से नुकसान हो रहा हो तो देख ले और कोई मेरे साथ आना चाहे तो आए लेकिन अब निर्णय करना ही होगा।

शेखावत बोले-फकीरी का लबादा ओढ़ भ्रष्ट आचरण करते हैं सीएम

भूल गए किस तरह मॉरिशस के रूट होकर पैसा उनके और बेटे के खातों में आया

जयपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सीएम अशोक गहलोत के फकीरी वाले बयान पर पलटवार किया है। शेखावत ने कहा कि आपने देश दुनिया में कभी किसी फकीर को यह कहते हुए नहीं सुना होगा कि मैं बड़ा फकीर। लेकिन यह ढोंगी लोग, फकीरी का लाबादा ओढ़कर भ्रष्ट आचरण और व्यवहार करते हैं। दोहरा जीवन जीते हैं। उन लोगों को अपना स्पष्टीकरण देने के लिए इस तरह के अनर्गल बयान देने पड़ते हैं।

गजेन्द्र सिंह ने कहा कि जब सीएम ने अपने पास एक इंच जमीन नहीं होने के बात कही थी, उस समय भी मुझे पता था कि वो अपने फ्लैट के बारे में भूल गए हैं। इसके अलावा भूल गए होंगे कि मॉरिशस के रूट से होकर पैसा कैसे आया। कहां निवेश हुआ और

फिर वापस उनके और उनके बेटे के खातों में पहुंचा।

दरअसल आज सीएम अशोक गहलोत ने दिल्ली के एआईसीसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिए फकीरी वाले बयान पर कहा था कि जोधपुर वाले गवाह हैं, यहां के लोग बचपन से ही मेरी फकीरी को देख चुके हैं। 40 साल से सर्किट हाउस में रुक रहा हूं। जो फ्लैट एमपी और एमएलए सभी के पास होते हैं वो मेरे पास भी है, जो रहने लायक नहीं है।

सरदारपुरा से चुनाव लड़ने पर बोले- यह पार्टी का फैसला

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सरदारपुरा से सीएम गहलोत के सामने चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि यह तय करना पार्टी का काम है। मैं जिस पार्टी से आता हूं, वहां यह परम्परा नहीं है कि कार्यकर्ता यह तय करें कि उसे कहां से चुनाव लड़ना है। उन्होंने कहा कि मैं जिस परिवार से आता हूं, वहां अगर मेरा संगठन यह तय करता है कि मुझे राजनीति के अलावा किसी अन्य क्षेत्र में काम करना है, तो मैं उसके लिए भी तैयार हूं। सूरसागर विधानसभा से सूर्यकांता व्यास का टिकट कटने के सवाल पर गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि पार्टी में उम्र की एक सीमा हैं। सूर्यकांता व्यास के सम्मान मे पार्टी ने कोई कमी नहीं रखी हैं और उन्होंने भी देवेन्द्र जोशी को टिकट देने का स्वागत किया हैं।

126 करोड़ के सोने-चांदी और शराब जब्त

सबसे ज्यादा डोडा-पोस्त और नशे के सामान की तस्करी

जयपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर पुलिस ने एक्शन दिखाना शुरू कर दिया है। आचार संहिता लगने के बाद से राजस्थान पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए 126 करोड़ के सोने-चांदी के साथ शराब, कैश और डोडा-पोस्त भी जब्त किया है। दरअसल, आचार संहिता लगने के बाद से राजस्थान पुलिस की ओर से 2 हजार फ्लाइंग टीम को तैनात किया गया है। आईजी विकास कुमार ने बताया कि पिछले चुनाव में 60 करोड़ की ज्वेलरी और नशे का सामान बरामद किया था। लेकिन, महज 13 दिनों में प्रदेश में इतनी बड़ी कार्रवाई हुई। वहीं प्रदेश के चार जिले- बांसवाड़ा, जोधपुर, भीलवाड़ा और अलवर रडार है, जहां सबसे अधिक केस सामने आए

हैं। आईजी ने बताया कि प्रदेश में 650 पॉइंट बनाए गए हैं। इनमें राजस्थान से लगती अन्य राज्यों की सीमाओं पर 250 से ज्यादा चेक पोस्ट हैं। इन सभी पर सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं। अब तक करीब 15 करोड़ की अवैध शराब पकड़ी गई है, जबकि 38 करोड़ के डोडा-पोस्त समेत अन्य मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं।

टीम अब तक 15 करोड़ रुपए की नगदी भी पकड़ चुकी है। इसके साथ पुलिस टीम ने अब तक करीब 14 करोड़ की कीमत के सोना-चांदी भी बरामद किए हैं। दरअसल,

राजस्थान में 600 किलोमीटर में भारत माला और 350 किलोमीटर में एक्सप्रेस-वे अलग-अलग जिलों से गुजरता है। ऐसे में इस नेशनल हाईवे के हर एग्जिट पॉइंट पर स्पेशल टीम को तैनात किया गया है। इसमें स्पेशल टीम के साथ एसओजी और स्टेट क्राइम ब्रांच की टीम भी तैनात है। आईजी विकास कुमार ने बताया कि अब तक सबसे अधिक कार्रवाई बांसवाड़ा, बाड़मेर, जोधपुर, भीलवाड़ा और अलवर जिले में हुई है। इन जिले की अलग से मॉनिटरिंग की जा रही है और ये जिले रडार पर भी हैं।

आईजी विकास कुमार ने बताया चुनाव के लिए स्पेशल टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। पहली बार सभी चेक पोस्ट को आठ नंबर का यूनिक कोड दिया गया है और इसी नंबर पर इनकी कोडिंग की गई है। इसी यूनिक कोड की वजह से अब तक ये कार्रवाई हो पाई है। इस यूनिक कोड से ही पुलिस मॉनिटरिंग कर रही है। इसमें जिले का नाम, रोड का नाम, कौनसा थाना है, स्पेशल टीम है या थाने की, कितने का जाब्ता आदि जानकारी के साथ इस यूनिक कोड को बनाया गया है।

अलवर में 14 दिनों में 3 करोड़ 30 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद की है। इसी तरह बाड़मेर में 10 करोड़ की शराब और साढ़े 7 करोड़ का डोडा-पोस्त, अफीम आदि जब्त की गई है।

जवान से दबा राइफल का ट्रिगर, गोली लगने से मौत

जबड़े में घुसी गोली; सिर को चीरती हुई कार की छत के आर-पार हुई

फतेहपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में ड्यूटी कर रहे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) जवान से अचानक अपनी ही बंदूक का ट्रिगर दब गया। गोली लगने से जवान की मौत हो गई। गोली जबड़े से घुसी और सिर को चीरते हुए निकलकर कार की छत के आर-पार हो गई। घटना सीकर जिले के फतेहपुर के बुद्धगिरी मंडी के पास मंगलवार सुबह 6 बजे की है। कोतवाली एएसआई राजेंद्र ने बताया कि 402 कंपनी गुवाहाटी,असम में कार्यरत सीआईएसएफ जवान देवीलाल की विधानसभा चुनाव में ड्यूटी लगी थी। जवान गांव चनाना, चिड़ावा झुंझुनूं का रहने वाला था।

ड्यूटी खत्म होने के बाद मंगलवार सुबह लगभग 6 बजे देवीलाल अपने तीन साथियों के साथ कार से बुद्धगिरी मंडी के पास चाय की दुकान पर गए थे। चाय पीने के बाद आराम करने के लिए वापस कार से बुद्धगिरी मंडी परिसर स्थित धर्मशाला जा रहे थे।

कार 200 मीटर ही चली थी कि अचानक देवीलाल से अपनी ही राइफल का ट्रिगर दब गया। जबड़े से घुसी गोली सिर को चीरती हुई कार की छत से बाहर निकल गई।

इस हादसे के बाद देवीलाल के साथी घबरा गए। जवान को उसी कार में फतेहपुर के राजकीय धानुका उप जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना के बाद हॉस्पिटल पहुंचे जवान के रोते पिता और बड़े भाई का लोगों ने संभाला।

मामले की सूचना मिलते ही सीकर एसपी परिस देशमुख, फतेहपुर डिप्टी रामप्रताप बिश्नोई, कोतवाली थानाधिकारी इंद्राज मरोडिया सहित सीआईएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना जवान के परिवार को दे दी गई। फिलहाल पुलिस गहनता से मामले की जांच में जुटी हुई है। एफएसएल की टीम ने मौके से सबूत जुटाए।

जवान देवीलाल ने सात साल पहले नौकरी जॉइन की थी। देवीलाल चार भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। वहीं एक बड़ा भाई अजय सिंह है, जो पिता विद्याधर सिंह के साथ ही खेती करता है। डेढ़ साल पहले ही देवीलाल की शादी हुई थी। जवान के कोई संतान नहीं है।

व्यापारी से 4 लाख रुपए से भरा बैग लूटा

धौलपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। मनियां थाना क्षेत्र में बाइक सवार व्यापारी के साथ दूसरी बाइक पर आए तीन बदमाश 4 लाख रुपए से भरा लूटकर फरार हो गए। मांगरोल और बाल गोविंद का पूरा गांव के बीच वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश दुल्हारा रोड की ओर भाग गए। रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरे में बदमाशों की लोकेशन ट्रेस की गई है, जिसके आधार पर पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है. जानकारी के अनुसार मनियां कस्बे में रहने वाला व्यापारी संतोष कुमार (48) पुत्र जगदीश मांगरोल कस्बे में स्थित अपनी आढ़त की दुकान पर पैसे लेकर जा रहा था। इसी दौरान बाल गोविंद का पूरा और मांगरोल गांव के बीच पीछे से एक बाइक पर आए तीन बदमाशों ने व्यापारी की बाइक को टक्कर मार दी।

एक आदेश पर कलेक्टर-एडीएम आमने-सामने

कलेक्टर ने पद से किया रिलीव; एडीएम बोले- न कार्यमुक्त हुआ और न माना जाएगा

जयपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आचार संहिता के दौरान चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों-कर्मचारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग और कार्यमुक्त करने की प्रक्रिया पर रोक है, लेकिन पिछले दिनों बालोतरा कलेक्टर ने एक आदेश जारी करके ब्यूरोक्रेसी में बवाल मचा दिया। बालोतरा कलेक्टर राजेन्द्र विजय ने आदेश जारी कर अतिरिक्त जिला कलेक्टर बालोतरा अश्विन के पंवार को पद से रिलीव करके बाड़मेर जिला मुख्यालय भेज दिया। इस आदेश पर अब दोनों ही अधिकारी आमने-सामने हो गए।

पिछले सप्ताह 18 अक्टूबर को जारी इस आदेश में उन्होंने पंवार को प्रशिक्षण प्रकोष्ठ का सहायक प्रभारी अधिकारी पद पर कार्य करने के लिए रिलीव किया, क्योंकि 12 अक्टूबर को बाड़मेर

कलेक्टर ने आदेश जारी करके अश्विन के पंवार को जिला मुख्यालय बाड़मेर में उपस्थित रहकर सीईओ जिला परिषद बाड़मेर संग समन्वय करके चुनाव प्रशिक्षण संबंधी कार्य में सहयोग देने के निर्देश दिए थे। इन्हीं आदेशों के बाद बालोतरा कलेक्टर ने एडीएम को पद से ही रिलीव करके बाड़मेर मुख्यालय में सेवाएं देन के आदेश दे दिए।

विवाद की जड़ पद से रिलीव करना है। बालोतरा कलेक्टर ने एडीएम को पद से रिलीव करते हुए बाड़मेर में अपनी सेवाएं देने के आदेश दे दिए। इस पर एडीएम ने इसे चुनाव आयोग के आदेश और कार्मिक विभाग के नियमों के विपरीत बताया। एडीएम ने कलेक्टर बालोतरा को ही पत्र लिखकर कहा कि किसी भी आईएएस या आरएएस अधिकारी जो चुनाव कार्य में लगा हो, उसे चुनाव आयोग की बिना अनुमति के पद से रिलीव नहीं किया जा सकता।

पत्र में एडीएम ने लिखा कि मैं मौजूदा पद पर रहते हुए चुनाव का काम कर दूंगा, लेकिन अतिरिक्त जिला कलेक्टर के पद से न तो मैं कार्यमुक्त हुआ हूं और न ही कार्यमुक्त मुझे माना जाएगा। अगर किसी आरएएस अधिकारी को पद से रिलीव करके चुनाव कार्य में लगाया जाता है तो उसके आदेश कार्मिक विभाग से निकाले जाते हैं।

बस ने ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से मारी टक्कर

चालक की मौके पर हुई मौत, नींद की झपकी आने से हुआ हादसा

गोविंदगढ़, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोविंदगढ़ के एनएच 52 बधाला कट पर एक बस और ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह 9 बजे की है। गोविंदगढ़ थानाधिकारी महेंद्र सिंह पुलिस ने बताया कि राय सिंह के बास से ट्रैक्टर चालक चौमू की तरफ जा रहा था। तभी सीकर से जयपुर की तरफ आ रही बस ने चालक को नींद की झपकी आने से पीछे से ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। जिससे ट्रॉली ट्रैक्टर से अलग हो गई और ट्रैक्टर डिवाइडर पर चढ़ गया। वही हादसे में चालक ट्रैक्टर में फंस जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में सुरेंद्र यादव (25) रायसिंह के पास की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर आसपास के लोगों का जमावड़ा लग गया।

पति को टिकट मिला तो पत्नी बोलीं- ये गलत हुआ

टिकट कटने पर सफिया ने कहा- समाज पुरुष प्रधान, यहां महिलाएं 100 प्रतिशत स्वीकार नहीं

अलवर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की जारी दूसरी सूची में अलवर जिले की रामगढ़ विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक सफिया जुबेर खान का टिकट काटकर उनके पति और मेवात विकास बोर्ड के अध्यक्ष जुबेर खान को दे दिया। सूची सामने आई तो विरोध का पहला सुर घर में ही उठ गया। जुबेर की पत्नी विधायक सफिया बोलीं- पार्टी ने टिकट काटकर गलत किया। यह वर्चस्व की लड़ाई आगे कहां तक जाएगी।

राजनीति का अर्थ सिर्फ विधायक बनना नहीं। लोगों को जोड़ने और महिलाओं को राजनीति में बढ़ाने का काम करूंगी। संगठन या किसी और प्लेटफार्म पर काम करूंगी। पार्टी जहां भेजेगी, वहां काम करूंगी।

महिलाओं को राजनीति में आगे

बढ़ाने की बात कहना आसान है, धरातल पर लागू करना अभी मुश्किल है। पंचायती राज में महिलाएं आ तो जाती हैं, लेकिन काम नहीं कर पाती। जो करना चाहती है, उन्हें करने नहीं दिया जाता। अभी समाज की मानसिकता बदलने में समय लगेगा, लेकिन बदलाव जरूर आएगा।

ये पार्टी का फैसला, 2018 में मेरा टिकट सफिया को दिया था।

मैंने कोई टिकट नहीं मांगा। टिकट के लिए मैंने आवेदन भी नहीं किया। पार्टी ने जो उचित समझा वो किया। अब मुझे पार्टी ने टिकट दिया है। उसी के निर्देशों की पालना होगी।

मुझे थोड़े ही पता किस आधार पर टिकट दिया है। पार्टी ने जो उचित समझा निर्णय लिया गया। सर्वे कराने का फैसला भी पार्टी का ही था।

यह उनकी सोच हो सकती है। इस पर मैं तो क्या कह सकता हूं? यह तो सफिया ही बता सकती हैं कि वे ऐसा क्यों कह रही हैं।

टिकट मुझे मिले या सफिया को, एक ही बात है। घर में एक को ही टिकट मिल सकता था। हमारा परिवार और संगठन एक है। फैसले से पहले राय अलग-अलग हो सकती है। पार्टी का निर्णय होने के बाद उसे सभी को मानना होता है। चाहे मैं हूं या सफिया जी। 2018 में मेरा टिकट भी कटा, वो भी पार्टी का ही निर्णय था। इस बार भी पार्टी ने ही निर्णय किया है।

उन्हें पार्टी के साथ रहना चाहिए। प्रचार भी करना चाहिए। अभी समय है। नामांकन नहीं भरे गए हैं। देखते हैं, आगे क्या रहता है। पार्टी का निर्णय सभी को मानना चाहिए।

कांग्रेस के सर्वे में विधायक सफिया जुबेर खान पीछे चल रही थीं। उनका क्षेत्र में भी विरोध था। ऐसे में पार्टी ने उनकी जगह पति जुबेर खान को प्रत्याशी बनाया है। जुबेर के पास राजनीति का लंबा अनुभव है। उनकी हर समाज में मजबूत पकड़ है।

नुमाइश मदान में डांडिया का भव्य समापन

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामायण मेला के प्रधान संयोजक गोविन्द राठी ने बताया कि मेले के तहत नुमाइश मदान में आयोजित डांडिया का भव्य समापन किया गया, जिसमें भारी संख्यं में डांडिया प्रेमियों ने भाग लिया। गुजरात कुंज के किशोर राठोड द्वारा लोगों का दिल मोह लिया। देर रात्रि 3 बजे तक भक्तगण के लिए हमें डांडिया चलने दिया गया। इस अवसर पर सुमीत राठी ने अपनी मधुर ध्वनी से माता के गीत गाये। डांडिया के पुरस्कृत दिया गया। इस अवसर पर एग्जिबिशन सोसयटी के मंत्री हनुमत राव, रमेशचन्द व्यास, वंश तिलक, अनिल स्वरूप मिश्रा, सुरेन्द्र रेड्डी, चन्द्रजित सिंह, भगतसिंह, डॉ. मोहन गुप्ता, हीराभाई, रघुनन्दन यादव, भवानी शंकर चौधरी, गिरिधारी लाल डागा, मनोज जायसवाल, हरीश डागा, मेघारानी, उमेश सिघांनिया उपस्थित थे। गायक कविता तिवारी लोगों का दिल मोह लिया।

मां सुसवाणी का भव्य भक्ति जागरण संपन्न

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मां सुसवाणी सेवा समिति द्वारा मां की भक्ति का आयोजन माता के मंदिर निर्माण स्थल नवग्रह जैन मंदिर चेवेला में बहुत भव्यता से सम्पन्न हुवा। सुबह 7 बजे से प्रारंभ हुवा भक्ति कार्यक्रम रात्रि तक पूर्ण उत्साह के साथ अनवरत जारी रहा। मां के भक्तों की जबरदस्त उपस्थिति तथा भजन गायक जालना महाराष्ट्र से समागत दर्शित गादिया के सुमधुर भक्ति गीतों की प्रस्तुति से बने भक्तिमय कार्यक्रम से सभी आगंतुक भावविभोर हुये। सर्वप्रथम मां सुसवाणी सेवा समिति के अध्यक्ष उगमराजजी सुराणा ने सभी सदस्यों, सहयोग कर्ताओं, संयोजकों, भजन गायकों, विशेष अतिथियों तथा समस्त आगंतुकों का स्वागत किया। नए ट्रस्टियों, भजन गायक, भक्ति के लाभार्थी परिवार, अन्य निर्माण के सहयोगी परिवारों, सभी संयोजकों तथा अन्य सहयोग कर्ताओं का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रधान संयोजक पारस सुराणा तथा दिलीप सुराना ने अपने सभी सहयोग कर्ताओं का आभार किया। मां सुसवाणी सेवा समिति के मंत्री मुकेश सुराणा ने सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन किया तथा सभी का आभार ज्ञापन किया।

अग्रवाल समाज कोत्तापेट शाखा का डांडिया धमाल

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना कोत्तापेट शाखा द्वारा नवरात्रि के उपलक्ष्य में तीन-दिवसीय डांडिया धमाल कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया गया। राजगोपाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार चैतन्यपुरी, कोत्तापेट स्थित भाग्यश्री फंक्शन हॉल में आयोजित इस रंगारंग उत्सव के पहले दिन गणेशजी, दुर्गा माता एवं अग्रसेनजी महाराज की पूजा-अर्चना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

तीन दिन तक लगातार चले इस कार्यक्रम में हर दिन बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने डांडिया एवं गरबा के भव्य आयोजन का भरपूर आनंद उठाया। माता दुर्गा को समर्पित इस डांडिया आयोजन में कई विशेष अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई एवं आनंद लेने पहुंचे लोगों का उत्साह और आयोजकों का मनोबल बढ़ाया। इनमें तेलंगाना विधानसभा परिषद के सदस्य बोग्गरपू दयानंदजी, अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तमजी अग्रवाल, सह-मंत्री श्रीमती कंचन अग्रवाल आदि शामिल रहे।

तीनों दिन डांडिया एवं गरबा में कई प्रकार की प्रतियोगिताओं (सर्वश्रेष्ठ डांडिया, गरबा, ड्रेस, लगातार डांस, आकर्षक डांडिया, इत्यादि) का आयोजन हुआ और विशेष आमंत्रित जजों / निर्णायकों द्वारा निर्धारित सभी वर्गों (पुरुष, महिलाएँ, जोड़ीदार, बच्चे) के लिए अनेक विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए गए । अवसर पर पधारे सभी वरिष्ठ नागरिकों को कोत्तापेट शाखा ने सम्मानित करते हुए सभी से आशीर्वाद प्राप्त किया। अग्रवाल समाज तेलंगाना, कोत्तापेट शाखा की ओर से अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरुण गोयल, मानद-मंत्री राजगोपाल अग्रवाल, सह-मंत्री ललित कुमार बंसल, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य दीपक बंसल, श्वेता अग्रवाल ने सभी आमंत्रित एवं उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। तीसरे दिन के अंत में राजगोपाल अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

रचकोंडा सीपी ने आयुध पूजा में भाग लिया

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रचाकोंडा सीपी डीएस चौहान ने कहा कि लोगों को शांतिपूर्ण माहौल में विजयदशमी मनाना चाहिए। पुलिस अधिकारियों ने आज राचकोंडा पुलिस मुख्यालय अंबरपेटा में वैदिक विद्वानों के बीच देवी दुर्गा की उपस्थिति में शस्त्र पूजा की। इस मौके पर सीपी डीएस चौहान ने लोगों को विजयादशमी को भव्यता से मनाने की शुभकामनाएं दीं।

गरीबों में कपड़े व भोजन वितरण किया गया

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मित्र यूथ एसोसिएशन, छतरीनाका के तत्वावधान में पुराने शहर के जाने-माने लोक नेता स्व. एस. पांडुरंग राव की पुण्यतिथि पर गरीबों में कपड़े व भोजन वितरण किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना बीसी आयोग के अध्यक्ष वकुलभरणम कृष्णमोहन राव द्वारा एस. पांडुरंगा राव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसका आयोजन मित्र यूथ एसोसिएशन के महासचिव एस.पी.क्रांति कुमार ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए कृष्ण मोहन ने पुराने शहर के विभिन्न स्लम क्षेत्रों को विकसित करने और लोगों के मुद्दों को हल करने में स्वर्गीय एस.पांडुरंगा राव की सेवाओं को याद किया, जिससे उन्हें लोगों के नेता के रूप में नाम मिला। बाद में कृष्ण मोहन ने गरीब महिलाओं को साड़ियाँ और जरूरतमंद स्कूली छात्रों को नोटबुक, किट वितरित किये। एमवाईए प्रतिनिधियों बी.कोटेश, आई.शेषाद्रि, एस.पृथ्वीराज, एस.करण कुमार, बी.कार्तिक चारी, बी. वेंकटेश, वी. यजत, अखिल, जी.कार्तिक कुमार, सुशील और अन्य ने भाग लिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा श्रीसैलम में यात्री निवास के लिए स्थान का चयन

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज के निवर्तमान अध्यक्ष एवं श्रीसैलम समिति के चेयरमैन अंजनी कुमार ने बताया के श्रीसैलम में यात्री निवास निर्माण कि प्रक्रिया में एक कदम और अग्रसर होते हुए श्रीसैलम समिति के वाइस चेयरमैन कमल अग्रवाल के साथ आज श्रीसैलम में एक्जीक्यूटिव ऑफिसर तथा एक्जीक्यूटिव इंजीनियर से भेंट की। इस भेंट में यात्री निवास निर्माण के लिए स्थान का चयन किया गया। चयनित स्थान पूर्ण रूप से वस्तु अनुसार उत्तर पूर्वी दिशा में है भूमि चयन के अतिरिक्त एक्जीक्यूटिव ऑफिसर से भविष्य में आने वाली प्रशासनिक ओपचारिकताओं के संबंध में भी चर्चा की गई। ज्ञातव्य है कि अग्रसेन जयंती उत्सव के विशेष दिवस पर आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत पत्र प्राप्त हुआ था। इस स्वीकृत पत्र प्राप्ति के पश्चात अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों एवं श्रीसैलम समिति ने मिलकर यात्री निवास निर्माण की एक रूप रेखा तैयार की। अग्रवाल समाज में दान दाताओं की कमी नहीं है और यह बड़े ही गौरव की बात है जैसे ही अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों एवं श्रीसैलम समिति द्वारा यात्री निवास के लिए प्रस्तावित रूप रेखा समाज के समक्ष रखी, अग्रवाल समाज के बंधुओं (दान दाताओं) ने उत्साह दिखाते हुए मात्र 36 घंटे के अंदर ही अनुमानित राशि से अधिक राशि की प्रतिबद्धता दे दी।

अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने दान दाताओं के इस उमंग, उत्साह और दानवीरता को नमन करते हुए कहा है कि यह बड़ा ही गौरवान्वित अवसर है कि बिना किसी व्यक्तिगत संपर्क के मात्र संदेश से दानदाताओं ने आगे बढ कर स्वेच्छा से मात्र 36 घंटों में अनुमानित राशि से अधिक राशि का वचन दिया है। मनीष अग्रवाल से अन्य पदाधिकारियों और समिति के सदस्यों की ओर से सभी दान दाताओं को आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया। इसके अलावा समिति चेयरमैन अंजनी कुमार एवम सदस्य राकेश जालान, दिनेश अग्रवाल, धीरज कुमार, मनोज अग्रवाल, कमल अग्रवाल ने दानदाताओं को कोटि कोटि धन्यवाद दिया।

बीजेपी नेता राजगोपाल रेड्डी की कांग्रेस में वापसी संभव!

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी नेता और पूर्व विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में लौटने की संभावना है। उनके एक दो दिनों में राहुल गांधी की मौजूदगी में दिल्ली में औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की संभावना है। राजगोपाल रेड्डी ने दावा किया कि उन पर कांग्रेस में दोबारा शामिल होने के लिए लोगों का दबाव है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है। रेड्डी पिछले साल अगस्त में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

मुंगोडे के विधायक ने भी विधानसभा से इस्तीफा दे दिया, जिससे उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी। वह भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे लेकिन उपचुनाव हार गए। राजा गोपाल रेड्डी, जो भोंगिर से कांग्रेस सांसद कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के भाई हैं, भाजपा नेतृत्व से खुश नहीं थे और वह उन नेताओं में से एक थे जिन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से बदी संजय को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की थी। भोंगिर के पूर्व सांसद, राज गोपाल रेड्डी को हाल ही में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

हालाँकि, वह पिछले कुछ महीनों से पार्टी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग नहीं ले रहे थे। वह कथित तौर पर एलबी नगर निर्वाचन क्षेत्र से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक थे। रविवार को भाजपा

दशहरा अवसर पर पशुसंवर्धन और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात कर उन्हें गोशामहल विस क्षेत्र के विकास के लिए सभी प्रकार की मदद दिये जाने पर बधाई देते हुए एम. आनंद कुमार गौड़, जामबाग मंडल के महासचिव जी. नंदु कुमार, सुरेश सिंह व अन्य।

जौनपुर प्रवास के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील कुमार शुक्ल के आवास पर उत्तर प्रदेश लेखाकार संघ के जिला महामंत्री रजनीश श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार हिम्मत बहादुर सिंह के साथ मुलाकात करते हुए नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजनारायण सिंह।

दशहरा पर केबीआर पार्क स्थित इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा की गई। उपस्थित हैं राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांववाले, राहुल सिंघल, सुधाकर, ओमप्रकाश असावा, गोपाल बल्दवा, अशोक लाखोटिया, महेश डकोतिया, शंकरलाल अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल व अन्य।

थाने के अभिलेखों एवं परिवेश में स्वच्छता बनाए रखें : सुरेश कुमार

एसपी ने रेबेना पुलिस स्टेशन का औचक निरीक्षण किया

कुमरम भीम आसिफाबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने मंगलवार को रेबेना पुलिस स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इसके तहत एसएसआई चन्द्रशेखर से थाना स्टाफ द्वारा निभाए जाने वाले कर्तव्यों के बारे में पूछा गया। इसी तरह थाने में मुकदमों से संबंधित फाइलों और थाने से संबंधित अभिलेखों की जांच की गई। अगले स्टाफ को कई सुझाव दिए गए। इसके तहत थाने में आने वाले फरियादियों के साथ विनम्र व्यवहार करने, उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनने और उनका समाधान करने तथा लोगों को अच्छी सेवाएं प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि थाने में काम करने वाली पुलिस की भूमिका अहम है, इसलिए स्टाफ को थाने के हर गांव के बारे में जागरूक रहना चाहिए, लोगों से घुलना-मिलना चाहिए और लोगों से ज्यादा संपर्क करना चाहिए। इसी तरह लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहने और लोगों की समस्याओं का समाधान करने की सलाह दी गयी है. पुलिस कर्मियों को बिना किसी देरी के जनता की शिकायतों का तुरंत जवाब देने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि अपराध के अनुसंधान में तकनीक का उपयोग किया जाये, थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग वाहनों से लगातार गश्त करायी जाये, बीट एवं पेट्रोलिंग सही तरीके से की जाये।

उन्होंने कहा कि स्टेशन के रिकार्ड और आसपास को साफ-सुथरा रखा जाए। पुलिस स्टेशन में 5एस प्रणाली लागू करने का सुझाव दिया गया है जो पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों की ड्यूटी प्रक्रियाओं को इंगित करता है। चुनाव को लेकर उचित निर्देश दिए गए। इसी प्रकार पुराने थाने का भी निरीक्षण कर साफ-सफाई रखी जाए। कार्यक्रम में रेबेना सीआई नरेंद्र, एसएसआई चंद्रशेखर व स्टाफ ने भाग लिया।

मुखिया के आदेश के मुताबिक ही काम करेंगे : मोहनराव पाटिल

निर्मल, 23 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी समिति के सदस्य भोसले मोहनराव पाटिल ने कहा कि तीन साल तक उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि वह भाजपा में बने रहेंगे, भले ही उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया है। उन्होंने साफ कर दिया कि वह मुखिया के आदेश के मुताबिक ही काम करेंगे । लेकिन पार्टी रैंक, अनुयायी और समर्थक जो अब तक उनके साथ खड़े थे। उन्होंने चेतावनी दी कि उन्हें कोई भी व्यक्ति बर्दाश्त नहीं करेगा जो हिंदू सहयोगियों की श्रेणी में पहुंच गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चकरीपुरम स्थित शिवा साई फंक्शन हॉल में राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा आयोजित एक शाम माताजी के नाम जागरण मे भजन प्रस्तुत करते हुए संदीप सेजु, खुशबू माली। अवसर पर अतिथियों का सम्मानकर कार्यक्रम का लाभ लेते हुए आयोजक व भक्तगण।

नवरात्रि उत्सव के दौरान बेगमपेट में आयोजित डांडिया कार्यक्रम में आईपीएस तरुण जोशी का सम्मान करते हुए आयोजक कविता जैन, गुजराती वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी। साथ में हैं सोलोनी जैन, गौतम जैन, कृपा पटेल, विभूति जैन व अन्य तथा डांडिया का लुत्फ उठाते हुए डांडियाप्रेमी।

प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा आयोजित कुलपाक तीर्थ यात्रा व स्नेह मिलन कार्यक्रम में उपस्थित जया जागीरदार, कल्पना कांतिलाल शाह, गीता शाह, कल्पना अग्रवाल, मीनाक्षी नागड़ा व अन्य।

नारसिंगी स्थित श्री कृष्ण गौशाला में राजपूत समाज द्वारा आयोजित करणीमाताजी के विशाल जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए विश्नाराम, गोविन्दराम सुथार। मुख्यअतिथि अध्यक्ष रतनसिंह शेखावत, पेपसिंह, राजुसिंह, कूमसिंह का सम्मानकर भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए आयोजक व भक्तगण।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

विराट-रोहित कुछ नहीं कर पाएंगे अगर ये तीन खिलाड़ी दम नहीं दिखाएंगे

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम ने अभी तक वनडे वर्ल्ड कप-2023 में शानदार खेल दिखाया है. ये टीम पांच मैचों में पांच जीत हासिल करने के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है. टीम की सफलता में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली का तो अहम रोल रहा है लेकिन तीन खिलाड़ी हैं जो अगर नहीं चलें तो रोहित-विराट भी फेल हो जाएं.

टीम इंडिया से जिस प्रदर्शन की उम्मीद वनडे वर्ल्ड कप-2023 में थी अभी तक ऐसा ही प्रदर्शन देखने को मिला है. टीम इंडिया ने अभी तक इस टूर्नामेंट में पांच मैच खेले हैं और पांच मैचों में उसे जीत मिली है. भारत ने न्यूजीलैंड को मात दी. ये वो टीम है जिसने भारत को आईसीसी इवेंट्स में हमेशा परेशान किया है. भारत 2003 के बाद से वनडे वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड से जीत नहीं सका था लेकिन इस बार रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारत ने इस टीम को मात दी. अभी तक इस वर्ल्ड कप में रोहित और विराट कोहली का बल्ला जमकर चला है लेकिन टीम इंडिया की सफलता सिर्फ इन दो के दम पर नहीं हैं. अगर भारत के तीन खिलाड़ी नहीं चलेंगे तो फिर रोहित और विराट भी कुछ नहीं कर पाएंगे. ये तीन खिलाड़ी हैं जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव. इन तीनों ने अभी तक भारतीय टीम को हर मैच में जीत दिलाने में अहम रोल निभाया है. कुलदीप यादव, जडेजा को खेलना भारतीय पिचों पर आसान नहीं है. वहीं बुमराह चोट से वापसी के बाद और खतरनाक हो गए हैं.

बुमराह ने दिखाया दम

इस वर्ल्ड कप से पहले बुमराह चोटों से परेशान थे. लग रहा था कि वह खेल नहीं पाएंग और खेलेंगे भी तो अपनी पूरी लय में नहीं होंगे. बुमराह ने हालांकि एशिया कप से पहले ही वापसी की और अपनी लय हासिल कर ली. इसके दम पर वह वर्ल्ड कप में उतरे और अब टूर्नामेंट के सबसे घातक गेंदबाज बन गए हैं. पांच मैचों में बुमराह 11 विकेट निकाल चुके हैं. उन्होंने रन भी ज्यादा खर्च नहीं किए. वह शुरू के ओवरों में तो काफी सफल रहे हैं तो वहीं अंत के ओवरों में भी उन्होंने शानदार काम किया. चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने शानदार दो विकेट ले बता दिया था कि इस वर्ल्ड कप में वह बल्लेबाजों के लिए सिरदर्द साबित होंगे.

कुलदीप की फिरकी बनी फंदा

भारत के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव इस समय शानदार फॉर्म में हैं और बल्लेबाजों को अपनी फिरकी के फंदे में फंसा रहे हैं. अभी तक वह पांच मैचों में आठ विकेट ले चुके हैं. कुलदीप ने मिडिल ओवरों में बल्लेबाजों पर लगाम लगाने का शानदार काम किया है. वह रन भी नहीं देते और विकेट भी निकाल लेते है. रोहित को जब विकेट की जरूरत होती है या बल्लेबाज पर दबाव बनाना होता है तो वह कुलदीप को बुलाते हैं और ये चाइनामैन गेंदबाज उन्हें निराश नहीं करता.

जडेजा ने किया कमाल

रवींद्र जडेजा लंबे समय से टीम के अहम खिलाड़ी हैं. वह बल्ले और गेंद से तो कमाल करते ही हैं लेकिन साथ ही फील्डिंग से भी टीम को सफलता दिलाते हैं. जडेजा ने इस वर्ल्ड कप में भारत के पहले ही मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था और तीन विकेट अपने नाम किए थे. अगले मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ उन्हें हालांकि विकेट नहीं मिले थे लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ दो विकेट लिए थे और बांग्लादेश के खिलाफ भी दो विकेट निकाले थे. अभी तक जडेजा को इस वर्ल्ड कप में सिर्फ एक बार ही बल्लेबाजी करने का मौका मिला है और यहां भी वह टीम के कीम आए. न्यूजीलैंड के खिलाफ जब टीम मुश्किल में थी तब जडेजा ने नाबाद 39 रनों की पारी खेली थी. अभी तक जडेजा पांच मैचों में सात विकेट ले चुके हैं.

एशियन पैरा गेम्स 2023

सरबजोत सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता

पेरिस ओलंपिक में कोटा किया हासिल

हांगझोउभारत, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरबजोत सिंह ने कोरिया के चांगवोन में 15वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप के पहले दिन सफलता का स्वाद चखा, जब सरबजोत सिंह ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता और इसके साथ ही निशानेबाजी में आठवां पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया. पिस्टल स्पर्धाओं में यह पहला कोटा था. सरबजोत ने फाइनल में 221.1 का स्कोर किया और क्रमशः दो चीनी, झांग यिफान (स्वर्ण, 243.7) और लियू जिनयाओ (242.1) से पीछे रहे. चैंपियनशिप के पहले दिन सफलता का स्वाद चखा, जब सरबजोत सिंह ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता और इसके साथ ही निशानेबाजी में आठवां पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया. भारत ने कोरिया के चांगवोन में 15वीं एशियाई निशानेबाजी

3 साल के बोर्निल ने खास उपलब्धि हासिल की

एशिया जूनियर बैडमिंटन के अंडर-15 में जीता खिताब

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बोर्निल ने टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में हमवतन जगशेर सिंह को हराया। बालिकाओं के वर्ग में तान्वी शर्मा अंडर-17 के एकल फाइनल में पहुंच गई हैं।

भारत के अंडर-15 बैडमिंटन खिलाड़ी बोर्निल आकाश चांगमाई ने चीन के चेंगदू में बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में फैन होंग जुआन को हराकर स्वर्ण पदक जीता। लड़कों के एकल फाइनल में बोर्निल ने चीन के 14 साल के खिलाड़ी को 34 मिनट में 21-19, 21-13 से शिकस्त दी। असम के रहने वाले तेरह बरस के बोर्निल 2013 में सिरिल वर्मा के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले दूसरे जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं। बोर्निल ने टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में हमवतन जगशेर सिंह को हराया। बालिकाओं के वर्ग में तान्वी शर्मा अंडर-17 के एकल फाइनल में पहुंच गई हैं। बोर्निल के प्रदर्शन ने जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ियों की सफलताओं के सिलसिले को आगे बढ़ाया है। इससे पहले इसी महीने आयुष शेट्टी ने अमेरिका में विश्व बैडमिंटन जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया था।

इसके अलावा सीनियर स्तर पर चीन के हांगझोऊ में हुए एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी ने युगल में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता और दुनिया में नंबर एक जोड़ी बनी। एच एस प्रणय ने एकल में कांस्य पदक जीता।

पूर्व कप्तान, कोच और महान स्पिनर बिशन सिंह बेदी का निधन

नई दिल्ली, भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान स्पिनर बिशन सिंह बेदी का सोमवार को निधन हो गया है। वे करीब 77 वर्ष के थे।

बायें हाथ के स्पिनर बेदी ने 1967 और 1979 के बीच भारत के लिए 67 टेस्ट मैच खेले और 266 विकेट लिए थे।वहीं, उन्होंने 10 वनडे मैचों में सात विकेट भी हासिल किए।

1970 के दशक में बिशन सिंह बेदी भारतीय क्रिकेट टीम की प्रसिद्ध स्पिन चौकड़ी का हिस्सा थे। इस चौकड़ी में उनके साथ इरापल्ली प्रसन्ना, बीएस चंद्रशेखर और एस वेंकटराघवन हुआ करते थे।

बेदी 1975 का विश्व कप क्रिकेट मैच खेलने वाली भारतीय क्रिकेट टीम का भी हिस्सा थे। वह 1990 में भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच भी बने थे।

कहा जाता है कि वे सचिन तेंदुलकर को अपने बेटे की तरह मानते थे, इसके बावजूद नेट पर प्रैक्टिस के दौरान सचिन से वह सख्ती से पेश आते थे।

देश भर के क्रिकेट प्रेमियों में फैली शोक की लहर

उनके निधन से देश भर के क्रिकेट प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई है। देश भर में क्रिकेट प्रेमियों ने शोक जताया है।

देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिशन सिंह बेदी के निधन पर ट्वीट कर शोक जताया है। उन्होंने लिखा है कि ₹देश ने अपने सबसे महान खेल आइकनों में से एक को खो दिया है।

वह उन कुछ लोगों में से थे जिन्होंने स्पिन गेंदबाजी को एक कला के रूप में विकसित किया। उन्होंने क्रिकेट और क्रिकेटरों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिशन सिंह बेदी के निधन पर ट्वीट कर शोक जताया है। उन्होंने लिखा है कि, बिशन सिंह बेदी के निधन की खबर दुखद है। क्रिकेट के लिए उनका जुनून और भारतीय क्रिकेट में उनका योगदान महत्वपूर्ण हैं। वह आने वाली आने वाली पीढ़ियों को भी लगातार प्रेरित करते रहेंगे।

वहीं उनके निधन पर एनएनआई से बात करते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल ने कहा है कि ₹दुख की बात है कि बिशन पाजी अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने भारतीय क्रिकेट में बहुत बड़ा योगदान दिया। उन्होंने हमें जीतना सिखाया। आज भारतीय क्रिकेट जो कुछ भी है वह बिशन जी की वजह से है।

पूर्व क्रिकेटर हरि गिडवानी ने कहा, ₹वह बहुत ही शानदार कप्तान और उदार किस्म के व्यक्ति थे। मैंने अव्वल दर्ज़े के जो भी मैच खेले थे वो उन्हीं की कप्तानी में खेले थे। मैं उन्हें याद करूंगा।

एएनआई से बात करते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर अरशद अयूब ने कहा, उन्होंने भारत के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय क्रिकेट में उनका महान योगदान था, उनका काम करने का अपना तरीका था।

मुंबई के बोरिवली आग में पूर्व आईपीएल क्रिकेटर पॉल वल्थाटी की बहन और भांजे की मौत, इंग्लैंड से आई थी ग्लोरी

मुंबई, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बोरीवली (प.) की वीना संतूर बिल्डिंग में आग लगने से एक महिला और उसके आठ साल के बेटे की मौत हो गई। इस अग्निकांड में तीन लोग आग में झुलस गए, जिनको हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मृतक महिला ग्लोरी वल्थाटी क्रिकेटर पॉल वल्थाटी की बहन थी। ग्लोरी पति और दो बच्चों के साथ बीमार मां को देखने के लिए यूके से मुंबई आई थीं। पॉल वल्थाटी आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल चुके हैं।

फायर ब्रिगेड ऑफिसर पी.आर. परुलेकर ने बताया कि उन्हें आग की घटना की जानकारी दिन में करीब साढ़े बारह बजे मिली। आग बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर लगी थी, जो जल्द ही छठे फ्लोर तक पहुंच गई।

कमरे में बेहोश मिले मां-बेटा

महिला और उसका बेटा चौथे फ्लोर पर रहते थे। फायर ब्रिगेड के जवानों को वे दोनों कमरे के बाहर बेहोशी की हालत में मिले थे। परुलेकर के अनुसार, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट, घर में मौजूद किसी के मंदिर का दीया या गैस लीकेज हो सकती है। फायर ब्रिगेड ऑफिसर ने बताया कि आग लगने के बाद पूरी बिल्डिंग में धुंआ भर गया था, जिससे लोग बाहर नहीं निकल सके। आग की इस घटना में लक्ष्मी बूरा, राजेश्वरी भरतारे और राजन सुबोध शाह 50 प्रतिशत से ज्यादा झुलस गए हैं। इनका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। फायर ब्रिगेड के एक अन्य ऑफिसर ने बताया कि आग करीब साढ़े ग्यारह बजे लगी थी, लेकिन फायर ब्रिगेड को साढ़े बारह बजे सूचना मिली। अगर समय पर सूचना दी गई होती, तो आग छठवें फ्लोर तक नहीं पहुंच पाती।

आग बुझाने अंदर नहीं पहुंच पाई फायर की गाड़ी

आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी बिल्डिंग के अंदर तक नहीं पहुंच पाई, जिससे आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिल्डिंग के पीछे बने गार्डन पर बिल्डर ने शेड लगा दिया था, इस वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़ी नजदीक पहुंचाने में दिक्कत आई। आग की घटना के बाद सोसायटी के लोगों ने अवैध रूप से लगे इस शेड को गिराने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें ऐसा नहीं करने दिया। लोगों का कहना है कि यदि गार्डन में अवैध निर्माण नहीं हुआ होता, तो फायर ब्रिगेड की गाड़ी आसानी से वहां पहुंच कर जल्दी आग बुझा सकती थी।

पाक टीम के मैनेजमेंट पर शोएब अख्तर ने कर दिया बड़ा खुलासा, अफगान टीम को दी बधाई

मुंबई, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व कप में अफगानिस्तान के हाथों मिली हार के बाद अब पाक टीम सवालों के घेरे में आ गई है। टीम के खिलाड़ियों की फिटनेस से लेकर टीम मैनेजमेंट तक पर सवाल उठने लगे हैं। ये सभी सवाल पाक टीम के पूर्व खिलाड़ियों द्वारा ही लगाए जा रहे हैं। टीम के खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर पहले वसीम अकरम ने सवाल उठाएं तो वहीं अब शोएब अख्तर ने टीम के मैनेजमेंट को लेकर बड़ी बात कह दी है। तो वहीं अफगानिस्तान टीम के कोच और मेंटर की तारीफ की है।

मीडिया से बातचीत करते हुए शोएब अख्तर ने पाक टीम के मैनेजमेंट पर कई सवाल खड़े किए हैं। अख्तर ने कहा कि, "हमारी पूरी टीम में किसी का भी

स्ट्राइक रेट 90 से ऊपर नहीं है। जबकि अफगान टीम के बल्लेबाज गुरबाज़ का स्ट्राइक रेट 120 से अधिक का रहा है। क्या टीम या मैनेजमेंट के पास इसका कोई जवाब है?" इस दौरान अख्तर ने अफगानिस्तान के बैक-रूम स्टाफ की प्रशंसा की जिसमें भारत के पूर्व कप्तान अजय जड़ेजा को मेंटर और इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट को मुख्य कोच के रूप में शामिल किया गया है।

आगे शोएब अख्तर ने अफगानिस्तान टीम के साथ मेंटर के रूप में जुड़े पूर्व भारतीय खिलाड़ी अजय जडेजा को लेकर बताया कि, "अजय जड़ेजा भारतीय टीम के सबसे चतुर खिलाड़ियों में से एक थे और अब अफगान टीम के साथ मेंटर के रूप में जुड़े है जिसका असर देखने को मिल रहा है। अफगानिस्तान इस जीत का हकदार था, आज उनके 'जज़्बा' और समझदारी और क्लिनिकल दृष्टिकोण की जीत हुई है। अफगानों ने पाकिस्तान को सिखाया कि आज कैसे बल्लेबाजी करनी है।"

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 23 अक्टूबर को चेन्नई में मैच खेला गया। मैच को अफगानिस्तान ने 8 विकेट से अपने नाम किया। विश्व कप 2023 में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट में दूसरी जीत हासिल की है। इस मैच में पहले अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने पाक बल्लेबाजों को ज्यादा रन बनाने से रोका। उसके बाद सूझबूझ से बल्लेबाजी करते हुए अफगान बल्लेबाजों ने महज 2 विकेट खोकर ही मैच को अपने नाम कर लिया। इससे पहले अफगान टीम ने विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हराया था।

पाकिस्तान पर जीत के बाद इरफान के साथ झूमे राशिद

बाबर का नबी से अपने जूतों की लेस बंधवाने से इनकार

चेन्नई, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान पर 8 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। चेन्नई के चेपॉक मैदान पर मैच देखने आए दर्शकों ने अफगानिस्तान को चीयर किया। मैच जीतने के बाद अफगानी प्लेयर्स ने अपने देश का झंडा लपेटकर पूरे ग्राउंड का चक्कर लगाया।

इस दौरान कॉमेंटेटर इरफान पठान लेग स्पिनर राशिद खान के साथ डांस करते नजर आए।

बाबर ने नबी से जूत की लेस बंधवाने से मना किया

बाबर और नबी के बीच 16वें ओवर में हीटेड मोमेंट दिखने के बाद एक खूबसूरत मोमेंट भी देखने को मिला। नबी के ओवर में बाबर आजम के जूतों की लेस खुल गई। उन्होंने गेंदबाज को लेस बांधने के लिए पूछा, नबी आ भी गए लेकिन बाबर ने नबी के सम्मान में उनसे लेस बंधवाने से मना कर दिया। बाबर तुरंत ही दूसरी ओर पलटे और ग्लव्स निकालकर अपनी लेस खुद ही बांध ली। नबी ने भी बाबर से लेस बांधने के लिए जोर नहीं दिया और उनकी पीठ थपथपा कर बॉलिंग करने चले गए।

इरफान ने राशिद के साथ डांस किया

मैदान का चक्कर लगाने के दौरान भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान (अब कॉमेंटेटर) के साथ राशिद ने डांस भी किया। दोनों स्टेडियम में बज रहे गाने पर भांगड़ा करते नजर आए। डांस के बारे में पूछे जाने पर राशिद ने कहा कि उन दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद भी डांस किया था, जो तब अफगानिस्तान में बहुत फेमस भी हुआ। वो डांस लोगों को इतना पसंद आया कि उन्हें पाकिस्तान पर जीत के बाद भी इसे दोहराना पड़ा।

अफगानिस्तान ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान को हराकर प्वाइंट्स टेबल में बड़ा उलटफेर किया है

इस मैच के बाद इंग्लैंड 10वें स्थान पर खिसक गई है

चेन्नई, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में नया इतिहास रचते हुए विश्व कप 2023 के 22वें मुकाबले में पाकिस्तान को 8 विकेट से धूल चटाई. अफगानिस्तान ने इस जीत के बाद प्वाइंट्स टेबल में बड़ा फेरबदल करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड को 10वें नंबर पर पहुंचा दिया, साथ ही पाकिस्तान के लिए सेमीफाइनल की राह को मुश्किल बना दिया. इससे पहले अफगान टीम ने टूर्नामेंट में इंग्लैंड को हराकर पहली जीत अपने नाम की थी.

वहीं पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद अफगानिस्तान छठे नंबर पर आ गई है जबकि पाकिस्तान चौथे नंबर पर मौजूद है. पाकिस्तान ने अब तक टूर्नामेंट के 5 में से 2 मैच जीते हैं. ऐसे में उन्हें सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए बाकी सभी मैच हरहाल में अपने नाम करने होंगे. इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने अपने लिए सेमीफाइनल की उम्मीदों को कहीं न कहीं ज़िंदा रखा है.

नंबर वन भारत के साथ ऐसा है टॉप-4

वहीं प्वाइंट्स टेबल में टॉप-4 की बात करें तो टीम इंडिया सबसे ज़्यादा 5 मुकाबले जीतने के बाद 10 प्वाइंट्स हासिल कर अव्वल नंबर पर मौजूद है. इसके बाद न्यूज़ीलैंड 8 प्वाइंट्स के साथ दूसरे नंबर बनी हुई है. फिर साउथ अफ्रीका 6 प्वाइंट्स के साथ तीसरे और ऑस्ट्रेलिया 4 प्वाइंट्स एवं निगेटिव -0.193 नेट रनरेट के साथ चौथे नंबर पर है.

बाकी टीमों का ऐसा है हाल

टॉप-4 से आगे निकलते हुए पाकिस्तान 4 प्वाइंट्स और निगेटिव -0.400 नेट रनरेट के साथ पांचवें नंबर पर दिखती है. इसके बाद अफगानिस्तान 4 प्वाइंट्स और निगेटिव -0.969 नेट रनरेट के साथ छठे नंबर पर है. फिर बांग्लादेश 2 प्वाइंट्स और निगेटिव -0.784 नेट रनरेट के साथ सातवें, नीदरलैंड्स 2 प्वाइंट्स और निगेटिव -0.790 नेट रनरेट के साथ आठवें, श्रीलंका 2 प्वाइंट्स और निगेटिव -1.048 नेट रनरेट के साथ नौवें और इंग्लैंड 2 प्वाइंट्स और निगेटिव -1.248 नेट रनरेट के साथ 10वें यानी आखिरी स्थान पर है. गौरतलब है कि फिलहाल इंग्लैंड का नेट रन रेट सबसे ज़्यादा खराब है.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.